NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D.| B. Pharma
BPT MPT D|BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

लखनऊ से प्रकाशित

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

वर्ष: 14 अंक: 138 लखनऊ, शनिवार 04 जनवरी 2025 मूल्य: 02 रूपये पृष्ठ- 08

टीबी रोगी समाज का अंग, उनका सहारा बनें निक्षय मित्र और सम्मान प्रदान कराएं : योगी

लखनऊ (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सेवानिवृत्त हो चुके आईएएस, आईपीएस, पूर्व कुलपतियों,शिक्षाविदों व अन्य वरिष्ठ नागरिकों को'निक्षय मित्र की बड़ी जिम्मेदारी दी है।'निक्षय मित्र के रूप में यह वरिष्ठ नागरिक 'टीबी उन्मूलन के प्रयासों में जनजागरूकता बढ़ाने के लिए सहयोग करेंगे। गुरुवार को मुख्यमंत्री ने इस संबंध में सभी के साथ बैठक की और टीबी मुक्त उत्तर प्रदेश अभियान को सफल बनाने के लिए सहयोग का आह्वान किया। विशेष बैठक में मुख्यमंत्री ने सेवानिवृत्त आईएएस, आईपीएस और पूर्व कुलपतियों को प्रधानमंत्री मोदी के 'टीबी मुक्त भारत के संकल्प के बारे में जानकारी दी। उन्होंने स्वस्थ भारत से ही समर्थ भारत का निर्माण संभव है और जब भारत समर्थ होगा तभी शक्तिशाली होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वर्ष 2030 तक विश्व को टीबी मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा था, जिसे मिशन मोड में लेते हुए प्रधानमंत्री ने भारत के लिए वर्ष 2025 तक का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि विश्व में सबसे अधिक टीबी रोगी भारत मे हैं और भारत को टीबी मुक्त करने के लिए सबसे बड़ी आबादी के राज्य उत्तर प्रदेश में टीबी उन्मूलन अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में टीबी रोगियों की जाँच पहले के मुकाबले चार गुना हो गई है। नैट एवं एक्सरे मशीनों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। प्रदेश में टीबी उपचार की सफलता दर पिछले चार वर्षों में 79 प्रतिशत से बढ़कर 92 प्रतिशत हो गई है। टीबी उन्मूलन कार्यक्रम में जनभागीदारी के महत्व पर चर्चा करते हुए योगी ने कहा कि अब तक 45 हजार से अधिक निरूक्षय मित्रों द्वारा टीबी रोगियों को गोद लिया गया है और प्रदेश की 1372 ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त घोषित किया गया है। उन्होंने सभी से सहयोग का आह्वान करते हुए कहा कि आप सभी ने लंबे समय तक समाज के बीच कार्य किया है। सभी सुदीर्घ अनुभव रखते हैं। अब सेवानिवृत्ति के बाद आप सभी इस राष्ट्रीय मिशन में सहयोग कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह सबका साझा दायित्व है कि कोई भी टीबी का रोगी छूटने न पाये और जिनको भी टीबी से ग्रसित पाया जाये, उनको तत्काल सही और निरंतर चिकित्सा उपचार उपलब्ध कराया जाये। उनको अतिरिक्त पोषण उपलब्ध कराया जाए और कोई न कोई निरूक्षय मित्र उनसे जुड़कर उनका सहारा बने। इसके साथ ही उनके परिवार के शेष सदस्यों की भी जांच कराकर उचित चिकित्सा परामर्श एवं उपचार उपलब्ध कराया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि टीबी रोगी समाज का अंग हैं, समाज में उनको सम्मान प्रदान कराया जाना, हम सबकी प्राथमिकता होनी चाहिए। निक्षय मित्र के रूप में सभी सेवानिवृत्त आईएएस,आईपीएस और पूर्व कुलपतियों टीबी मरीजों को गोद लें,

विवाद के बीच अजमेर दरगाह पर चादर भेजेंगे पीएम मोदी, 813वां उर्स हो रहा शुरू

एक हिंदू याचिकाकर्ता द्वारा दरगाह के परिसर के भीतर एक शिव मंदिर के अस्तित्व का दावा करने के बाद प्रसिद्ध अजमेर शरीफ दरगाह के सर्वेक्षण की मांग वाली याचिका को स्वीकार करने के अजमेर अदालत के आदेश पर विवाद पैदा होने के कुछ दिनों बाद औपचारिक चादर की पेशकश की गई है।

नई दिल्ली (एजेंसी)शिव मंदिर विवाद के बीच केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य एवं संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू 4 जनवरी को अजमेर में ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह शरीफ पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भेजी जाने वाली चादर देखने के लिए तैयार हैं। यह परंपरा हर साल ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती के उर्स के दौरान मनाई जाती है, जहां प्रधानमंत्री की चादर दरगाह शरीफ पर चढ़ाई जाती है। इस महत्वपूर्ण अवसर के दौरान केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री परंपरागत रूप से प्रधान मंत्री का प्रतिनिधित्व करते हैं।एक हिंदू याचिकाकर्ता द्वारा दरगाह के परिसर के भीतर एक शिव मंदिर के अस्तित्व का दावा करने के बाद प्रसिद्ध अजमेर शरीफ दरगाह के सर्वेक्षण की मांग वाली याचिका को स्वीकार करने के अजमेर अदालत के आदेश पर विवाद पैदा होने के कुछ दिनों बाद औपचारिक चादर की पेशकश की गई है। रिजिजू का शनिवार सुबह 7रू15 बजे जयपुर हवाईअड्डे पर पहुंचने का कार्यक्रम है और वह सड़क मार्ग से अजमेर जाएंगे। चादर चढ़ाने की रस्म अजमेर दरगाह शरीफ पर सुबह 11 बजे होगी.इस यात्रा के दौरान केंद्रीय मंत्री रिजिजू दरगाह शरीफ का वेब पोर्टल और श्गरीब नवाजश मोबाइल ऐप भी लॉन्च करेंगे, जिसका उद्देश्य श्रद्धालुओं के लिए सुविधा बढ़ाना है। इसके अतिरिक्त, उर्स मैनुअल जारी किया जाएगा, जिसमें उर्स के संचालन और व्यवस्थाओं का विवरण होगा। नया वेब पोर्टल ख्वाजा साहब के जीवन और शिक्षाओं के बारे में व्यापक जानकारी प्रदान करता है। यह दरगाह समिति द्वारा प्रदान की जाने वाली सुविधाओं, जैसे श्लंगरश और श्डिग्रीश सेवाओं के बारे में विवरण भी प्रदान करता है, और इसमें ऑनलाइन गेस्टहाउस बुकिंग का विकल्प भी शामिल है।

एनएसयूआई ने पीएम मोदी को लिखा पत्र, डीयू के एक कालेज का नाम मनमोहन सिंह के नाम पर रखने की मांग की

नई दिल्ली (एजेंसी) भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ (एनएसयूआई) ने गुरुवार को पीएम मोदी से दिल्ली विश्वविद्यालय के तहत एक कॉलेज का नाम दिवंगत

पूर्व पीएम डॉ. मनमोहन सिंह के नाम पर रखने का आग्रह किया। पीएम मोदी को लिखे पत्र में एनएसयूआई ने यह भी मांग की कि एक केंद्रीय विश्वविद्यालय का नाम डॉ. मनमोहन सिंह के नाम पर रखा जाए और पाठ्यक्रम में उनकी जीवन यात्रा को शामिल किया जाए। यह मांग तब हुआ है जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पूर्वी और पश्चिमी दिल्ली में दिल्ली विश्वविद्यालय के दो नए परिसरों की आधारशिला रखने की चर्चा है, जिनमें वीर सावरकर और दिवंगत भाजपा नेता सुषमा स्वराज के नाम पर कॉलेज होंगे।सावरकर के नाम पर कॉलेज नजफगढ़ में पश्चिमी दिल्ली परिसर में बनेगा और दिवंगत भाजपा नेता सुषमा स्वराज के नाम पर संस्थान फतेहपुर बेरी में डीयू के पूर्वी दिल्ली परिसर में स्थापित किया जाएगा। पीएमओ के मुताबिक प्रधानमंत्री दिल्ली विश्वविद्यालय में 600 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली तीन नई परियोजनाओं की भी आधारशिला रखेंगे। इनमें पूर्वी दिल्ली के सूरजमल विहार के पूर्वी परिसर में एक अकादमिक ब्लॉक, द्वारका के पश्चिमी परिसर में एक अकादमिक ब्लॉक और नजफगढ़ के रेशनपुरा में वीर सावरकर कॉलेज का भवन भी शामिल है।

इस कॉलेज में शिक्षा के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं होंगी। पीएमओ ने कहा कि मोदी दिल्ली के अशोक विहार में स्वामिमान अपार्टमेंट में झुग्गी झोपड़ी पुनर्वास परियोजना के तहत झुग्गी झोपड़ी में रहने वालों के लिए नवनिर्मित फ्लैटों का दौरा करेंगे और पात्र लाभार्थियों को चाबियां सौंपेंगे तथा 1,675 नवनिर्मित फ्लैटों का उद्घाटन करेंगे।

देर रात 46 आईएएस अधिकारियों के ट्रांसफर, संजय प्रसाद की गृह विभाग में वापसी

लखनऊ संवाददाता। योगी सरकार ने गुरुवार की देर रात 46 आईएएस अफसरों के तबादले किए हैं। उच्च स्तर पर अधिकारियों के दायित्वों में बड़ा बदलाव किया गया है। अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार से गृह का कार्यभार वापस लेकर एक बार फिर से प्रमुख सचिव संजय प्रसाद को दिया गया है। संजय प्रसाद से गृह विभाग का दायित्व चुनाव के दौरान आयोग के निर्देश पर वापस ले लिया गया था। तभी से यह माना जा रहा था कि उन्हें कभी भी यह चार्ज फिर से दिया जा सकता है। दीपक कुमार को वित्त व माध्यिमक शिक्षा के साथ बेसिक शिक्षा का दायित्व दिया गया है। वहीं डॉ. हरिओम पर उनके विभागीय मंत्री की नाराजगी भारी पड़ी और उन्हें समाज कल्याण विभाग से व्यावसायिक शिक्षा विभाग में भेजा गया है।

दीपक कुमार अपर मुख्य सचिव वित्त, संस्थागत वित्त, वाह्य सहायतित परियोजनाएं, माध्यमिक शिक्षा, गृह गोपन, वीजा, पासपोर्ट तथा सतर्कता विभाग व वित्त आयुक्त से गृह गोपन, वीजा, पासपोर्ट तथा सतर्कता विभाग के प्रभार से मुक्त कर दिया गया है। उन्हें वित्त व माध्यमिक शिक्षा के साथ बेसिक शिक्षा का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। एल वेंकटेश्वरलू प्रमुख सचिव परिवहन, अध्यक्ष राज्य सड़क परिवहन निगम, महानिदेशक प्रशाएन एवं प्रबंधन अकादमी तथा महानिदेशक दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान से प्रमुख सचिव समाज कल्याण तथा सैनिक कल्याण, प्रबंध निदेशक यूपीसिडको, निदेशक अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान और निदेशक छत्रपति शाहू जी महाराज शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान उत्तर प्रदेश का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। राजेश कुमार प्रथम को प्रतीक्षरत से प्रमुख सचिव होमगार्ड बनाया गया है। बाबू लाल मीना प्रमुख सचिव उद्यान रेशम खाद्य प्रसंस्करण तथा होमगार्ड से होमगार्ड का अतिरिक्त प्रभार से वापस ले लिया गया है। आलोक कुमार द्वितीय प्रमुख सचिव खेलकूद, युवा कल्याण, सूक्ष्म लघु मध्यम उद्यम एवं निर्यात प्रोत्साहन, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग, खादं एवं ग्रामोद्योग सार्वजनिक उद्यम, प्राविधिक शिक्षा, व्यवसायिक शिक्षा, कौशाल विकास मिशन एवं उद्यमशीलता विभाग तथा महानिदेशक सार्वजनिक उद्यम से हथकरक्षा एवं वस्त्रोद्योग, खादी एवं ग्रामोद्योग, सार्वजनिक उद्यम, प्राविधिक शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास, उद्यमशीलता विभाग तथा महानिदेशक सार्वजनिक उद्यम के प्रभार से मुक्त कर दिया गया है। उन्हें प्रमुख सचिव अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास तथा एनआरआई विभाग का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

नरेंद्र भूषण प्रमुख सचिव ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत विभाग तथा पंचायती राज विभाग को पंचायती राज विभाग के प्रभार से मुक्त कर दिया गया है। उन्हें प्राविधिक शिक्षा का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। वीना कुमारी मीना प्रमुख सचिव चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास आबकारी से आयुष विभाग का अतिरिक्त प्रभार वापस ले लिया गया है। संजय प्रसाद प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री प्रोटोकॉल तथा सूचना एवं जनसंपर्क को इन पदों के साथ गृह गोपन, वीजा, पासपोर्ट तथा सतर्कता विभाग का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

भाजपा नेता से हुई जिरह, 10 जनवरी को अगली सुनवाई

यह मामला 2018 के कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बारे में रायबरेली के कांग्रेस सांसद द्वारा की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के संबंध में है। गांधी के वकील, काशी प्रसाद शुक्ला ने कहा कि शिकायतकर्ता, विजय मिश्रा, जो एक स्थानीय भाजपा नेता हैं, जिन्होंने शिकायत दर्ज की थी, से जिरह की गई।

नई दिल्ली (एजेंसी)लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि मामले में गुरुवार को सुल्तानपुर की विशेष एमपी–एमएलए अदालत में सुनवाई हुई। एक वकील ने कहा कि जिरह सहित आगे की कार्यवाही 10 जनवरी को जारी रहेगी। यह मामला 2018 के कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बारे में रायबरेली के कांग्रेस सांसद द्वारा की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के संबंध में है। गांधी के वकील, काशी प्रसाद शुक्ला ने कहा कि शिकायतकर्ता, विजय मिश्रा, जो एक स्थानीय भाजपा नेता हैं, जिन्होंने शिकायत दर्ज की थी, से जिरह की गई।वकील ने बताया कि पूछताछ पूरी नहीं हो पाने के कारण अगली सुनवाई 10 जनवरी को तय की गई है। मिश्रा के वकील संतोष कुमार पांडे ने कहा, ष्राहुल गांधी के वकील ने मानहानि मामले को लेकर आज मेरे मुवक्किल से जिरह की। अगला कदम 10 जनवरी को उठाया जाएगा।ष यह मामला 2018 में भाजपा नेता और सुल्तानपुर के कोतवाली देहात क्षेत्र के हनुमानगंज निवासी मिश्रा द्वारा दायर किया गया था। मिश्रा ने आरोप लगाया कि कर्नाटक चुनाव के दौरान शाह पर गांधी की टिप्पणी आपत्तिजनक थी और इससे उन्हें गहरा दुख पहुंचा था। पिछले पांच वर्षों में, मामले में कई कार्यवाही हुईं, लेकिन गांधी कथित तौर पर अदालत में पेश होने में विफल रहे।नतीजतन, दिसंबर 2023 में एक वारंट जारी किया गया, जिससे गांधी को अदालत में पेश होने के लिए मजबूर होना पड़ा। फरवरी 2024 में, कांग्रेस नेता ने समन का पालन किया और विशेष मजिस्ट्रेट ने उन्हें 25,000 रुपये की दो जमानत राशि पर जमानत दे दी। इसके बाद, अदालत ने उन्हें अपना बयान दर्ज करने का निर्देश दिया, जो कई बार स्थगन के बाद अंततः 26 जुलाई, 2024 को पूरा हुआ। अपने बयान में, गांधी ने खुद को निर्दोष बताया और दावा किया कि यह मामला उनके खिलाफ एक राजनीतिक साजिश का हिस्सा था। इसके बाद अदालत ने शिकायतकर्ता को सबूत पेश करने का निर्देश दिया। हालाँकि शुरुआत में सुनवाई 16 दिसंबर के लिए निर्धारित की गई थी, लेकिन न्यायाधीश की छुट्टी के कारण इसे स्थगित कर दिया गया और 2 जनवरी के लिए पुनर्निर्धारित किया गया।

अन्ना विश्वविद्यालय में यौन उत्पीड़न का मामला, मद्रास एचसी ने राजनीतिकरण करने के लिए पार्टियों को लगाई फटकार

याचिका की सुनवाई के दौरान आई, जिसमें मामले के संबंध में वल्लुवरकोटम में विरोध प्रदर्शन की अनुमति मांगी गई थी। विरोध प्रदर्शन आयोजित करने का प्रयास करते समय पुलिस द्वारा उनकी पार्टी के कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिए जाने के बाद बालू ने अदालत का दरवाजा खटखटाया।

नई दिल्ली (एजेंसी)मद्रास उच्च न्यायालय ने राजनीतिक दलों द्वारा चल रहे अन्ना विश्वविद्यालय यौन उत्पीड़न मामले का राजनीतिकरण करने के प्रयास पर अस्वीकृति व्यक्त की है। यह टिप्पणी पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) नेता और वकील बालू द्वारा दायर एक याचिका की सुनवाई के दौरान आई, जिसमें मामले के संबंध में वल्लुवरकोटम में विरोध प्रदर्शन की अनुमति मांगी गई थी। विरोध प्रदर्शन आयोजित करने का प्रयास करते समय पुलिस द्वारा उनकी पार्टी के कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिए जाने के बाद बालू ने अदालत का दरवाजा खटखटाया।

उन्होंने अदालत से हस्तक्षेप करने और पुलिस को प्रदर्शन की अनुमति देने का निर्देश देने का अनुरोध किया। याचिका पर न्यायमूर्ति वेलमुरुगन ने सुनवाई की, जिन्होंने मामले के राजनीतिकरण पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। आप अन्ना यूनिवर्सिटी यौन उत्पीड़न मामले का राजनीतिकरण क्यों कर रहे हैं? आप इस घृणित घटना को इस स्तर तक क्यों प्रचारित कर रहे हैं? क्या आप सुरक्षा के नाम पर प्रभावित छात्र का अपमान कर रहे हैं? उसे सुरक्षा प्रदान करना हर किसी का कर्तव्य है।श न्यायमूर्ति वेलमुरुगन ने कहा, हम सभी को इस घटना पर शर्म महसूस करनी चाहिए।बालू ने अपने बचाव में तर्क दिया कि विरोध का उद्देश्य महिला छात्रों के लिए बेहतर सुरक्षा की मांग करना था। हालांकि, जस्टिस वेलमुरुगन ने सवाल उठाया कि इस तरह के मुद्दे को लिंग के आधार पर अलग क्यों किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि क्या केवल छात्राओं को ही समस्याओं का सामना करना पड़ता है? महिलाएं कई जगहों पर पीड़ित हैं। आप महिलाओं के खिलाफ मुद्दों पर विरोध क्यों कर रहे हैं? क्या पुरुष पीड़ित नहीं हैं?

BPSC परीक्षा रद्द करने की मांग पर अड़े प्रशांत किशोर, आमरण अनशन पर बैठे

किशोर ने अपना अनशन शुरू करने से पहले एक सभा को संबोधित करते हुए परीक्षा के संचालन में कथित अनियमितताओं पर गंभीर चिंता जताई और तत्काल हस्तक्षेप का आह्वान किया। भर्ती प्रक्रिया में कुप्रबंधन और पारदर्शिता की कमी के बढ़ते आरोपों के बीच यह कदम उठाया गया है।

नई दिल्ली (एजेंसी)राजनीतिक रणनीतिकार और जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने हाल ही में आयोजित बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर पटना में आमरण अनशन की घोषणा की है। किशोर ने अपना अनशन शुरू करने से पहले एक सभा को संबोधित करते हुए परीक्षा के संचालन में कथित अनियमितताओं पर गंभीर चिंता जताई और तत्काल हस्तक्षेप का आह्वान किया। भर्ती प्रक्रिया में कुप्रबंधन और पारदर्शिता की कमी के बढ़ते आरोपों के बीच यह कदम उठाया गया है। किशोर ने इस बात पर जोर दिया कि उनके उपवास का उद्देश्य राज्य सरकार पर तेजी से कार्रवाई करने और पब में निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए दबाव डालना है। उन्होंने कहा कि मैं उन भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग करता हूं जिन्होंने कथित तौर पर परीक्षाओं द्वारा भरे जाने वाले पदों को खरीद–फरोख्त के लिए रखा है। उल्लेखनीय है कि प्रदर्शनकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल के मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा से मुलाकात के तुरंत बाद, किशोर ने सोमवार को कहा था कि वह '48 घंटे' तक इंतजार करेंगे और अगर नीतीश कुमार सरकार 13 दिसंबर को आयोजित संयुक्त प्रतियोगी परीक्षाओं पर कोई कार्रवाई करने में विफल रही, तो आंदोलन तेज हो जाएगा।सोमवार को जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने प्रदर्शनकारियों से कहा था कि वे नीतीश कुमार सरकार को '48 घंटे का समय दें और यदि इस समय तक कोई समाधान नहीं निकलता है तो वे अपना आंदोलन फिर से शुरू कर सकते हैं। मीणा से मिलने वाले प्रतिनिधियों में किशोर के पार्टी सहयोगी एवं सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी आरके मिश्रा शामिल थे। किशोर ने प्रतिनिधियों द्वारा जानकारी दिए जाने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि मुख्य सचिव ने धैर्यपूर्वक उनकी बात सुनी है। वे किसी समाधान तक नहीं पहुंच सके क्योंकि यह ऐसा निर्णय है जिसके लिए मुख्यमंत्री के हस्तक्षेप की आवश्यकता होगी, जिनके आज रात दिल्ली से लौटने की उम्मीद है।

बरेली में विवाद बढ़ता देख मुसलमानों ने मस्जिद के अवैध हिस्से को खुद गिराया

लखनऊ (एजेंसी) उत्तर प्रदेश में जमीन पर कब्जा करने या फिर धार्मिक स्थल का निर्माण करा देना कभी आम बात हो गई थी, लेकिन जब से योगी सरकार ने सख्ती दिखाई है भूमाफिया और धर्म की आड़ में जमीन कब्जाने वाले अपने आप ही सरकारी जमीन पर से कब्जा छोड़ने लगे हैं। ऐसा ही नजारा बरेली के मीरगंज थाना क्षेत्र में तिलमास गांव में तब देखने को मिला जब तालाब की जमीन पर मस्जिद के बने होने की शिकायत के बाद मस्जिद के अवैध निर्माण को स्वयं लोगों ने तोड़ दिया। इससे पहले राजस्व की टीम ने मौके पर जाकर नाप कराई थी तो पता चला कि मस्जिद का एक हिस्सा सरकारी तालाब की जमीन में है इसके बाद एतिहातन गांव में पुलिस को तैनात कर दिया गया था।बताया जाता है कि विवाद सुलझाने के लिये मुस्लिम समुदाय के आधा दर्जन लोग उप जिलाधिकारी के समक्ष पहुंचे थे और वार्ता कर नियमानुसार प्रशासन की मंशा भांपते हुए खुद ही तालाब में बने मस्जिद के अतिरिक्त हिस्से को तोड़ने पर सहमति जताई थी। जानकारी के मुताबिक मीरगंज के गांव तिलमास में बनी मस्जिद के पिछले हिस्से को सरकारी तालाब की जगह में बने होने की एक्स एकाउंट पर पोस्ट किया था ।

संविदा कर्मियों के सहारे हैं सरकारी महकमे

यूपी के सरकारी विभागों में लगभग 6.12 लाख हैं संविदा कर्मी
निरंतर बढ़ रही संविदा, मानदेय और आउटसोर्सिंग कर्मचारियों की संख्या
संविदा कर्मियों के लिए नई नीति जल्द

लखनऊ,संवाददाता। यूपी के सरकारी विभागों में 6.12 लाख संविदा और आउटसोर्स कर्मियों के सहारे काम चल रहा है। दो विभागों बाल विकास पुष्टाहार और स्थानीय निकायों में इनकी संख्या सर्वाधिक है।अकेले बाल विकास पुष्टाहार में 2.88 लाख तो निकायों में 1.70 लाख ऐसे कर्मचारी काम कर रहे हैं। यह स्थिति तब है जब प्रदेश के 28 विभागों ने ही कार्मिक विभाग को इसकी सूचना दी है। सभी विभागों की संख्या मिलने के बाद यह आंकड़ा काफी चौंकाने वाला हो सकता है। राज्य सरकार के लाख प्रयास के बाद भी सरकारी विभागों में संविदा कर्मियों की संख्या अधिकारियों की मनमानी से बढ़ती जा रही है।राज्य सरकार ने सरकारी कामकाज के लिए स्थाई कर्मियों की व्यवस्था की है। आयोग और बोर्डों का गठन किया गया है। इनके द्वारा लगातार कर्मियों की भर्तियां की जा रही हैं। सरकारी विभागों,स्कूलों और निकायों में 17.78 लाख के आसपास कर्मचारी बताए जाते हैं। कार्मिक विभाग का स्पष्ट आदेश है कि बहुत जरूरी होने पर ही समूह ग व घ के पदों पर ही संविदा कर्मी रखे जाये,बावजूद इसके उच्चाधिकारी अपने स्तर पर सभी पदों पर संविदा कर्मियों को रख रहे हैं। सरकारी विभागों द्वारा बार–बार सूचना मांगे जाने के बाद भी जानकारी नहीं दी जा रही है। कार्मिक विभाग पिछले काफी समय से ऐसे कर्मियों की सूचना मांग रहा है लेकिन अभी तक 28 विभागों ने ही पूरी जानकारी दी है।राज्य सरकार संविदा कर्मियों को लेकर नई नीति लाना चाहती है, इसीलिए ऐसे कर्मियों की संख्या मांगी जा रही है। देखा जा रहा है कि इन्हें रखते समय योग्यता, पात्रता और आरक्षण का पालन किया गया है या नहीं। ऐसा तो नहीं बिना मतलब के ही कर्मियों को रखकर अपनों को उपकृत किया जा रहा है या फिर कोई खेल चल रहा है। कार्मिक विभाग से सूचना एकत्र करने का निर्देश उच्च स्तर से दिया गया है। श्रम विभाग को संविदा, आउटसोर्स और दैनिक रूप से रखने जाने वाले कर्मियों के लिए नीति बनाने की जिम्मेदारी दी गई है, जिससे इनके भविष्य को सुरक्षित किया जा सके।बताया गया है कि वर्तमान में कुल 288461 कर्मी मानदेय पर,138904 संविदा और 183065 आउटसोर्सिंग कर्मी हैं।बाल विकास पुष्टाहार विभाग में 287589 मानदेय 246 संविदा, 687 आउटसोर्सिंग के हैं।वहीं नगर विकास विभाग में मानदेय पर 24117 संविदा पर 145987 हैं। अन्य महकमे भी इनके सहारे काम चला रहे हैं।

भाजपा और सपा के बीच छिड़ा पोस्टर वार

लखनऊ,नए साल पर एक बार फिर बीजेपी और समाजवादी पार्टी के बीच पोस्टर की जंग शुरू हो गई है।नए साल के मौके पर बीजेपी दफ्तर के बाहर लगे पोस्टर के जवाब में समाजवादी पार्टी की तरफ से एक पोस्टर जारी किया गया है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निवास के सामने एक पोस्टर लगा है जिसमें, बुलडोजर पर निशाना साधा गया है।समाजवादी पार्टी के लखनऊ पश्चिम विधानसभा के सचिव रंजीत सिंह द्वारा लगाए गए इस पोस्टर में लिखा गया है, सपा के राज में बुलडोजर जाएगा गैराज में। बुलडोजर में नहीं रह गया कोई दम, साइकिल दिखाएगी 27 में दम।

सी.एम.एस. छात्रों ने जरूरतमंदों को वितरित किये कंबल

लखनऊ, 3 जनवरी। सिटी मोन्टेसरी स्कूल के छात्र–छात्राओं ने अपनी पॉकेटमनी के रूपयों से जरूरतमंदों को कंबल वितरण कर एक सामाजिक–मानवीय कार्य की मिसाल पेश की है एवं इस पुनीत कार्य के द्वारा सिद्ध कर दिया कि सी.एम.एस. छात्र न केवल पढ़ाई में अपितु सामाजिक व मानवीय कार्यो में भी अग्रणी है। जहाँ एक ओर, सी.एम.एस. चौक कैम्पस के छात्रों ने हनुमान सेतु, बड़ा इमामबाड़ा व आसपास के क्षेत्रों कंबल वितरण किया तो वहीं दूसरी ओर सी.एम.एस. अशर्फाबाद कैम्पस के छात्रों ने बालाजी मंदिर, दुड़ियागंज आदि क्षेत्रों में जबकि सी.एम.एस. स्टेशन रोड कैम्पस के छात्रों ने सामाजिक संस्था 'प्रयास एक संकल्प' एवं शम्भुका फाउण्डेशन के साथ मिलकर कंबल वितरण किया। इसी प्रकार, सी.एम.एस. के अन्य सभी कैम्पसों के छात्रों द्वारा द्वारा भी अपने–अपने क्षेत्रों में जरूरतमंदों को कंबल वितरण का पुनीत कार्य किया जा रहा है। यह जानकारी सी.एम.एस. के हेड, कम्युनिकेशन्स श्री ऋषि खन्ना ने दी है। श्री खन्ना ने बताया कि सर्द रात में खुले आसमान के नीचे सो रहे लोगों ने कम्बल पाकर राहत की सांस ली और इस पुनीत कार्य हेतु खुले दिल से छात्रों को आशीर्वाद दिया। जहाँ एक ओर, कड़ाके की ठंड में बैठे गरीब वृद्धजनों की आँखे कंबल पाकर खुशी से छलक आईं तो वहीं दूसरी ओर छोटे–छोटे बच्चों को गोद में लिए बैठी महिलाओं को भी कम्बल पाकर बहुत राहत मिली।

नववर्ष पर एक शाम हनुमान जी के नाम का आयोजन

लखनऊरू(संवाददाता) नववर्ष के अवसर पर श्री बालाजी हनुमान चम्पू जी महाराज मंदिर, चौक लखनऊ में ष्एक शाम हनुमान जी के नामष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम श्री बालाजी हनुमान चम्पू जी सेवा समिति द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें बाबा बजरंगबली का भव्य श्रृंगार किया गया।कार्यक्रम में अनमोल अटल जागरण पार्टी के नादान शर्मा, कुक्कू मौर्य, राजेश कश्यप राजू और अन्य वरिष्ठ कलाकारों ने संगीतमय सुंदरकांड का पाठ प्रस्तुत किया। इसके साथ ही महाआरती, भव्य झांकी और प्रसाद वितरण भी किया गया।समिति के अध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि यह कार्यक्रम वर्षों से आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा, ष्साल के पहले दिन प्रभु का नाम लेने से पूरा वर्ष भक्तिभाव से परिपूर्ण रहता है और प्रभु का आशीर्वाद बना रहता है।ष्महिला प्रभारी दीपाली बाजपेई ने कहा कि वर्तमान समय में लोग नववर्ष की संध्या पर किटी पार्टियों का आयोजन करते हैं, लेकिन समिति ने भक्तिभाव को बढ़ावा देने के लिए साल के पहले दिन इस कार्यक्रम की परंपरा बनाई है।इस अवसर पर बड़ी संख्या में भक्तों ने सुंदरकांड का पाठ किया और महाआरती में भाग लिया। कार्यक्रम में महिलाओं को साड़ी वितरण और समाज सेवियों का सम्मान भी किया गया।

जलकल विभाग लखनऊमें सेवानिवृत्त कर्मचारियोंका विदायी समारोह आयोजित

लखनऊरू(संवाददाता) नगर निगम लखनऊ के जलकल विभाग, ऐशबाग में 02 जनवरी 2025 को माह दिसम्बर 2024 में सेवानिवृत्त हुए आठ कर्मचारियों का विदायी समारोह आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम माननीय महापौर महोदया के निर्देशों के तहत आयोजित किया गया, जिसमें विभागीय अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।समारोह में श्री कुलदीप सिंह, महाप्रबंधक जलकल विभाग ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सम्मानित किया और उनके सेवानिवृत्तिक देयकों का भुगतान किया। इस अवसर पर कर्मचारियों के योगदान को सराहा गया और उन्हें उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गई।सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों में श्री परदेशी (गैंगमैन, जोन–2), श्री रवी प्रताप सिंह (पी0एस0एस0, जोन–3), श्रीमती सुनैना (चपरासी, जोन–3), मो0 शरीफ (पम्प ऑपरेटर, जोन–3), श्री अनवर हुसैन (पम्प ऑपरेटर, जोन–4), श्री राम चन्द्र (गैंगमैन, जोन–4), श्री राम कु0 यादव (गैंगमैन, जोन–7), और श्री पवन कुमार (पम्पचालक, जोन–8) शामिल थे।इस विदायी समारोह में कर्मचारियों के समर्पण और कड़ी मेहनत को याद करते हुए उनके योगदान को मान्यता दी गई।

आयुर्वेदिक,यूनानी विभाग में मनमानी, भ्रष्टाचार का आरोपः उच्चाधिकारियों से किया जांच, कार्यवाही की मांग

बस्ती(संवाददाता)। राजकीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी फार्मेसिस्ट संघ अध्यक्ष राम नरेश तिवारी और मंत्री रामलाल तिवारी ने जिलाधिकारी, निदेशक आर्युवेद सेवायें, प्रमुख सचिव आयुष के साथ ही अनेक उच्चाधिकारियों को पत्र भेजकर कहा है कि क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी बस्ती एवं संत कबीर नगर डा. जगदीश यादव द्वारा नियम विरूद्ध ढंग से मनमानी की जा रही है। कार्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार, अनियमितता, मातहत कर्मचारियों को परेशान किये जाने, मानसिक एवं आर्थिक शोषण, गलत ढंग से धनादोहन किये जाने के कारण रोष व्याप्त है। मांग किया कि क्रियाकलापों में सुधार कराया जाय, अन्यथा की स्थिति में संघ आन्दोलन करने को बाध्य होगा।विभागीय और उच्चाधिकारियों को भेजे पत्र में राजकीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी फार्मेसिस्ट संघ अध्यक्ष राम नरेश तिवारी और मंत्री रामलाल तिवारी ने कहा है कि जनपद में प्रत्येक चिकित्सालय से आडिट के नाम से चिकित्साधिकारी एवं प्रभारी फार्मेसिस्टों से पांच हजार रूपये की मांग की गई। इसकी वसूली चिकित्सालय में कार्यरत फार्मेसिस्ट और कर्मचारियों से उनके पद के अनुसार किया गया। आडिट कार्यालय का होता है, कर्मचारियों का नहीं। संघ के जिलाध्यक्ष ने जब मनमानी वसूली का विरोध किया तो उनको अवैध तरीके से हेल्थ वेलनेस सेन्टर राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय मुसहा से उनकी सम्बद्धता को समाप्त कर दिया गया। उनकी सम्बद्धता कैंसर की बीमारी के कारण उनके पारिवारिक परिस्थितियों पत्नी की बीमारी के कारण हेल्थ वेलनेस सेन्टर राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय मुसहा में नियमानुसार किया गया था। जिलाध्यक्ष की सम्बद्धता समाप्त करना विद्वेषपूर्ण कार्यवाही है।पत्र में कहा गया है कि क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी बस्ती एवं संत कबीर नगर डा. जगदीश यादव द्वारा अनेक कर्मचारियों, अधिकारियों की तैनाती नियम विरूद्ध ढंग से धनादोहन करके किया गया है। डा. जगदीश यादव अपने चिकित्सालय पर कभी नहीं जाते। संघ पदाधिकारियों ने डा. जगदीश पर अनेक गंभीर आरोप लगाते हुये मामले की उच्च स्तरीय जांच और प्रभावी कार्यवाही की मांग किया है।इस सम्बन्ध में क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी बस्ती एवं संत कबीर नगर डा. जगदीश यादव का कहना है कि उन पर लगाये गये आरोप पूरी तरह से बेबुनियाद हैं। यदि संघ के किसी पदाधिकारी को कोई आपत्ति हो तो वे मिलकर अपनी समस्या रख सकते हैं। उसका समाधान कराया जायेगा।

समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने खनौरी बार्डर पर आमरण अनशन पर बैठे किसान नेता से की मुलाकात, किसानों के मुद्दों पर किया समर्थन

लखनऊखनौरी बॉर्डर(संवाददाता)रू समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर 1 जनवरी 2025 को पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल खनौरी बॉर्डर पर पिछले 37 दिनों से आमरण अनशन पर बैठे 75 वर्षीय किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल से मिला और उनके स्वास्थ्य का हाल जाना। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व धौरहरा सांसद आनंद भदौरिया, लखीमपुर सांसद उत्कर्ष वर्मा और किसान नेता तजिंदर सिंह विर्क ने किया।सांसद आनंद भदौरिया ने कहा, ष्समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने किसानों की मांगों का पूरा समर्थन किया है और उनकी भूख हड़ताल को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है।ष उन्होंने डल्लेवाल से अनशन समाप्त करने की अपील की और सरकार से किसानों के साथ वार्ता शुरू करने की मांग की।लखीमपुर सांसद उत्कर्ष वर्मा ने भाजपा सरकार पर किसानों के साथ अन्याय का आरोप लगाया, जबकि तराई किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष तजिंदर सिंह विर्क ने कहा कि सरकार द्वारा वादाखिलाफी के कारण किसानों को एक बार फिर आंदोलन के लिए मजबूर होना पड़ा है।इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने अन्य किसान नेताओं से भी मुलाकात की और किसानों की मांगों पर व्यापक चर्चा की। प्रमुख मांगों में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी का कानून, सम्पूर्ण कर्ज माफी, डब्ल्यूटीओ से भारत को बाहर करने की मांग, नरेगा मजदूरों को 200 दिन काम की गारंटी, लखीमपुर घटना के पीड़ितों को न्याय, बिजली निजीकरण और कृषि विपणन से जुड़े मुद्दे शामिल थे।किसानों ने बताया कि हरियाणा बॉर्डर पर हजारों किसान ठंड के बावजूद आंदोलनरत हैं। पुलिस कार्रवाई में कई किसान घायल हुए हैं और एक किसान की मृत्यु भी हो चुकी है।प्रतिनिधिमंडल में खालिद साहब, सिंह कोटिया, इकबाल सिंह चीमा, और सरदार विक्रमजीत सिंह जैसे प्रमुख नेता शामिल रहे। सांसद आनंद भदौरिया ने डल्लेवाल की नाजुक स्थिति पर चिंता जताई और सरकार से जल्द वार्ता शुरू करने की अपील की।

गोमतीनगर में नगर निगम लखनऊ द्वारा 40 नई दुकानों का उद्घाटन

लखनऊ(संवाददाता)रू नगर निगम लखनऊ द्वारा गोमतीनगर स्थित इंदिरागांधी प्रतिष्ठान में वेंडिंग जोन के अंतर्गत 40 अत्याधुनिक और आकर्षक दुकानों का निर्माण किया गया है। इन नवनिर्मित दुकानों का उद्घाटन 02 जनवरी 2025 को माननीय नगर विकास मंत्री श्री ए. के. शर्मा और माननीय महापौर श्रीमती सुषमा खर्कवाल ने नगर आयुक्त श्री इंद्रजीत सिंह तथा नगर निगम के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में किया।इस उद्घाटन समारोह में मंत्री जी द्वारा दुकानों के आबंटन पत्र वितरित किए गए। उन्होंने इन दुकानों की सराहना की और इस उत्कृष्ट कार्य के लिए सभी को बधाई और शुभकामनाएं दीं।समारोह में क्षेत्रीय पार्षद श्री शैलेन्द्र वर्मा, अपर नगर आयुक्त श्री पंकज श्रीवास्तव, चीफ इंजीनियर महेश वर्मा, जोनल अधिकारी श्री संजय यादव और अन्य अधिकारीगण भी उपस्थित रहे। इस परियोजना का उद्देश्य क्षेत्र में व्यवस्थित वेंडिंग जोन का निर्माण कर व्यवसायिक गतिविधियों को बढ़ावा देना है।

भूमि ग्रुप ने नव वर्ष पर जरूरतमंदों को बांटे कंबल, समाजसेवा का दिया संदेश

लखनऊरू(संवाददाता) नव वर्ष 2025 के पहले दिन भूमि ग्रुप परिवार और भूमि आईएएस द्वारा लखनऊ के विभिन्न इलाकों में जरूरतमंदों को ठंड से बचाने के लिए कंबल वितरित किए गए। यह कार्यक्रम बुधवार की देर शाम आयोजित किया गया, जिसमें ठंड और ठिठुरन से जूझ रहे गरीबों को राहत प्रदान की गई।भूमि ग्रुप के चेयरमैन बीएम सिंह ने बताया कि हर वर्ष सर्दियों में इस प्रकार की पहल की जाती है। उन्होंने कहा, ष्गरीबों और वंचितों को ठंड के कहर से बचाना और सर्दी के मौसम में चैन की नींद सोने में मदद करना हमारा कर्तव्य है। भूमि ग्रुप की यह परंपरा आगे भी जारी रहेगी।ष्भाजपा के वरिष्ठ नेता और उत्तर प्रदेश क्षत्रिय समन्वय समिति के संयोजक प्रदीप सिंह बब्बू ने इस कार्य को सराहनीय बताते हुए कहा, ष्हर व्यक्ति को सर्द रातों में सुकून से सोने का अधिकार है। समाज के लोगों को भी इस दिशा में कदम बढ़ाने होंगे। भूमि ग्रुप का यह कार्य समाज के लिए प्रेरणादायक है।ष्कंबल वितरण रायबरेली रोड स्थित हनुमान मंदिर, तेलीबाग के शनि मंदिर, आशियाना के रैन बसेरों, बंगला बाजार और शहीद पथ के विभिन्न हिस्सों में किया गया।इस अवसर पर बीएम सिंह और प्रदीप सिंह बब्बू के साथ धनंजय सिंह राणा, ओपी श्रीवास्तव, डीपी सिंह, आरके सिंह, जितेंद्र सिंह, दीप शंकर वर्मा सहित भूमि ग्रुप की पूरी टीम उपस्थित रही। आयोजकों ने इस पहल को जारी रखने का संकल्प लिया।

सी.एम.एस. के कोषाध्यक्ष का निधन, सी.एम.एस. परिवार ने दी भावभीनी श्रद्धान्जलि

लखनऊ, 3 जनवरी। सिटी मोन्टेसरी स्कूल के कोषाध्यक्ष रहे श्री पवन कुमार अग्रवाल का लगभग 80 वर्ष की उम्र में बीती शाम दिनाँक 2 जनवरी को दिल का दौरा पड़ जाने से निधन हो गया। श्री अग्रवाल आजीवन सी.एम.एस. से जुड़े रहे और उनके अचानक निधन से सी.एम.एस. परिवार में शोक की लहर व्याप्त हो गई। सी.एम.एस. संस्थापिका–निदेशिका डा. भारती गाँधी के मार्गदर्शन में बड़ी संख्या में सी.एम.एस. कार्यकर्ताओं ने आज प्रातः श्री अग्रवाल को भावभीनी श्रद्धान्जलि अर्पित करते हुए परमपिता परमात्ता से दिवंगत आत्मा की शान्ति की प्रार्थना की। इस अवसर पर डा. भारती गाँधी ने कहा कि दुख की इस घड़ी में हम सभी श्री पवन कुमार अग्रवाल के परिजनों के साथ है और ईश्वर से कामना करते हैं कि इस दुख को सहन करने की शक्ति दें। डा. गाँधी ने बताया कि श्री पवन कुमार अग्रवाल के पिताजी श्री सोहन लाल अग्रवाल जी ने ही वर्ष 1959 में मात्र पाँच बच्चों की उपस्थिति में फीता काटकर सिटी मोन्टेसरी स्कूल का उद्घाटन किया था और खास बात ये थी ये पाँचों बच्चे भी श्री सोहनलाल जी के परिवार के ही थे। बाद में, श्री सोहन लाल अग्रवाल जी आजीवन सी.एम.एस. के कोषाध्यक्ष रहे और उनके उपरान्त उनके पुत्र श्री पवन कुमार अग्रवाल भी आजीवन सी.एम.एस. के कोषाध्यक्ष रहे। श्री अग्रवाल जी का निधन सी.एम.एस. परिवार के लिए अपूर्णीय क्षति है।

इसी महीने हो जायेगा भाजपा के राष्ट्रीय और प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव

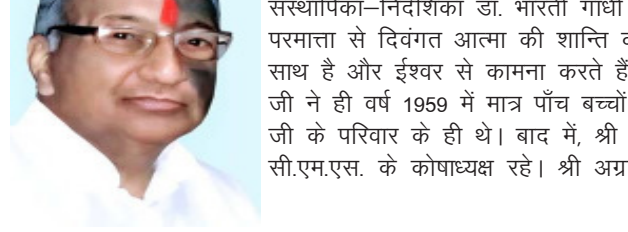

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला करते हुए कहा कि सपा का चरित्र रहा है सनातन धर्म को कलंकित करना। संभल में सर्वे कोर्ट के आदेश पर हो रहा है।सपा के लोग साधु–संत और महात्माओं पर बयानबाजी करते हैं। सनातन को गाली देना उनका एजेंडा है। भाजपा संगठन के पुनर्गठन की प्रक्रिया पर कहा कि प्रदेश में अभूतपूर्व सदस्यता अभियान चलाया है। ढाई करोड़ सदस्य ऑनलाइन बनाए गए हैं और ढाई लाख सक्रिय सदस्य बनाए गए हैं।डेढ़ लाख बूथ कमेटी बन चुकी है। हमारे 1918 मंडल हैं और हमारे सभी चुनाव कर लिए गए हैं लेकिन राज्य स्तर पर उसकी स्क्रीनिंग का काम चल रहा है। मंडलों में आरक्षण की मूल भावना को ध्यान में रखकर समाज के सभी वर्गों को संगठन में उचित स्थान दिए जाने का ध्यान रखा गया है। 15 जनवरी तक जिला अध्यक्षों के चुनाव की प्रक्रिया संपन्न कर लेंगे और 20 से 25 तारीख तक प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव संपन्न हो जाएंगे और इस माह के अंत तक राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव संपन्न हो जाएगा। संगठन के पुनर्गठन की प्रक्रिया को समाप्त करेंगे। संगठन का 3 वर्ष का कार्यकाल है। 3 वर्ष 2027 के लास्ट तक पूरा होगा। 2027 का विधानसभा चुनाव यही संगठन कराएगा।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि सपा हमेशा से सनातन की विरोधी रही है। अयोध्या में कारसेवकों का नरसंहार कराने का कार्य किया गया।साधु, संत, महात्मा, मठ–मंदिर के बारे में सपा के लोग जिस प्रकार बयानबाजी करते हैं, उनका एजेंडा है सनातन को गाली देकर समाजवादी पार्टी को आगे बढ़ाना। संभल में मस्जिद के सर्वे को लेकर कहा कि सर्वे का आदेश कोर्ट ने दिया है। सरकार अच्छा काम कर रही है। भूपेंद्र चौधरी ने कहा आज कानून का राज है उस पर हमेशा हम लोगों का विश्वास रहा है। सपा ने हमेशा कानून के साथ खिलवाड़ किया। संभल में सर्वे के दौरान बवाल किया। 2027 में हम मोदी और योगी की रणनीति पर कार्य करते हुए फिर अपनी सरकार बनाएंगे। हमारी पार्टी कार्यकर्ताओं को लेकर चलती है. संगठन और कार्यकर्ताओं के बल पर हम आगे बढ़ने का कार्य करते हैं।

वक्फ बोर्ड है तो सनातन बोर्ड का गठन होना चाहिए : मौलाना यासुब अब्बास

लखनऊ,संवाददाता। एक तरफ मुस्लिम पक्ष और विपक्ष संभल में शाही मस्जिद के सामने पुलिस चौकी के निर्माण पर अपना विरोध जता रहा है। वही आल इण्डिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड के जनरल सेक्रेटरी मौलाना यासुब अब्बास ने पुलिस चौकी बनाये जाने पर सरकार और पुलिस प्रशासन को अपना पूरा समर्थन दिया है। उन्होनें गुरूवार को राजधाानी में दिए एक बयान में कहा कि संभल में कानून–व्यवस्था को बनाये रखने के लिए पुलिस चौकी का निर्माण जिला प्रशासन का उचित कदम है। उन्होने आगे कहा कि विपक्ष और अन्य मौलानाओं द्वारा सनातन बोर्ड के गठन की मांग का विरोध करना भी गलत है। यदि मुस्लिम समुदाय के हितो के लिए वक्फ बोर्ड हो सकता है तो हिन्दुओं को अपनी बात रखने के लिए सनातन बोर्ड का गठन गलत नहीं है। वही हनुमान जी की शोभा यात्रा में संभल के सीओ अनुज चौधरी द्वारा गदा लेकर धार्मिक नारे लगाना सविधान की दृष्टि से कतई उचित नहीं है। क्योंकि पुलिस धर्म निरपेक्ष होती है, उस पर पूरे समाज की कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी होती है।

प्रमुख सचिव का आश्वासन, 1.42 लाख शिक्षामितों के तबादले व मानदेय पर हो सकता फैसला

लखनऊ,संवाददाता। परिषदीय विद्यालयों के 4.50 लाख शिक्षकों के जिले के अंदर परस्पर तबादले की प्रक्रिया शुरू हो गई है। किंतु 1.42 लाख शिक्षामित्रों को मूल विद्यालय वापसी व मानदेय बढ़ने का इंतजार है। बेसिक शिक्षा मंत्री से लेकर प्रमुख सचिव तक हर बार आश्वासन

तो मिला लेकिन हुआ कुछ नहीं।प्रमुख सचिव एमकेएस सुंदरम का कहना है कि शिक्षामित्रों के तबादले या मूल विद्यालय वापसी से जुड़ा आदेश जल्द जारी कर दिया जाएगा। मानदेय को लेकर जो भी स्पष्ट प्रस्ताव भेजना है, वह भी जल्द करेंगे। विभाग काम कर रहा है।प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में जाड़े व गर्मी की छुट्टियों में शिक्षकों की तबादला प्रक्रिया पूरी करने का आदेश हुआ है। पिछले दिनो लखनऊ में हुए धरना–प्रदर्शन के बाद हुई वार्ता में प्रमुख सचिव ने शिक्षामित्र संघ को भी शिक्षामित्रों के उनके मूल विद्यालय वापसी, महिला शिक्षिकाओं को उनके घर के पास विद्यालय आवंटित करने, मानदेय वृद्धि आदि का आश्वासन दिया गया।मानदेय वृद्धि के लिए तो शिक्षक विधायकों के साथ हुई सीएम से मुलाकात में भी आश्वासन मिला था किंतु विभागीय अधिकारियों ने ठोस कार्यवाही नहीं की। विभाग ने बिना किसी संस्तुति के मानदेय बढ़ाने का प्रस्ताव वित्तीय समीक्षा के लिए वित्त विभाग को भेज दिया जबकि वित्त विभाग ने यह कहते हुए फाइल वापस कर दी कि विभाग ने कोई प्रस्ताव ही नहीं दिया।वित्त विभाग के अफसरों की माने तो जब आर्थिक भार विभाग पर पड़ना है तो वही बताएगा कि मानदेय कितना बढ़ाना है। जब विभाग स्पष्ट प्रस्ताव भेजेगा तभी इस पर हम कोई मत दे पाएंगे। जानकारी के अनुसार अभी तक इस पर बेसिक शिक्षा विभाग ने कोई स्पष्ट प्रस्ताव दोबारा नहीं भेजा है। इस तरह यह मामला बेसिक शिक्षा और वित्त विभाग के बीच फंसा हुआ है। कई बार बेसिक शिक्षा मंत्री व विभाग के प्रमुख सचिव के साथ वार्ता हुई है, हर बार सकारात्मक कार्यवाही का आश्वासन मिला है किंतु नतीजा शिफर।

बदलेंगे कई जिलों के डीएम, कई आईएएस अफसरों का होगा प्रमोशन

लखनऊ,संवाददाता। महाकुंभ से पहले यूपी में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल होने वाला है। कई जिलों के जिलाधिकारियों को बदलने और कई अफसरों को प्रमोशन देने की तैयारी है। तीन दर्जन से अधिक आईएएस अफसर विशेष सचिव बनेंगे। आईएएस अफसरों के तबादलों की सूची पर मंथन जारी है, जिसमें कई नाम शामिल हैं। लखनऊ, वाराणसी, गाजियाबाद, मथुरा, कानपुर सहित कई अन्य जिलों के जिलाधिकारी बदल जायेंगे। इन पांचों जिलों के वर्तमान जिलाधिकारियों को सचिव बनाया गया है। 35 अन्य अफसर भी विशेष सचिव से सचिव पद पर प्रमोट हुए है। प्रोन्नत अफसरों को नई जिम्मेदारी सौंपी जायेगी। जिन जनपदों के जिलाधिकारियों को सचिव बनाया गया है, वहां नये डीएम की तैनाती की जायेगी। प्रमोट किये गये जिलाधिकारियों को भी नए विभाग दिए जाएंगे। कई मंडलायुक्तों के भी बदलने की संभावना है क्योंकि कई मंडल आयुक्त प्रमोशन पा चुके है। उन्हें भी नई जगह मिलेगी।2000 बैच के कई आईएएस अफसरों की पदोन्नति दी है। पदोन्नत अफसरों में 2000 बैच के सौरभ बाबू, दीपक अग्रवाल, अमित गुप्ता, मनीष चौहान, रंजन कुमार, अनुराग यादव और रणवीर प्रसाद की प्रमुख सचिव पद पर पदोन्नति दी है। 2009 बैच के 40 अफसरों को भी सचिव बनाया गया है। इनमें सूर्यपाल गंगवार, एस राजालिंगम, शैलेंद्र कुमार सिंह,राकेश कुमार सिंह–द्वितीय, इंद्र विक्रम सिंह प्रमुख रूप से शामिल है। ये अफसर अब तक जिलाधिकारी के पद पर तैनात थे। अब इन्हें नई तैनाती दी जायेगी।

युवाओं की अनदेखी सरकार को पड़ेगी भारी : गोप

बाराबंकी। युवा शक्ति का मुकाबला कोई नहीं कर सकता युवाओं ने जब–जब अंगड़ाई ली है बड़ी से बड़ी ताकतों को झुकना पड़ा है युवाओं की अनदेखी मौजूदा सरकार को बहुत महंगी पड़ेगी 2027 में युवा ही सरकार को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखा देंगे।उक्त विचार समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव पूर्व कैबिनेट मंत्री अरविंद कुमार सिंह को ने रामनगर विधानसभा कार्यालय पर आयोजित कार्यकर्ता विस्तार कार्यक्रम में युवा नेता शिवम तिवारी के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने आए नौजवानों के बीच व्यक्त किये।इसके पूर्व राष्ट्रीय सचिव अरविंद कुमार सिंह गोप ने शिवम तिवारी हर्ष तिवारी आयुष तिवारी पीयूष मिश्रा अंशुमान उपाध्याय हर्षित आदेश कश्यप आदि नौजवानों को माला पहनाकर समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण करायी।

कर्मचारियों के सेवानिवृत होने पर एनटीपीसी-विंध्याचल द्वारा दी गई भावभीनी विदाई

सोनभद्र। एनटीपीसी–विंध्याचल परियोजना मे अपनी दीर्घ सेवा देने के पश्चात कुल 10 कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए। सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारी इस प्रकार से हैं। अतुल मरखेडकर, अपर महाप्रबंधक, परशुराम देव, वरिष्ठ प्रबंधक ऋषि नारायण सिंह, अभियंता, उमेश कुमार पाण्डेय, अभियंता/एसएलपीएस, राजमणि पटेल, रामजियावन नामदेव, गोपाल .ष्ण सिरोटिया, अधिकारी/एसएलपीएस राम सहाय, प्रचालक, हरी प्रसाद, प्रचालक एवं लगनधारी चर्मकार, प्रचालक। एनटीपीसी–विंध्याचल प्रबंधन द्वारा सेवानिवृत्त होने वाले सभी कर्मचारियों का सम्मान परियोजना के उमंग भवन के सभागार में किया गया। स्वागत की कड़ी में कार्यकारी निदेशक ई0सत्य फणि कुमार एवं महाप्रबंधक संजीब कुमार साहा नें सभी सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों का पुष्पमाला से स्वागत किया। साथ ही परियोजना की यूनियन/एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने भी पुष्पमाला पहनाकर अतिथि कर्मचारियों का स्वागत किया। इस अवसर पर कार्यकारी निदेशक ई0सत्य फणि कुमार नें सभी सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि एनटीपीसी–विंध्याचल को वर्तमान ऊंचाइयों तक पहुंचाने में आपके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा और एनटीपीसी–विंध्याचल सदा ही आपकी सेवा के लिए आपका .तज्ञ रहेगा। साथ ही महाप्रबंधक संजीब कुमार साहा नें सभी सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को अपने जीवन की नई पारी की नए सिरे से शुरुआत करने हेतु शुभकामनायें दीं तथा सभी के उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। इसी कड़ी मे विभागाध्यक्षों ने भी सभी सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को शुभकामनायें दीं तथा सभी के उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। सम्मान की कड़ी में सेवानिवृत्त होने वाले सभी कर्मचारियों का कार्यकारी निदेशक ई0सत्य फणि कुमार एवं अन्य महाप्रबंधकगणों द्वारा श्री फल, शाल एवं स्मृति–चिन्ह से सम्मानित किया। इसके अतिरिक्त सभी सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को एनटीपीसी मे उनके द्वारा दी गई दीर्घ सेवाओं के लिए दीर्घ सेवा प्रमाण–पत्र आदि भी प्रदान किया गया। तत्पश्चात सेवानिवृत्त होने वाले सभी कर्मचारियों ने बारी–बारी से एनटीपीसी से जुड़ी अपनी यादों को साझा किया। सभी नें एनटीपीसी में अपने बिताए समय को अविस्मरणीय कहा। उन्होने कहा कि उनकी पहचान एनटीपीसी के कारण ही बनी है और वे अपने आप को गौरवान्वित महसूस करते हैं। इसी के साथ सेवानिवृत्त होने वाले सभी कर्मचारियों ने सभी सहकर्मियों को उनके सहयोग एवं सानिध्य के लिए विशेष तौर से धन्यवाद दिया। इस अवसर पर महाप्रबंधकगण, विभागाध्यक्ष, यूनियन एवं एसोशिएशन के प्रतिनिधिगण, सेवानिवृत होने वाले विभाग के कर्मचारीगणों के साथ–साथ एवं उनके परिवार जन भी उपस्थित रहे। अभिनंदन समारोह का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ प्रबन्धक पुर्णिमा चतुर्वेदी द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में इस क्षण को अविस्मरणीय बनाने के लिए सेवानिवृत्त होने वाले सभी कर्मचारियों के साथ कार्यकारी निदेशक ई सत्य फणि कुमार, मुख्य महाप्रबंधक एवं अन्य महाप्रबंधकगणों के साथ एक सामूहिक एवं सभी सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों की व्यक्तिगत फोटोग्राफ भी ली गई।

विंध्याचल धाम में फैजाबाद सपा सांसद अवधेश प्रसाद का बड़ा बयान

मीरजापुर(एजेंसी)। विख्यात माता विंध्यवासिनी के धाम में पहुंचे फैजाबाद के सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने भाजपा पर मर्यादा पुरुषोत्तम की मर्यादा तोड़ने का आरोप लगाया है. कहा कि भाजपा को मैंने धूल नहीं चटाया फैजाबाद की देव तुल्य जनता, मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम, वीर हनुमान, सरयू नदी और राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की कृपा से उन्हें जीत मिली है. वह भाग्यशाली हैं की नव वर्ष के प्रथम दिन माता विंध्यवासिनी के चरणों में आशीर्वाद का मौका मिला है. इस दौरान उन्होंने कहा कि देश में लोग स्वस्थ रहें, भाईचारा बना रहे. देश के करोड़ों नौजवान बेरोजगार हैं. सरकारी नौकरी नहीं है. किसान, युवा परेशान है. कहा कि देश में ऐसा माहौल बने की संपूर्ण जनता सुख और सुकून में रहे थे. आपस में भाईचारा हो, सभी खुशहाल रहे. फैजाबाद लोक सभा सीट पर मिली जीत पर उन्होंने कहा कि यह मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम की धरती है. प्रभु श्रीराम के लोगों ने प्रभु श्री राम की कृपा, हनुमान जी की कृपा, सरयू की कृपा और राष्ट्रीय अखिलेश राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव कृपा से सामान्य सीट से सांसद बनने का मौका मिला है. जो देश दुनिया में चर्चा का विषय बना है. उन्होंने कहा कि मैं आज माता विंध्यवासिनी से प्रार्थना किया हूं कि देश में शांति बनी रहे. फैजाबाद के लोगों की उम्मीद की मर्यादा बचा सकू. जिसे भारतीय जनता पार्टी ने तोड़ा है. कितने लोगों का घर उजाड़ दिया, कितने लोगों को बेघर कर दिया. करोड़ों की संपत्ति कौड़ी के भाव लिया गया. किसानों को उचित मुआवजा नहीं मिल सके और उजड़े लोगों को बसा सकू. इस कामना के साथ विंध्याचल धाम आया था. फैजाबाद के सपा सांसद ने कहा फैजाबाद में प्रभु श्रीराम की मर्यादा है जिसमें ष्दैहिक दैविक भौतिक तापा, रामराज कहूं नहीं व्यापाष और सर्वे संत निरामया की बात कहा. इस दौरान उन्होंने विधि पूर्वक विंध्याचल मंदिर में देवी मां की आराधना कर मत्था टेका है।इस मौके पर सपा के वरिष्ठ नेता एवं तीर्थ पुरोहित विजय बाबू मिश्रा, सामाजिक कार्यकर्ता नीरज त्रिपाठी सहि अन्य मौजूद रहे हैं.

नव वर्ष 2025 के जश्न में डूबा रहा सोनांचल

सोनभद्र। नूतन वर्ष के आगमन के साथ ही लोगों में उत्साह हो गया और अमबार जश्न मनाया। सुबह होते ही लोग एक दूसरे के पास जाकर 'हैप्पी न्यू इयर' कहते देखे गये। कुछ लोगों ने तो इस दौरान नव वर्ष भी कराया। छोटे उम्र से लेकर बड़े उम्र तक के लोगों ने नये साल की बधाई की खुशी में मुंह मीठा देने के लिए नगर में जमकर पुष्प गुच्छों की खरीददारी की। नूतन वर्ष व्दी पहली सुबह जहाँ बादलों की चाँदर में लिपटी रही, वहीं, सर्द हवाओं ने भी नये साल का स्वागत किया। आधी रात के बाद से ही मोबाइलों से लोगों द्वारा एक दूसरे को नव वर्ष की बधाई देने का कम शुरू हो गया। के माध्यमों नये साल के अवसर पर पहले दिन बुधवार को तमाम जगहों पर जाम से जाम टकरा चियर्स किया गया। रेस्टॉरेंट, होटलों, पहाड़ियों, सोन इको प्वाइंट, कंडाकोट, धंधरौल काँध, मुक्खाफाल, कोराई घाट, अमदर, नगनों बाँध सिलहट आदि पिकनिक स्पोटों पर खासकर युवा वर्ग नए साल की उमंग में डूबे रहे। मौज–मस्ती में मांस और मदिरा की भी बहार रही। कटी–चोरखा का भी आनन्द लिया। इसके अलावा विभिन्न तरह के व्यंजनों का भी स्वाद चखा। बताते चलें कि 31 दिसम्बर की रा दो घड़ी की सुई जैसे ही 12 बनने का ऐलान किया, जैसे हो 'हैप्पी न्यू इयर' तथा नूतन वर्ष मंगलमय हो की शुभकामनाओं के आदान–प्रदान का क्रम शुरू हो गया जो समूचा दिन चलता रस। कुछ स्थानों पर वर्ष 2024 की शानदार निदाई और नव वर्ष 2025 के जोरदार स्वागत के लिए सांस्तिक कार्यक्रम भी आयोजित किये गये। जिसका लोगों ने जमकर लुत्फ उठाया। पिकनिक स्पॉट पर रतन वर्ष के अवसर मौज–मस्ती और खुशियां मनाने गये युवा सरोज कुमार वर्मा, राहुल, दीपक, दिलीय, अभिषेक कुमार कनौजिया, रितेश कुमार कनौजिया, शुभम आदित्य आदि का कहना रहा कि ईश्वर करें नूतन वर्ष सभी के लिए जीवन में सफलता का दिव्य प्रकाश बिखेरें और खुशहाली चौखट लांघकर आँगन सुख–समृद्धि से भर दे। उम्मीदों के क्षितिज पर नये साल के सूरज की ऐसी किरणें आंगन में झरे जो उनकी मनोकामनाओं को पूर्णतया करे। सभी गुजरे हुए पलों को भूलकर 'सर्वे भवन्तु सुखिन, सर्वे सन्तु निरामयाः' के साथ भाई चारे, संस्कार तथा सौहार्द के साथ मिल जुलकर उज्जवल भविष्य और तरक्की हेतु नेक कार्य करें।

ग्रापए के संस्थापक स्व0बाबू बालेश्वर लाल की जयंती पर जरुरतमंदों में कंबल बांटा

चोपन,सोनभद्र। स्थानीय नगर में जब नगरवासी वर्ष 2024 की विदाई और नववर्ष 2025 का स्वागत रात्रि में झूमते गाते, पिकनिक मनाते हुए समूहों में अपने अपने अंदाज से कर रहे थे तो ऐसे में सेवा ही संकल्प के साथ ग्रामीण पत्रकार एशोसिएशन के संस्थापक स्मृतिशेष बाबू बालेश्वर लाल जी की 95 वीं जयंती पर उन का श्रद्धापूर्वक स्मरण करते हुए ग्रामीण पत्रकार एशोसिएशन के प्रदेश संगठन मंत्री और अग्रणी सामाजिक संस्था प्रयास सामाजिक सेवा समिति, चोपन के अध्यक्ष पत्रकार अजय भाटिया ने अपने सहयोगी प्रयास के महामंत्री और चोपन उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के अध्यक्ष संजय जैन एवं अन्य सहयोगियों के साथ मध्य रात्रि में चोपन नगर का आकस्मिक भ्रमण कर कड़ाके की ठंड में ठिठुरते जरुरतमंदों के बीच कंबल वितरित किये। कार्यक्रम के तहत देर रात ठन्ड बढ़ी तो प्रयास के साथी कंबल लेकर वितरण के लिए निकल पड़े और बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, बैरियर, सरकारी अस्पताल के आसपास ठंड से ठिठुरते मिले जरुरतमंदों के बीच कम्बल बाटे। इस अवसर पर धर्मेन्द्र जायसवाल, सोहन यादव, सुशील पाण्डेय, अनिल शर्मा, अजय कुमार आदि उपस्थित रहे। सेवा के इस कार्य में बाबा विष्वनाथ की नगरी काशी से जुड़े प्रयास के साथी शरद ढ़ीगरा का सराहनीय सहयोग रहा।

दो बाइको की आमने-सामने भिड़ंत में बाइक सवार युवक की हुई मौत चार घायल

ड्रमण्डगंज, मीरजापुर(एजेंसी)। जिले में हलिया थाना क्षेत्र के हलिया–ड्रमण्डगंज मार्ग हथेड़ा गांव में बुधवार की दोपहर दो बाइको की आमने–सामने भिड़ंत में एक बाइक सवार युवक की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई है, जबकि दूसरे बाइक सवार सहित चार लोग घायल हो गये हैं। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने सभी को उपचार के लिए एम्बुलेंस से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया भिजवाया है जहां पर प्रभारी चिकित्साधिकारी ने एक युवक को देखते ही मृत घोषित कर दिया है जबकि एक युवक की हालत गंभीर देखकर मण्डलीय चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया है. घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच पड़ताल करने में जुट गई है. जानकारी के अनुसार ड्रमण्डगंज थाना क्षेत्र के महोगढ़ी गांव निवासी 18 वर्षीय विकास बाइक से अपनी बहन 15 वर्षीय राधा व 13 वर्षीय पूनम के साथ अपने बहन के घर हलिया थाना क्षेत्र के एक गांव में आया था जहां से वापस घर लौट रहा था की जैसे ही हलिया ड्रमण्डगंज मार्ग पर हथेड़ा गांव में पहुंचा की समाने से आ रहे बाइक सवार मधूरा निवासी 45 वर्षीय सर्वेश व हलिया थाना क्षेत्र के बेलगवा गांव निवासी 35 वर्षीय योगेश की बाइक से आपने–सामने भिड़ंत होने से बाइक सवार विकास की घटना स्थल पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे बाइक सवार दोनों युवक घायल हो गये. मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने सभी घायलों को उपचार के लिए एम्बुलेंस वाहन से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया भिजवाया जहां पर प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉक्टर अवधेश कुमार ने विकास को मृत घोषित कर दिया, जबकि दूसरे बाइक सवार सर्वेश के सिर में गंभीर चोट को देखते हुए मण्डलीय चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया. विकास की मौत की सूचना पर बहन पूनम व राधा रोने बिलखने लगी थीं. चारों घायलों का उपचार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में कराया जा रहा है. सूचना मिलने पर घटना स्थल पर पहुंचे थानाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह ने घटना की जांच पड़ताल करने के बाद प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर उपनिरीक्षक अच्छे लाल यादव के साथ पहुंचकर मृत युवक के परिजनों को सूचना देते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. मृत युवक छह भाइयो में सबसे छोटा था. जिसकी अभी शादी नहीं हुई है. मौके पर मौजूद लोगों की औहेलमेट भी नहीं लगाया था। दो दिन हुआ बाहर से घर आया था दोनों बहनों के साथ रिस्तेदार के यहां घूमने आए थे।

डीएम व एसपी ने करोड़ो की लागत से नवनिर्मित हाईटेक पौधशाला का किया औचक निरीक्षण

सोनभद्र। जिलाधिकारी बीएन सिंह व पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा द्वारा आज उद्यान विभाग, द्वारा विकास खण्ड, घोरावल के राजकीय प्रक्षेत्र, ओबराडीह में धनराशि 1 करोड़ 09 लाख की लागत से नवनिर्मित हाईटेक पौधशाला का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक द्वारा मिनी सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस में नई तकनीक का प्रयोग कर उगायी जा रही अच्छी गुणवत्ता के सब्जी के पौधें तैयार करने की प्रक्रिया बारी–बारी से स्थलीय जायजा लिया गया। इस दौरान जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि अच्छी गुणवत्ता के सब्जी पौधें तैयार कर किसानों को उपलब्ध कराया जाये तथा स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को प्रशिक्षित कर उनसे उत्पादन कार्य लिया जाय, जिससे औद्यानिक क्षेत्र में नई तकनीक का प्रयोग को बढ़ावा मिले और उत्पादकता में भी वृद्धि हो। उन्होंने कहा कि मिनी सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस के निर्माण से जनपद के .षकों को उन्नत किस्म के सब्जी के पौधें प्राप्त होगें तथा रोजगार के अवसर भी जनपद में ही उपलब्ध होगें। जनपद में अधिक से अधिक .षकों के यहां इसी तर्ज पर पॉली हाउस का निर्माण कराया जाये, तैयार पौधों को .षकों को खेत में

जिससे .षकों की आय में वृद्धि हो सकें। निरीक्षण के दौरान जिला उद्यान अधिकारी मेवाराम ने जानकारी दी कि हाईटेक पौधशाला में सीड ग्रोइंग चौम्बर में फैन–पैड का निर्माण किया गया है तथा सिडिंग मशीन के सहायता से सीड की बुवाई ट्रे में की जायेगी। जहाँ कन्ट्रोल वातावरण में बीजों से स्वस्थ व रोगमुक्त पौध तैयार किये जायेग, साथ ही साथ हार्डनिंग चौम्बर का निर्माण कराया गया था। 20 दिन बाद सीड ग्रोइंग चौम्बर से तैयार पौधों को हार्डनिंग चौम्बर में रखा जाता है, ताकि पौधों को खुले खेत में लगाने हेतु तैयार हो जाये, तत्पश्चात् हार्डनिंग चैम्बर में रोपाई हेतु उपलब्ध कराया जाता है। हाईटेक पौधशाला का उद्देश्य बीजों के जमाव प्रतिशत को बढ़ाना, सूक्ष्म एवं मृदु बीजों से पौधों का सुविधापूर्वक उत्पादन, उपयुक्त वातावरण के समय पौध उपलब्ध कराना, गुणवत्तायुक्त पौध तैयार करना, रोग–कीट के प्रभाव रहित पौध का उत्पादन, मृदा रहित मीडिया के कारण जड़ों का उपयुक्त विकास, कम क्षेत्रफल में अधिक पौध उत्पादन, प्रारम्भिक अवस्था में पौध को सूर्य की रोशनी, वर्षा, सर्दी, हवा आदि से बचाव, अगेती फसल रोपाई में सहायता, खेत की तैयारी हेतु अधिक समय की उपलब्धता, कम क्षेत्रफल में रोग–कीट नियंत्रण की सुविधा है। हाईटेक पौधशाला में बाहरी वातावरण जैसे–सर्दी, गर्मी, वर्षा एवं अन्य प्रा.तिक कारको को नियंत्रित कर सब्जियों की पौध को उत्पादन किया जाता है। प्रा.तिक प्रतिकूल कारकों को नियंत्रण के साथ–साथ हाईटेक पौधशाला में कार्बनडाई आक्साइड की मात्रा 2–3 गुना बढ़ जाती है, जिसके परिणामस्वरूप पौधों का विकास तेजी से होता है। हाईटेक पौधशाला में बाहर एवं अन्दर के तापक्रम में 10–15 डिग्री सेल्सियस का अन्तर रहता है। जिससे पौधों को तैयार होने में अनुकूल वातावरण मिलता है। हाईटेक पौधशाला में सिंचाई बूमर तकनीकी द्वारा की जाती है, जिससे आवश्यक मात्रा में पौधों को पानी मिलता है तथा बूमर तकनीक से पानी एवं पोषण देने से पौधों को एक समान पोषण मिलता है तथा एक वर्ष में लगभग 12.00 लाख सब्जी पौध (मिर्च, टमाटर, गोभी, बैगन, खीरा, लौकी, तरोई आदि) उत्पादन किया जा सकेगा। निरीक्षण के मौके पर अधिशासी अभियन्ता ग्रामीण अभियंत्रण, उद्यान निरीक्षक रवीन्द्र सिंह व पुष्पा सहित उद्यान के कार्मिकगण उपस्थित रहें।

अवैध तमंचा व कारतूस के साथ हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

मीरजापुर(एजेंसी)। कटरा कोतवाली पुलिस ने अवैध तमंचा व कारतूस के साथ हिस्ट्रीशीटर को गिरफ्तार किया है।

बताया जा रहा है कि कटरा कोतवाली क्षेत्रांतर्गत नटवा तिराहा हयातरोड़ चिमनी के पास से पुलिस ने माइकल सोनी उर्फ मुनीश सोनी पुत्र स्वर्गीय जवाहर लाल सोनी निवासी गणेशगंज थाना कोतवाली कटरा को गिरफ्तार किया है। जो हिस्ट्रीशीटर बताया गया है। पुलिस ने उसके पास से एक अदद अवैध तमंचा 315 बोर मय 2 अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर बरामद किया है। पुलिस की मानें तो वह काफी शातिर किस्म का है जिसके खिलाफ कटरा कोतवाली से सहित कौशांबी जिले के थाना महेवाघाट एवं सैनी थाने में भी मुकदमा दर्ज है।

पूर्व पीएम स्व0डॉ0मनमोहन सिंह कार्यकाल रहा अद्वितीय

सोनभद्र। राबर्ट्सगंज ब्लॉक के धोबही में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य आशुतोष कुमार दुबे (आशु) द्वारा ग्रामीणों के साथ बैठक कर भारत के पूर्व–प्रधानमंत्री स्व0डॉ0मनमोहन सिंह को याद किया गया। इस दौरान उनके द्वारा किए गए कार्य सरानीय कदम को नव वर्ष 2025 में समर्पित किया। कहा कि जनप्रिय नेता को सच्ची श्रद्धांजलि तभी सार्थक होगी जब जब उनके द्वारा किए गए कार्य का आमजनमानस को सही रूप में उसका लाभ मिले। गरीबों को शिक्षा का अधिकार जैसे महत्वपूर्ण कानून के तहत उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने का काम भी मनमोहन सिंह के समय में ही हुआ। वहीं किसानों का 71000 करोड़ का कर्ज माफ करके भी उन्होंने देश के किसानों को मजबूत करने का काम किया। उपस्थित मुन्नी देवी ने कहा कि हम लोगों को मोटा अनाज–पतला अनाज उनके कार्यकाल में मिला करता था, वहीं फूलमती देवी ने कहा कि किसानों का कर्ज माफ होने पर घर की स्थितियों में काफी सुधार हुआ जो हम लोग कभी भूल नहीं सकते। कांग्रेस नेता श्रीकांत मिश्रा ने कहा कि शिक्षा का अधिकार जैसा कानून गरीबों को अच्छी शिक्षा प्राप्त कर उनके विकास में सहायक है। युवा कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष सूरज वर्मा ने कहा कि आज जो आधार कार्ड से हम लोगों के कई काम हो रहे हैं इसमें उनके योगदान को हम कभी नहीं भूल सकते। इस मौके पर अनिल बियार, दयाराम प्रजापति, सुशील भारती, चंपा देवी, मुन्ना बियार, चंद्रमणि बियार, किशन राजभर, आशीष कुमार, अनुराग कुमार, नतयु राजभर, अमर बियार, मुन्ना गुप्ता आदि मौजूद रहे।

लघु उद्योग स्थापना के लिए ऋण हेतु करें आवेदन

सोनभद्र। प्र0उपायुक्त उद्योग जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र आरपी गौतम ने अवगत कराया है कि सरकार के निर्देसानुसार सुक्ष्म, लद्यु एवं मध्यम उद्यम अनुभाग–2 के द्वारा जनपद में उद्योगों को अधिक से अधिक प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जनपद के युवाओं को रोजगार सृजित किये जाने हेतु प्रदेश सरकार द्वारा जनपद में पूजीं निवेश को बढावा देने/आकर्षित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 01 लाख नई सूक्ष्म, लद्यु मध्यम इकाईयों को स्थापित किये जाने हेतु उक्त योजना को मिशन मोड के रूप में आगामी 10 वर्षो की समयावधि में प्रदेश में 10 लाख नयी सूक्ष्म इकाईयां स्थापित किये जाने हेतु राज्य सरकार द्वारा ''मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना'' का प्रारम्भ किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। उन्होंने बताया कि आवेदक जनपद का निवासी होना चाहिए एवं आवेदक की 21 वर्ष से 40 वर्ष होनी चाहिए। आवेदक की शैक्षिक योग्यता न्यूनतम कक्षा आठ होनी चाहिए। इण्टरमीडिएट उत्तीर्ण अथव समकक्ष को वरीयता दी जायेगी। आवेदक को विभाग द्वारा संचालित प्रशिक्षण योजनाओं जैसे–विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना, एक जनपद एक उत्पाद प्रशिक्षण एवं टूलकिट योजना, अनुसूचित जाति/जनजाति/अन्य पिछडा वर्ग प्रशिक्षण योजना, उत्तर प्रदेश स्किल डवलपमेन्ट मिशन द्वारा संचालित कौशल उन्नयन आदि में प्रशिक्षण हो अथवा किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय/शैक्षिणिक संस्थान से कौशल सम्बन्धि सर्टिफिकेट कोर्स/डिप्लोमा/डिग्री प्राप्त/अन्य तकनीकी शिक्षा प्राप्त एवं अनुसूचित जाति/जनजाति महिला अभ्यार्थियों को भी वरीयता दी जायेगी। उन्होंने बताया कि आवेदक दी गयी वेबसाइट ीजजचध्ध्उेउमण्नचण्हवअण्पद पर निःशुल्क आवेदन कर सकते है। आवेदन ऑनलाइन करते समय निम्न शैक्षिक योग्यता प्रमाण–पत्र जैसे न्यूनतम आठवीं की मार्कशीट/ हाईस्कूल अंक प्रमाण पत्र आधार कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो, स्कैन हस्ताक्षर, निवास का प्रमाण, नोट.त हलफनामा एवं परियोजना रिपोर्ट को पोर्टल पर अपलोड करना होगा। उन्होंने बताया कि उद्योग एवं सेवा क्षेत्र की अधिकतम रू0 5.00 लाख तक की परियोजनाओं के ऋण पर परियोजना लागत का शत–प्रतिशत् ब्याज उपादान वित्त पोषण की तिथि से अगले 04 वर्षो के लिए दिया जायेगा। कुल परियोजना लागत का न्यूनतम 10 प्रतिशत टर्मलोन के रूप में होना अनिवार्य होगा। परियोजना में भूमि भवन का क्रय सम्मिलित नही होगा। सामान्य वर्ग के लाभार्थियों का परियोजना लागत का 15 प्रतिशत, अन्य पिछडा वर्ग के लाभार्थियों के लिए 12.5 प्रतिशत तथा अनुसूचित जाति/जनजाति/दिव्यांगजन के लिए परियोजना लागत का 10 प्रतिशत स्वंय के अंशदान के रूप में साथ ही प्रदेश में आर्थिक रूप से पिछडे भौगोलिक क्षेत्रों (बुन्देलखण्ड एवं पुर्वाचंल क्षेत्र) तथा भारत सरकार द्वारा घोषित प्रदेश के आकांक्षात्मक जनपद सोनभद्र के लाभार्थियों/आवेदको को भी परियोजना लागत का 10 प्रतिशत स्वयं के अंशदान के रूप में जमा करना होगा। यह अंशदान अग्रान्त (फ्रंट इण्डेड) होगा। लाभर्थि को परियोजना लागत अथवा अधिकतम रू0 5.00 लाख जो कम हो का 10 प्रतिशत मार्जिन मनी सब्सिडी के रूप में दिया जायेगा। यह अनुदान बैंक इण्डेड होगा। तम्बाकू उत्पाद, गुटखा पान मसाला अल्कोहल, वातयुक्त पेय पदार्थ कार्बोनेटड उत्पाद, पटाखे, प्लास्टिक कैरी बैग (40 माईक्रॅन से कम) अथवा भारत सरकार द्वारा समय–समय पर प्रतिबंधित श्रेणी में रखें उत्पाद योजना में लाभ हेतु पात्र नही होगें। योजनान्तर्गत जनपद की समस्त राष्ट्रीय.त बैंक/ग्रामीण बैंक तथा वित्तीय संस्थाए ऋण वितरण हेतु पात्र होगें। योजनान्तर्गत अभ्यार्थी का पंजीकरण निम्न दिये गये पंजीकरण फार्म के अनुसार ही स्वीकार किये जायेगें। पंजीकरण फार्म प्राप्त करने के लिए कार्यालय में प्रातः 10:00 बजे से सायं 05.00 बजे तक संपर्क सथापित करते हुए जानकारी प्राप्त कर सकतें है।

श्रीराम राज्याभिषेक की सजी भव्य झांकी, आनंद उत्सव में मग्न हुए भक्तगण

सोनभद्र। राबर्ट्सगंज नगर के आरटीएस क्लब में चल रहे श्री रामचरितमानस नवाह पाठ महायज्ञ के नौवें दिन भगवान श्री राम का राज्याभिषेक हुआ। इस अवसर पर मानस पंडाल को फूलों से सज्जित किया गया और भगवान श्री राम की दिव्य आरती भक्तों द्वारा की गई। वही वशिष्ठ की भूमिका निभा रहे मंच आचार्य एवं संचालक आचार्य संतोष कुमार द्विवेदी ने श्री राम का तिलक लगाकर राज्याभिषेक किया इसके पश्चात वहां उपस्थित समिति के अध्यक्ष सत्यपाल जैन, महामंत्री सुशील पाठक, शिशु त्रिपाठी सहित भारी संख्या में भक्तजनों ने भगवान श्री राम दरबार की दिव्य आरती की। वही व्यास श्री सूर्य लाल मिश्र के मुखारविंद से गोस्वामी तुलसीदास .त रामचरितमानस उत्तरकांड की चौपाई राज बैठे राज्य बैठे त्रैलोका। हर्षित भये गए सब सोका।। न कर काहू सन कोई। राम प्रताप विषमता खोई ।। अर्थात– भगवान श्री राम के राज्य पर प्रतिष्ठित हो जाने पर तीनो लोक के लोग हर्षित हो गए, उनके सारे दुख जाते रहे, कोई किसी से बैर नहीं करता, श्री रामचंद्र जी के प्रताप से सबकी विषमता (आंतरिक भेदभाव) मिट गये। इस चौपाई के साथ ही राम दरबार में भक्तों द्वारा पुष्प वर्षा की जाने लगी, पटाखे छुड़ाए जाने लगे और मुद्राएं लुटाई जाने लगी। मुख्य व्यास जी द्वारा भरत पीड़ा तथा भरत . हनुमान मिलन, अयोध्या में आनंद, श्री रा जी का स्वागत, भरत मिलन, राम राज्याभिषेक, वेद स्तुति, शिव स्तुति, वानरों और निषादो की विदाई, रामराज्य का वर्णन आदि कथाओं का वाचन कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं महायज्ञ का समापन हवन पूजन के साथ हुआ। इस अवसर सत्यपाल जैन, सुशील पाठक, अवधेश पांडेय, अयोध्या दुबे, ओमप्रकाश त्रिपाठी, मिठाई लाल सोनी, इंद्रदेव सिंह, राजा सिंह, संतोष पटेल, राम जी, मुरली अग्रवाल, किशोर केडिया, शिशु त्रिपाठी, रविंद्र पाठक, दीपक कुमार केसरवानी, विमलेश पटेल, मन्नू पांडे, सुधाकर पांडे, हर्षवर्धन, चंदन चौबे, कुशल त्रिपाठी, तन्नू पांडेय, आदि उपस्थित रहे है।

रैन बसेरों का डीएम ने किया निरीक्षण, दिए निर्देश

बाराबंकी। जन–सामान्य को शीतलहर से बचाव हेतु जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह व राजस्व और नगर पालिका टीम के साथ संयुक्त रूप से तहसील नवाबगंज के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण कर अलाव एवं स्थाई रैन बसेरों का निरीक्षण करने के साथ–साथ रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन, लेबर अड्डों एवं चिकित्सालय के आस पास निरीक्षण किया।जिलाधिकारी ने कहा कि ठंड के मौसम में रात्रि के दौरान विशेषकर बेघर, मजदूर और दूर दराज के इलाकों से आए हुए यात्रियों के लिए अलाव और रैन बसेरे जीवन रक्षक साबित होते हैं। शासन का यह प्रयास है कि कोई भी व्यक्ति ठंड के कारण प्रभावित न हो और जरूरतमंदों को तुरंत राहत मिले।

अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर बालिकाओं के हितार्थ कानूनी अधिकार, सुरक्षा, विषयक जागरुकता शिविर आयोजित

मीरजापुर(एजेंसी)। जनपद न्यायाधीश, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अरविन्द कुमार मिश्रा के निर्देशन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण तत्वावधान में अपर जनपद न्यायाधीश, सचिव डीएलएसए विनय आर्या की अध्यक्षता में आदर्श इण्टर कालेज, विसुन्दरपुर के प्रागंण में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर बालिकाओं के हितार्थ कानूनी अधिकार, नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलंबन, सेनेटरी पैड, सर्वाइकल कैंसर, यातायात नियमों के पालन करने विषयक पर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर शुभारम्भ अपर जनपद न्यायाधीश विनय आर्या ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यापण कर किया। जहां छात्र, छात्राओं को सम्बोधित करते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव, अपर जनपद न्यायाधीश विनय आर्या ने कहा कि बालिकाओं के सुरक्षा एवं उनके अधिकारों के लिए कई कानून बनाये गये है उनका पालन सभी को करना चाहिए। मिशन शक्ति के तहत नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन बनाने की शक्ति प्रदान की गई है जिसके अन्तर्गत कन्या सुमगंला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, सामूहिक विवाह योजना, ग्रामीण आजीविका मिशन, बैंकिंग कॉरस्पोंडेंट सखी, मातृ बंदना योजना, राष्ट्रीय पोषण मिशन महिला शक्ति मोबाईल, महिला हेल्पडेस्क, महिला साइबर सेल तथा रिपोर्टिंग पुलिस चौकी बनाये गये है। जिनका लाभ लेना चाहिए और यातायात के नियमों का पालन अवश्य करना चाहिए। यदि कोई भी छात्र व छात्राएं नियमों का पालन नहीं करते है तो दुर्घटना हो सकती है। प्रत्येक टू व्हीलर वाहन चालको को हेलमेट लगाकर सड़क पर निकलना चाहिए यदि ऐसा नहीं करता है तो दुर्घटना होने पर उसकी मृत्यु हो सकती है। वनस्टाफ सेन्टर प्रबन्धक पूजा मौर्या ने उपस्थित छात्राओं को बाल सेवा योजना, कन्या सुमगंला योजना, सामूहिक विवाह योजना, गुड टच, बैड टच, राष्ट्रीय पोषण मिशन महिला हेल्प लाइन 1090, मातृशक्ति सम्बल योजन का लाभ प्राप्त करने की सम्पूर्ण प्रक्रिया को विस्तार से जानकारी दी। एसआई रामपाल मिश्र ने बताया कि किशोरों, किशोरियों के लिए विशेष किशोर पुलिस इकाई का गठन वर्ष 2019 से किया गया है, जिसमें बाल विवाह, मातव तस्करी, किशोरियों के साथ छेड़खानी, साइबर काइम आदि की शिकायतों के लिए हेल्पलाइन नं0 1098 का प्रयोग करें ।

जगहंसाई से बचने के लिए नेता निकालें समाधिस्थल का समाधान

योगेंद्र योगी ।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने आरोप लगाया कि मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार के लिए यथोचित स्थान उपलब्ध नहीं करा कर सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री के पद की गरिमा, उनकी विरासत और खुद्दार सिख समुदाय के साथ न्याय नहीं किया।

देश में नेताओं की फितरत में शामिल हो चुका है किसी न किसी वजह से विवादों को जन्म देना। इसके लिए किसी का जन्म–मरण भी नहीं देखा जाता। विवादों के चलते राजनीति इतने निचले स्तर पर जा चुकी है कि दिवंगत विभूतियों को भी नहीं बख्शा जाता। इसमें नेताओं का अहम और राजनीतिक आड़े आ जाती है। पूर्व प्रधानमंत्री दिवंगत मनमोहन सिंह भी इसी राजनीति का शिकार हो गए। सिंह की चिता की राख अभी ठंडी भी नहीं हुई है कि उनकी समाधी स्थल को लेकर केंद्र की भाजपा सरकार और कांग्रेस तथा विपक्षी दल एक–दूसरे को नीचा दिखाने में लग गए। दिल्ली में सिंह के स्मारक के लिए जगह को लेकर कांग्रेस और सरकार के बीच आरोप–प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया।

सिंह के स्मारक के मुद्दे पर पार्टी के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि सरकार को देश के महान पुत्र और उनकी गौरवशाली कौम के प्रति आदर दिखाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि भारत माता के महान सपूत और सिख समुदाय के पहले प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह जी का अंतिम संस्कार निगमबोध घाट पर करवाकर वर्तमान सरकार द्वारा उनका सरासर अपमान किया है। राहुल गांधी के मुताबिक आज तक सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों की गरिमा का आदर करते हुए उनके अंतिम संस्कार अधिकृत समाधि स्थलों में किए गए ताकि हर व्यक्ति बिना किसी असुविधा के अंतिम दर्शन कर श्रद्धांजलि दे पाए। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने आरोप लगाया कि मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार के लिए यथोचित स्थान उपलब्ध नहीं करा कर सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री के पद की गरिमा, उनकी विरासत और खुद्दार सिख समुदाय के साथ न्याय नहीं किया। कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने दावा किया कि मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार में असम्मान और कुप्रबंधन देखने को मिला। उन्होंने कहा कि डीडी (दूरदर्शन) को छोड़कर किसी भी समाचार एजेंसी को अनुमति नहीं दी गई। डीडी ने मोदी और शाह पर ध्यान केंद्रित किया। सिंह के परिवार को बमुश्किल ही कवर किया। उन्होंने दावा किया कि सिंह के परिवार के लिए केवल तीन कुर्सियां सामने की पंक्ति में रखी गईं। कांग्रेस नेताओं, सिंह की बेटियों और उनके परिवार के अन्य सदस्यों के लिए सीट की व्यवस्था की खातिर जद्दोजहद करनी पड़ी।

उन्होंने कहा कि इस महान राजनेता के साथ इस अपमानजनक व्यवहार से सरकार की प्राथमिकताओं और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति उसकी असंवेदनशीलता उजागर होती है। खेड़ा ने दावा किया कि हैरानी की बात यह रही कि जब भूटान के नरेश खड़े हुए, तो प्रधानमंत्री मोदी खड़े नहीं हुए। अंतिम संस्कार की रस्में निभाने वाले पोतों को चिता तक पहुंचने के लिए संघर्ष करना पड़ा तथा विदेशी राजनयिकों को कहीं और बैठाया गया और वे नजर नहीं आए। कांग्रेस के आरोपों पर भाजपा कैसे पीछे रह सकती थी। यह देखे बगैर की इस मुद्दे पर राष्ट्रीय–अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की भद्द पिटेगी, भाजपा पलटवार करने में पीछे नहीं रही। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कांग्रेस नेताओं पर प्रहार करते हुए कहा कि यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और वर्तमान अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे देश के पूर्व प्रधानमंत्री सम्मानीय मनमोहन सिंह जी के दुखद देहावसान पर भी राजनीति करने से बाज नहीं आ रहे हैं। कांग्रेस की इस घटिया सोच के लिए जितनी भी निंदा की जाए, कम है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने मनमोहन सिंह को जीते–जी कभी भी वास्तविक सम्मान नहीं दिया, लेकिन अब उनके सम्मान के नाम पर राजनीति कर रही है। इस विवाद में आम आदमी पार्टी भी कूद पड़ी। (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी इस विषय को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह खबर सुनकर मैं स्तब्ध हूं कि भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह जी का अंतिम संस्कार निगमबोध घाट पर किया गया। इसके पूर्व भारत के सभी प्रधानमंत्रियों का अंतिम संस्कार राजघाट पर किया जाता था। केजरीवाल ने सवाल किया कि सिख समाज से आने वाले और पूरी दुनिया में ख्यातिप्राप्त 10 वर्ष भारत के प्रधानमंत्री रहे मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार और समाधि के लिए भाजपा सरकार 1000 गज जमीन भी न दे सकी?

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर आग्रह किया था कि सिंह का अंतिम संस्कार ऐसे स्थान पर होना चाहिए जहां उनका स्मारक भी बन सके। इस पर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा था कि सरकार पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के स्मारक के लिए स्थान आवंटित करेगी। आश्चर्य यह है कि अतिविशिष्ट व्यक्तियों के स्मारक के बारे कायदे–कानून का फैसला मनमोहन सिंह की ही सरकार ने वर्ष 2013 में लिया था। इसके मुताबिक दिल्ली में वीवीआईपी के लिए अलग से कोई स्मारक नहीं होगा और राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्रियों जैसे दिवंगत राष्ट्रीय नेताओं के स्मारकों के लिए एक साझा परिसर बनाने का फैसला किया था। यूपीए सरकार ने राजघाट के पास अलग–अलग समाधियों के निर्माण पर रोक लगाने का फैसला लिया था। सिंह के समाधिस्थल को लेकर हायतौबा मचाने वाली कांग्रेस अपनी ही पार्टी के प्रधानमंत्री रहे नरसिम्हा राव की समाधि को लेकर किए गए बर्ताव को भूल गई। कांग्रेस की तत्कालीन मनमोहन सिंह सरकार राव के स्मारक के लिए 10 साल तक जगह नहीं दी गई थी। पूर्व प्रधानमंत्री राव के कांग्रेस अध्यक्ष रही सोनिया गांधी से राजनीतिक रिश्ते कभी सौहाद्रपूर्ण नहीं रहे। यही वजह रही कि कांग्रेस उनकी समाधि को लेकर उपेक्षा करती रही। साल 2014 में जब मोदी सरकार सत्ता में आई तब स्मारक बनाने का प्रस्ताव दिया गया। तत्कालीन केंद्रीय शहरी विकास मंत्री एम. वेंकैया नायडू ने इस पर तेजी से काम किया। ऐसा नहीं है कि अतिशिष्टि व्यक्तियों की समाधिस्थल को लेकर विवाद आगे नहीं होगा। केंद्र में सत्ता बदलने पर फिर ऐसी ही हास्यादपद हालात पैदा हो सकते हैं। बेहतर यही होगा कि ऐसे मुद्दों पर तुच्छ राजनीति से परे राजनीतिक दलों को मिल बैठ कर स्थायी हल ढूंढना चाहिए, ताकि दिवंगत की आत्मा को शांति मिले और ऐसे संवेदनशील मुद्दों पर जगहसाई से बचा जा सके।

चेक बाउंस के ही 45 लाख से अधिक मामलें न्यायालयों में विचाराधीन

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा ।

अदालतों में लंबित मुकदमों के अंबार को इसी से समझा जा सकता है कि देश में 5 करोड़ से अधिक मुकदमों में वादी प्रतिवादी न्याय की प्रतीक्षा कर रहे हैं। मजे की बात यह है कि इनमें से एक लाख 80 हजार मामलें तो 30 साल से भी अधिक समय से लंबित चल रहे हैं।

केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुन मेघवाल ने जानकारी देते हुए बताया है कि देश के न्यायालयों में 45 लाख से अधिक मामलें केवल और केवल चेक बाउंस होने से संबंधित है। अदालतों में लंबित मुकदमों में करीब 9 प्रतिशत मामलें तो चेक बाउंस के ही है। इसमें भी सर्वाधिक 6 लाख से अधिक मामलें राजस्थान में विचाराधीन है वहीं राजस्थान के साथ ही महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली और उत्तर प्रदेश ऐसे राज्य है जहां चेक बाउंस के सर्वाधिक मामलें विचाराधीन है। न्यायालयों में मुकदमों के बोझ को लेकर न्यायपालिका से लेकर सरकार और इससे जुड़े लोग सभी चिंतित है। देश के न्यायालयों में कुल 5 करोड़ से अधिक मामलें लंबित चल रहे हैं। लगातार सुधारों और सकारात्मक प्रयासों के बावजूद न्याय की प्रतीक्षा में इतनी अधिक संख्या में प्रकरणों का बकाया होना इस मायने में भी चिंता का कारण है कि न्यायालयों पर मुकदमें को बोझ कम होने के स्थान पर लगातार बढ़ता ही जा रहा है। यह सब तो तब है जब लोक अदालतों का समय समय पर लगातार आयोजन किया जा रहा है। दरअसल कुछ इस तरह के मुकदमें है जो सबसे अधिक न्याय के मंदिर का बोझ बढ़ा रहे हैं। ऐसे मुकदमों के निस्तारण की दृष्टि से यातायात नियमों की अवहेलना करने वाले मुकदमों के निस्तारण का जो रास्ता अख्तियार किया गया है वह निश्चित रुप से सराहनीय और न्यायालयों के बोझ को कम करने की दिशा में सकारात्मक प्रयास माना जा सकता है। यदि चेक बांउस वाले मामलों को भी इसी तरह से निपटान का कोई रास्ता निकल सके तो न्यायालयों में मुकदमों के अंबार को निष्चित रुप से कम किया जा सकता है। न्यायपालिका और सरकार न्यायालयों में मुकदमों के अंबार से चिंतित होने के साथ ही समाधान की दिशा में लगातार प्रयास कर रही है। चेक बांउस जैसे मुकदमों के शीघ्र निस्तारण के लिए सुझाव देने के लिए 10 मार्च, 21 को दस सदस्यीय कमेटी भी बनाई गई समिति ने नेगोशियेबल इंस्ट्रूमेंटल कोर्ट बनाने की सलाह के साथ ही पायलट प्रोजेक्ट के रुप में स्थापना के सुझाव भी दिए और पायलट प्रोजेक्ट के रुप में करीब25 कोर्ट बने भी। पर परिणाम सामने नहीं आ सके हैं। अदालतों में लंबित मुकदमों के अंबार को इसी से समझा जा सकता है कि देश में 5 करोड़ से अधिक मुकदमों में वादी प्रतिवादी न्याय की प्रतीक्षा कर रहे हैं। मजे की बात यह है कि इनमें से एक लाख 80 हजार मामलें तो 30 साल से भी अधिक समय से लंबित चल रहे हैं। देश के सबसे बड़े न्याय के मंदिर में 80 हजार से अधिक मामलें लंबित है। एक मोटे अनुमान के अनुसार लंबित न्यायालयों में से करीब 85 प्रतिशत से अधिक मामलें तो जिला अदालतों में विचाराधीन है। करीब 25 प्रतिशत मामलें राजस्व से जुड़े हैं। यातायात नियमों की अवहेलना के मामलें भी बहुत अधिक संख्या में है पर इसके निराकरण का रास्ता निकलने लगा है। देश में समय समय पर नियतकाल में लग रही लोक अदालतों में भी बड़ी संख्या में मुकदमों का निस्तारण होने लगा है। पर सवाल वहीं का वहीं हैं कि देष के न्यायालयों में फास्ट ट्रेक सहित विशेष अदालतें बनने के बाद भी कम होने की जगह दिन प्रतिदिन अधिक ही होते जा रहे है। विचाराधीन कैदियों के संदर्भ में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु की टिप्पणी और उपकी चिंता से सभी वाकिफ हो चुके हैं। होता तो यहां तक है कि हजारों की संख्या में ऐसे प्रकरण देखने को मिल जाएंगे जिसमें जितनी सजा होनी चाहिए उससे अधिक समय तो ज्यूडिशियल कस्टेडी में ही निकल जाता है। इसी तरह से मामूली मारपीट और इसी तरह के दूसर छोटे मोटे मुकदमें न्यायालयों में लगातार बोझ का कारण बनते जा रहे हैं। आपसी जमीन जायदाद और गज दो गज जमीन के, रास्ते के और इनके कारण राजस्व मुकदमों के साथ ही क्रिमिनल मुकदमों और इसी तरह के मुकदमों के न्यायिक प्रक्रिया को पूरा करते हुए त्वरित निस्तारण का कोई समाधान खोजा जाना आवश्यक है।इसमें कोई दो राय नहीं कि हमारे न्यायालयों द्वारा मुकदमों का बोझ कम करने के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। व्यवस्था में काफी सुधार किये गए हैं। पुराने लंबित मुकदमों की पहले सुनवाई पर जोर दिया जा रहा है। इसी तरह से तारीख पर तारीख लेने की परंपरा को भी तोड़ा जा रहा है। व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और तकनीक सेवी बनाया जा रहा है। त्वरित निस्तारण पर जोर दिया जा रहा है। पर तथ्य तो यही दर्शा रहे हैं कि लाख प्रयासों के बावजूद मुकदमों का अंबार कम नहीं हो रहा। भारतीय न्याय प्रणाली को लेकर सबसे सकारात्मक पक्ष यह है कि देशवासियों को न्याय सिस्टम के प्रति विष्वास है और यही कारण है कि लोग जब कोई विकल्प नहीं दिखता तो न्याय के दरवाजे पर गुहार लगाते है।

तस्वीर का एक पहलू यह भी है कि न्यायालयों में सरकार से जुड़े मुकदमों की संख्या भी बहुत बहुत बड़ी संख्या में हैं। आर्बिटेशन के प्रावधान होने के बावजूद अधिक मामलें निपट नहीं पाते हैं। अब चेक बांउस के मामलों को ही लिया जाए तो इसमें दो बाते साफ है। मोटे रुप से चेक बांउस होने की स्थिति में 2 वर्ष की सजा या चेक राशि की दो गुणा राशि चुकाने के प्रावधान है। केस की प्रकृति के अनुसार सजा कम ज्यादा हो सकती है। ऐसे में 43 लाख मुकदमों का केवल चेक बाउंस से संबंधित होना इसलिए चिंता का विषय हो जाता है कि पांच करोड़ में से यह संख्या कम होती है और खासतौर से ऐसे हालातों में निचली अदालत में मुकदमों का बोझ काफी कुछ कम हो सकता है। इसके लिए सबसे अच्छा रास्ता तो चेक बांउस प्रकरणों के निपटान के लिए विशेष अभियान चलाते हुए लोक अदालत लगाई जाकर उसमें दोनों पक्षों को बुलाकर समझाईश से निपटाया जा सकता है या कुछ इसी तरह का कोई हल खोजा जा सकता है। ऐसे मामलों में एक या दो से अधिक तारीख तो दी ही नहीं जानी चाहिए। ऐसे मामलें अदालत में आने की साथ ही दोनों पक्षों को अपना पक्ष रखने का तारीख दर तारीख नहीं बल्कि पहली या दूसरी तारीख में ही देकर के निस्तारित किया जाना अधिक उचित होगा ताकि इस तरह के प्रकरणों का निष्पादन हो सके। यह तो सामान्य व्यक्ति के रुप में सुझाव हो सकता है। न्यायपालिका से जुड़े विशेषज्ञ विद्वतगण इस तरह की समस्याओं के समाधान के लिए न्यायिक प्रक्रिया को पूरी करते हुए कोई सकारात्मक सुझाव दे और सरकार व न्यायपालिका द्वारा परीक्षण कर कोई ऐसी व्यवस्था करें तो मुकदमों के अंबार को कम किया जा सकता है। चेक बांउस तो एक पक्ष है इसी तरह के ऐसे मुकदमें जिनमें अधिक कानूनी पेचिदगियां नहीं होती हो उनके त्वरित निस्तारण का रास्ता निकाल कर न्यायालयों के बोझ को हल्का किया जा सकता हैं। सरकार, न्यायपालिका और इस क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों को इस दिशा में भी निरंतर मनन और समाधान खोजना ही होगा ताकि न्याय जल्दी मिल सके, मुकदमों का भार कम हो सके।

सम्पादकीय

भारत को सचमुच एक खुशियों भरे भविष्य की ओर ले गए डा. मनमोहन सिंह

सिर्फ दस साल पहले की बात है, मगर मानों जमाना गुजर गया हो। दस साल पहले भारत भूखा था नए विजन, नई दृष्टि का। हर कोई तरक्की और अच्छे दिनों के लिए फडफडाता हुआ था। दस साल पहले लग रहा था, सबकी फील थी, भारत बढ़ रहा है। भारतीय आगे बढ़ रहे है।

आज, लफ्फाजी और प्रोपेगेंडा है।

मैं सन् 2007 में स्काटलैंड में सेंट एंड्रयूज विश्वविद्यालय में पढ़ती थी। भारत की राजनीति की न सुध थी और न ज्यादा जानकारी। पतझड़ के आखिरी दिनों की एक सर्द दोपहर में मैं अंतर्राष्ट्रीय संबंधों पर अपनी टुटोरिअल क्लास शुरू होने का इंतजार कर रही थी। विश्वविद्यालय की इमारत खामोश थी, मानों आराम कर रही हो। सभी लोग लंच के लिए गए हुए थे। मैं लंच और सुकून चौन के मूड में थोड़ी जल्दी वापस पहुंच गई। मेरे अलावा वहां एक और व्यक्ति था, जो अपने कपड़ों से खांटी अमीर,कुलीन अंग्रेज लग रहा था। लेकिन वह था एक मेक्सिकन रईसजादा जो स्विटजरलैंड में रहता था। दुआ–सलाम के बाद हम आमने–सामने बैठ गए और मैं खाना शुरू करने ही वाली थी कि उसने मेरे पर सवाल दागा, क्या तुम्हे इंडियन होने पर गर्व है? मैंने हैरानी और नाराजगी से उसे देखा। वह मेरे चौन, इतमीनान से पैनिनी इम्बोटिटो के स्वाद में खलल थी। वो आंखे फैलाकर लगातार मुझे घूर रहा था। मेरा जवाब जानने को बेताब था। मैंने अपना सैंडविच लपेटते हुए उसकी ओर देखा और बेलौस जवाब दिया, हां, बिलकुल है। लेकिन वो मेरे जवाब से न तो खुश हुआ और ना उसे उस पर भरोसा हुआ। उसने दुबारा पूछा, क्या वाकई तुम्हे गर्व है? (क्या आप सचमुच?) मैंने उसकी ओर सवाल उछाला, क्या तुम्हे अपने मेक्सिकन होने पर गर्व नहीं है। उसने तपाक से कहा नहीं। मैंने हैरानी से उसकी ओर देखा। मैं सोच रही थी कि किसी को अपने देश से प्यार न हो, भला ऐसा कैसे संभव है!

वह भी शायद मेरी ओर देखते हुए सोच रहा था कि इसका उलट कैसे संभव है। इसके पहले कि चर्चा आगे बढ़ती, छात्रों के लौटने का सिलसिला शुरू हो गया। हम दोनों अपने–अपने समूहों से घिर गए और बातचीत यहीं समाप्त हो गई। इसके बाद कभी वह अधूरी चर्चा पूरी न हो सकी।

लेकिन मेरे मन में हमेशा सवाल कौंधता रहा कि उसके मन में ऐसा सवाल क्यों आया?

जब मैं स्काटलैंड गई थी तब भारत द्रुत गति से फल–फूल रहा था जबकि ब्रिटेन मंदी में डूब–उतर रहा था। जैसा कि मैंने विदेशी विश्वविद्यालयों में प्रवेश हेतु आवेदनों में अपने वक्तव्य में कहा था, भारत बदलाव के कगार और सबसे तेजी से बढने वाली अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। इसमें तब संदेह की कोई गुंजाइश नहीं थी। हमारा शेयर बाजार तेजी से बढ़ रहा था, व्यापार–व्यवसाय में नए प्रयोग हो रहे थे, लोकतंत्र जिंदा था और माहौल उत्साहपूर्ण था। विकसित देशों में रह रहे मेरे मित्र कहते थे, कम से कम तुम्हारे पास तो वापस जाने का विकल्प है ही। भारत में आसानी से तुम्हे काम मिल जाएगा। मैं गर्वित और अच्छा फील करती थी। भारत बदल रहा था और हरेक व्यक्ति इसे देख और महसूस कर सकता था।

जब मैं बड़ी हो रही थी तब भी मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि ऐसी कोई चीज है जो मैं खो रही हूं जो मेरे पास नहीं है। निश्चित तौर पर कुछ नियम–कानून और प्रतिबंध थे, जिनका पालन हमें करना पड़ता था। मगर जिंदगी इतनी बुरी भी नहीं थी। एक बच्ची बतौर मेरा जीवन उदास नहीं था। हम रोज एक घंटे कम्प्यूटर का इस्तेमाल कर सकते थे और शाम को केबिल टीवी देख सकते थे, हमें स्कूल ले जाने के लिए कार थी और समय–समय पर हमें नए आधुनिक खिलौने और गेम मिल जाते थे। ये सभी उस समय भारत में आसानी से उपलब्ध थे। हम लोगों को सिनेमा भी ले जाया जाता था और छुट्टियों में हम शहर के बाहर भी जाते थे।

आज जब मैं पीछे मुड़कर उस दौर को याद करती हूं तो मुझे लगता है कि हमारा बचपन खुशनुमा इसलिए था क्योंकि उस दौर में भारत और भारतीय दोनों खुश थे, फालतू की चिंताएं नहीं थी। सब आगे बढ़ रहे थे।

और तब उस समय, उसके पीछे थे डॉ. मनमोहन सिंह।

मुझे सन् 2004 की धुंधली यादें हैं जब सुषमा स्वराज ने एक बड़ा तमाशा किया था। उन्होंने धमकी दी थी कि अगर सोनिया गांधी प्रधानमंत्री बनी तो वे अपना सिर मुंडवा कर सन्यासिन बन जाएंगी। मुझे यह भी याद है कि किस तरह सोनिया गांधी ने विपक्ष के भारी शोर–शराबे के बीच यह सिद्ध किया था कि उनका कद उन सबसे ऊंचा है। उन्होंने साफ कहा कि वे प्रधानमंत्री बनना नहीं चाहतीं और यह जिम्मेदारी उन्होंने डॉ. मनमोहन सिंह को सौंपने की घोषणा भी की। इस एक्सीडेंटल प्राईम मिनिस्टर ने उसी दिन कहा था कि हम भविष्य को खुशियों से भर देंगे और यही हुआ भी। प्रधानमंत्री बतौर वे भारत को सचमुच एक खुशियों भरे भविष्य की ओर ले गए। दुनिया में तब भारत पर विश्वास था।

सन् 1991 में उन्होंने जो बीज बोए थे उनकी फसल काटने का वक्त आ चुका था। सन् 2004 से लेकर 2014 तक प्रधानमंत्री बतौर अपने कार्यकाल में उन्होंने भारत को आधुनिकता और समृद्धि के रास्ते पर आगे बढ़ाया। उसे पहले से ज्यादा शक्तिशाली बनाने में भी योगदान दिया। उनके कार्यकाल में अर्थव्यवस्था नौ प्रतिशत की गति से बढ़ी। इतना ही नहीं भारत को लंबे समय बाद अंतर्राष्ट्रीय मंच पर रुतबा हासिल हुआ। उन्होंने अमेरिका के साथ ऐतिहासिक परमाणु संधि की। आईटी सेवाओं के निर्यात के कारण देश में ढ़ेर सारे डालर आ रहे थे। 1991 के मध्य में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार करीब एक अरब डालर का था। उनके कार्यकाल की समाप्ति के समय इस भंडार में 280 अरब डालर थे और अब उसके करीब दो गुना है। भारत शाईन कर रहा था और भारतीयों के चेहरों पर भी चमक थी – भारत में भी और विदेश में भी।

हमारे साथ कहीं दोयम दर्जे के नागरिकों जैसा व्यवहार नहीं होता था। हमें सम्मान की दृष्टि से देखा जाता था। देश जिस तेज गति से आगे बढ़ रहा था उसे भी दुनिया प्रशंसा की निगाह से देख रही थी। हम चीन से मुकाबिल थे और विकसित देशों के क्लब की सदस्यता हासिल करने की ओर बढ़ रहे थे। आर्थिक मामलों की डॉ मनमोहन सिंह की समझ और उनकी बुद्धिमत्ता ने उन्हें पूरी दुनिया में सम्मान का पात्र बनाया था। देश में एक तरह का चौन और सुकून था। सबको पता था कि शीर्ष पर बैठा आदमी समाज को बांटने वाला नहीं है, वह लोगों को आपस में लड़ाना नहीं चाहता और उसके राज में किसी को भी असुरक्षित महसूस करने की जरूरत नहीं है।उन दिनों मैं भारतीय राजनीति से दूर थी परंतु मुझे यह जरूर याद है कि उस दौर की राजनीति परिपक्व थी, अर्थपूर्ण थी और काफी तक विचारधारा पर आधारित थी।

भारत ने ही किया वसुधैव कुटुम्बकम् का उद्घोष

महात्मा गांधी का एक प्रसिद्ध भजन है वैष्णव जन तो तेने कहिये जे पीड़ परायी जाणे रे। दूसरों की पीड़ा समझने वाला ईश्वर के समान होता है। गांधी जी के इस भजन की पंक्तियों को भारत सही अर्थों में चरितार्थ कर रहा है। भारत हमेशा से ही विश्व बंधुत्व की भावना के सिद्धांत को अपनाकर उसी मार्ग पर चलता आ रहा है। भारत दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है जो हमेशा से ही सभी को साथ लेकर चलने का प्रयास करता रहा है।

दुनिया के किसी भी देश में कैसा भी संकट आया हो, भारत उसके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा नजर आता है। इसी को कहते हैं विश्व बंधुत्व की भावना। वैश्विक परिवार दिवस यदि दुनिया का कोई देश सही मायने में मनाता है तो वह भारत ही हैं। भारत में आज भी अतिथि देवो भव की भावना जिंदा है। यहां के लोग स्वयं भूखे रहकर अतिथियों को भोजन करवाना अपना परम धर्म समझते रहे हैं। वैश्विक परिवार का अर्थ है वसुधैव कुटुम्बकम इसका मूल सिद्धांत यह है कि संपूर्ण मानवता एक परिवार है। इस विचारधारा के अनुसार, प्रत्येक व्यक्ति चाहे वह किसी भी राष्ट्र, जाति, या धर्म से हो, एक ही व्यापक परिवार का हिस्सा है। इस सिद्धांत के अनुसार, विश्व में सभी का समान महत्व है और हर किसी को समान सम्मान मिलना चाहिए।

दुनिया भर में लोग नए साल की पहली सुबह का आनंद उठाते हैं। लोग अपने दोस्तों, परिवार और करीबी लोगों के इस खास दिन का जश्न मनाते हैं। नए साल के साथ ही साल के पहले दिन यानी एक जनवरी को वैश्विक परिवार दिवस भी मनाया जाता है। हर साल एक जनवरी को मनाए जाने वाले इस दिवस के जरिए परिवारों के माध्यम से राष्ट्रों और संस्कृतियों में एकता, समुदाय और भाईचारे की भावना पैदा की जाती है।

जब पूरी दुनिया नए साल का जश्न मनाती है, उसी दिन पूरे विश्व में वैश्विक परिवार दिवस मनाया जाता है। ताकि विश्व में रहने वाले सभी लोग एक परिवार की तरह रहें। इस तरह विश्व के सभी राष्ट्रों और समुदाय में भाईचारे की भावना पैदा हो सके। वैश्विक परिवार दिवस जिसे विश्व शांति दिवस के रूप में भी जाना जाता है। यह दुनिया के एक वैश्विक गांव के विचार पर जोर देता है, जिसमें नागरिकता, सीमा या नस्ल की परवाह किए बिना हम सभी एक परिवार हैं। एक खुशहाल परिवार वह है जिसमें पूरा परिवार एक दूसरे को वैसे ही स्वीकार करता हैं। यह दिन पूरे विश्व को एक परिवार मानता है। वैश्विक परिवार दिवस को शांति और साझाकरण के वैश्विक दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन का उद्देश्य बहुसंस्कृतिवाद, बहुलवाद को बढ़ावा देना और शांति और सद्भाव के साथ एक–दूसरे के साथ रहना सिखाना है। यह दिन विश्व के एक वैश्विक परिवार होने के विचार को बढ़ावा देता है। इसका उद्देश्य एकजुट होना और इस विचार को बढ़ावा देकर शांति का संदेश फैलाना है कि पृथ्वी एक वैश्विक परिवार है ताकि दुनिया को सभी के लिए रहने के लिए एक बेहतर जगह बनाया जा सके।वैश्विक परिवार दिवस की उत्पत्ति दो पुस्तकों में हुई थी। पहली 1996 में अमेरिकी लेखकों स्टीव डायमंड और रॉबर्ट एलन सिल्वरस्टीन द्वारा लिखित वन डे इन पीस 1 जनवरी 2000 नामक बच्चों की किताब थी। वहीं दूसरी किताब अमेरिकी शांति कार्यकर्ता और लेखक लिंडा ग्रोवर का 1998 का यूटोपियन उपन्यास ट्री आइलैंड : ए नॉवेल फॉर द न्यू मिलेनियम थी। विशेष रूप से ग्रोवर ने 1 जनवरी को शांति के वैश्विक दिवस के रूप में स्थापित करने में काफी अहम भूमिका निभाई थी। इन किताबों के विचारों के आधार पर ही 1997 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1 जनवरी को परिवार का एक दिन मनाने की घोषणा की।

बाद में 1999 में संयुक्त राष्ट्र और इसके सदस्य देशों ने पहली बार वैश्विक परिवार दिवस मनाया था। इस दिवस की सफलता को देखते हुए साल 2001 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इस दिन को एक वार्षिक कार्यक्रम के रूप में स्थापित किया। इसके बाद से हर साल एक जनवरी को वैश्विक परिवार दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। नए साल की शुरुआत के साथ ही इस दिन को मनाने का मकसद एक ऐसे समाज की स्थापना करने का प्रयास है जहां सिर्फ शांति हो।हालांकि यह एक नई शांतिपूर्ण दुनिया की शुरुआत थी और 1999 में सभी संयुक्त राष्ट्र सदस्य देशों को शांति निर्माण की दिशा में रणनीति विकसित करने के लिए उस विशेष वर्ष के पहले दिन को औपचारिक रूप से समर्पित करने का निमंत्रण मिला। इस दिन के सकारात्मक प्रभाव को देखते हुए 2001 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा वैश्विक परिवार दिवस को एक वार्षिक कार्यक्रम घोषित किया गया। पहला वैश्विक परिवार दिवस पहली बार वर्ष 2000 में एक जनवरी को देखा गया था तब से हर साल नए साल के पहले दिन को वैश्विक परिवार दिवस के रूप में मनाया जाता है।

नए साल के आगाज साथ ही वैश्विक परिवार दिवस भी मनाया जाता है। वैश्विक परिवार दिवस को हर साल एक जनवरी को मनाने का मुख्य उद्देश्य दुनिया के सभी देशों, धर्मों के बीच शांति की स्थापना करते हुए युद्ध और अहिंसा को टालना है। साथ ही यह भी कोशिश है कि आपसी मतभेदों को बात–चीत के जरिए से निपटाया जाए और एक शांतिपूर्ण समाज की स्थापना की जा सके। इस दिन के लिए परिवार को काफी अहम माना गया है। क्योंकि परिवार के जरिए ही विश्व में शांति स्थापित की जा सकती है।वैश्विक परिवार दिवस मनाने का सबसे अच्छा तरीका अपने परिवार के साथ दिन बिताना है। इस दिन लोग एक साथ रात्रिभोज की योजना बनाते हैं और अन्य पारिवारिक गतिविधियों का आनंद लेते हैं जो उनके बंधन को मजबूत करते हैं और शांति को बढ़ावा देते हैं। परिवार के साथ मनोरंजक गतिविधियों में एक साथ शिविर लगाना या एक साथ खाना बनाना, पिकनिक पर जाना, ट्रेक और बहुत कुछ शामिल हो सकता है। इस दिन को समुदाय के हिस्से के रूप में मनाने के लिए आप उन संगठनों के लिए स्वयंसेवक बन सकते हैं जो समुदाय का निर्माण करते हैं, हिंसा को कम करते हैं और अपने परिवार के साथ सुरक्षा को बढ़ावा देते हैं। आप वैश्विक शांति की दिशा में प्रयासों के बारे में कोई भी फिल्म देख सकते हैं।

आज पूरी दुनिया में युद्ध का वातावरण बना हुआ है। कई देशों में युद्ध छिड़ा हुआ है तो कई देश युद्ध के मुहाने पर खड़े हुए हैं। तीसरे विश्व युद्ध की आशंका व्यक्त की जा रही है। लोग एक दूसरे के दुश्मन बनते जा रहे हैं। जरा–जरा सी बात पर लड़ाई झगड़ा होने लगता है।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, शनिवार 04 जनवरी 2025
sheelshukla100@gmail.com

शिक्षक एकादश ने जीता मैच, छात्रों को समर्पित किया नव वर्ष पर रामलला के दर्शन को उमड़ा आस्था का जनसैलाब

-छात्रों और शिक्षकों के बीच खेला गया सद्भावना मैच

अयोध्या। नए वर्ष 2025 के अवसर पर जिले के एसएसवी इंटर कॉलेज में बुधवार को छात्र और शिक्षक एकादश के बीच सद्भावना मैच का आयोजन किया गया। 12 ओवर के इस मैच को शिक्षक एकादश ने दो रन से जीता। हालांकि यह जीत विद्यार्थियों को समर्पित कर दी गयी। सद्भावना मैच के आरंभ में प्रधानाचार्य डॉ. मणिशंकर तिवारी ने सभी खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। उन्होंने सभी से बेहतर खेल प्रदर्शन की उम्मीद करते हुए कहा कि नए वर्ष में नए उत्साह के साथ खेल में भागीदारी करें।डॉ. तिवारी ने कहा कि खेल जब शिक्षक और छात्रों के बीच होता है तो आपसी सामंजस्य बढ़ते हैं। उन्होंने कहा कि खेल स्पर्धा संघर्ष करने के लिए प्रेरित करती है। संघर्ष के बाद यदि हार भी मिलती है तो खिलाड़ी कभी निराश नहीं होता और नई उमंग के साथ फिर से जीत की तैयारी शुरू कर देता है। उन्होंने कहा कि छात्रों की जीत और हार शिक्षकों पर निर्भर होती है। इसलिए शिक्षकों की यह जीत छात्रों को समर्पित की जा रही है। इस दौरान शिक्षक वारिज नयन शर्मा, लेफ्टिनेंट उमाकांत भारती, कौशल किशोर, अक्षतेश्वर प्रसाद दुबे, अमर चतुर्वेदी, अमर गुप्ता, शशांक मिश्रा, विवेक पांडेय, संजय मेहरोत्रा, दीपक, उत्कर्ष सिंह और अंकित ने शिक्षक एकादश की ओर से मैच खेला। कुल 130 रन बनाकर जीत के लिए छात्र एकादश को 131 रन का लक्ष्य दिया। छात्र संवर्ग से अंश, अर्पित, अमिया, शिवम और निर्मल सहित आदित्य ने मैच खेला। लेकिन टीम 6 विकेट गवांकर महज 128 रन पर सिमट गई। कमेन्ट्री विवेकानन्द पाण्डेय ने की। शिक्षक अमर चतुर्वेदी को मैन ऑफ द मैच और मैन ऑफ द सीरीज के खिताब से नवाजा गया। इस दौरान शिक्षक केके तिवारी, डॉ. अशोक कुमार गौतम, डॉ देवेंद्र कुमार मिश्रा, सुरेंद्र देव तिवारी, अनिल मिश्रा सहित सभी शिक्षक मौजूद रहे।

-राम मंदिर व हनुमानगढ़ी में लगी रही लंबी कतार

अयोध्या। नव वर्ष की शुरूआत करने की लालसा लेकर लाखों की संख्या में श्रद्धालु बुधवार को प्रभु श्री रामलला का दर्शन पूजन कर अयोध्या पहुंचे। नव वर्ष पर मंदिर परिसर को सुगंधित फूलों से सजाया गया। सुबह मंगला आरती के बाद रामलला को रत्नजड़ित वस्त्र व सोने का मुकुट धारण कराया गया। रामलला व हनुमानगढ़ी में भोर पांच बजे से ही दर्शन के लिए श्रीराम जन्मभूमि पथ व भक्तिपथ पर लंबी कतार लग गई। नौ बजे बजते यह कतार रामपथ पर करीब डेढ़ किमी तक बढ़ गई। राम मंदिर में श्रद्धालुओं के दबाव को देखकर एसपी सुरक्षा ने अंगद टीले से होकर मंदिर में जाने वाले मार्ग को भी खुलवाया। प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहले नव वर्ष के प्रथम दिन रामलला का सुबह विशेष श्रृंगार किया गया। सरयू के जल से अभिषेक के बाद रामलला को रत्नजड़ित हरे रंग का पोशाक पहनाया गया व सोने का मुकुट धारण कराया गया। सुबह छह बजे विशेष आरती पूजन के बाद 6:30 बजे दर्शन के लिए मंदिर के कपाट खुल गए। ठंडी हवाओं व ठिठुरन भरी सर्दी के बावजूद भी लोगों का उत्साह कम होने का नाम नहीं ले रहा था। दर्शन मार्ग श्रीराम जन्मभूमि पथ से ही जय श्रीराम का उद्घोष करते हुए श्रद्धालु गर्भगृह में पहुंचे व रामलला का दर्शन किया। दिन निकलने के साथ श्रद्धालुओं की भीड़ भी बढ़ती रही। सुबह 11 बजते ही राम मंदिर से जन्मभूमि पथ और रामपथ पर हनुमानगढ़ी तक कतार लग गई। यहीं हाल हनुमानगढ़ी पर ही रहा, मंदिर के सामने से भक्तिपथ होते हुए रामपथ तक करीब डेढ़ किमी तक भक्तों की लंबी कतार लगी रही। भीड़ का दबाव बढ़ता देख अतिरिक्त सुरक्षा बलों को तैनात किया गया। एसपी सुरक्षा मौके पर पहुंचे व श्रद्धालुओं के लिए अंगद टीले होकर मंदिर जाने वाला मार्ग खोला। एसपी सुरक्षा ब्रह्मचारी दुबे ने बताया कि सुरक्षा के सभी मानकों को पूरा करते हुए पहले से ही पर्याप्त व्यवस्था की गई थी। सुरक्षा को लेकर एटीएस, एसटीएफ सहित अन्य सुरक्षा एजेंसियों को लगाया गया है। सीसीटीवी और ड्रोन कैमरे के माध्यम से हर पल की नजर रखी जा रही है। श्रीराम ज्नमभमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्र ने बताया कि प्रत्येक श्रद्धालु सुगमता से प्रभु के दर्शन कर सके, इसकी समुचित व्यवस्था की गई थी। भीड़ को नियंत्रण करने सात कतारों में दर्शन की व्यवस्था की गई। सुरक्षाबलों के साथ मंदिर ट्रस्ट के सुरक्षा गार्ड दर्शनार्थियों की सेवाभाव से मदद करते रहे। बुजुर्गों व दिव्यांगों के लिए अलग ट्रैक बनाया गया, व्हीलचेयर की व्यवस्था भी की गई है। बताया कि रामलला के दर्शन करने के लिए दर्शन पास के सभी स्लॉट पहले से ही दो जनवरी तक बुक हो चुके हैं।

राजकीय विद्यालयों में होगी व्यावसायिक शिक्षा की पढ़ाई

अयोध्या। राजकीय विद्यालयों में शिक्षा ग्रहण कर रहे कक्षा नौ से 12 तक छात्र–छात्राओं के लिए खुशखबरी है। अब वह पढ़ाई के दौरान ही व्यावसायिक शिक्षा ग्रहण करने के बाद वह रोजगार कर सकेंगे। व्यावसायिक शिक्षा की अलग से वैकल्पिक कक्षाएं संचालित की जाएगी। इसके लिए अलग–अलग ट्रेंड भी निर्धारित किया गया है। छात्राओं को ट्रेंड करने के लिए सरकार की ओर से दो–दो शिक्षकों को आउटसोर्सिंग स्तर से नियुक्ति की जाएगी। वर्तमान में जिले में 27 राजकीय कालेज चल रहे हैं। बेरोजगारी के इस दौर में छात्र, छात्राएं कक्षा नौ व 12 की पढ़ाई के बाद आगे की पढ़ाई करें या फिर किसी परचून की दुकान पर कोई प्राइवेट नौकरी के लिए दर–दर भटकते फिरते हैं। लेकिन अब इन सब परेशानियों से छात्र–छात्राओं को छुटकारा मिलने के आसार जल्द ही मिलेंगे। वह पढ़ाई के दौरान व्यावसायिक शिक्षा लेकर खुद का रोजगार कर सकेंगे। अभिभावकों पर किसी भी प्रकार का दबाव नहीं दिया जाएगा कि वह अलग से व्यावसायिक शिक्षा लें। इसके लिए विद्यालय के प्रधानाचार्य बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे। बाकी अभिभावकों के ऊपर है कि वह अपने बच्चों को व्यावसायिक शिक्षा दिलवाएं या नहीं। क्योंकि इसके लिए अलग से समय रखा गया है। हाईस्कूल में छह व इंटर में पांच विषय के अलावा व्यावसायिक शिक्षा की कक्षाएं अलग से चलेंगी। जिला विद्यालय निरीक्षण डॉ. पवन कुमार तिवारी ने बताया कि राजकीय विद्यालयों में जल्द ही शिक्षकों की तैनाती कर पढ़ाई शुरू करवायी जाएगी। अभी तो अलग से व्यावसायिक शिक्षा दी जा रही है। लेकिन इसे वैकल्पिक विषय के रूप में किए जाने का प्रयास है। ताकि छात्र, छात्राओं व्यावसायिक शिक्षा ग्रहण करने में परेशानी न हो।

सूर्य उदय बूथ कैंप का हुआ आयोजन

-महापौर गिरीशपति त्रिपाठी ने कैम्प का किया शुभारम्भ

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या को सोलर सिटी के रूप में विकसित किए जाने के उद्देश्य से एक दिवसीय पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत सूर्य उदय बूथ कैंप का आयोजन यूपीनेडा एवं सोलेक्सा सर्विसेज प्रा लि अयोध्या द्वारा संयुक्त रूप से किया गया मुख्य अतिथि के रूप में महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी वं रुदौली विधायक रामचंद्र यादव द्वारा फीता काटकर कैंप का शुभारंभ किया महापौर ने बताया अयोध्या में हर घर सोलर अभियान के तहत सब्सिडी का कार्यक्रम चलाया जा रहा है इसी क्रम सोलर प्लांट लगवाकर योजना का लाभ लिया और लोगों को सोलर लगवाने का आवाहन किया कैंप के आयोजक मैनेजिंग डायरेक्टर सोलेक्सा सर्विसेज प्रा लि जितेंद्र मणि द्विवेदी ने बताया कि अयोध्या में 500 घरों पर सोलर प्लांट लगा है जिसमें मेरी कंपनी सोलेक्सा द्वारा 250 से ज्यादा सोलर प्लांट लगाया गया है मुख्य विकास अधिकारी द्वारा जिले की अग्रणी कंपनी को पुरस्कार भी मिला है जिसके लिए हमें जिले में प्रथम स्थान भी प्राप्त हुआ है सरकार द्वारा अवार्ड भी मिला है और मंडल में भी सबसे ज्यादा सोलर प्लांट हम लोगो द्वारा किया गया है और लोगों से अपील है नए वर्ष पर नए संकल्प के साथ में राष्ट्रीय हित के लिए प्रदेश हित के लिए जिले के हित के लिए लोग ज्यादा से ज्यादा आगे आए और पीएम सूर्य घर मुक्ति योजना का लाभ उठाएं और राज्य सरकार द्वारा अनुदान का भी लाभ पाये इस अवसर पर कंपनी की तरफ से आशीष श्रवण मिश्रा विनय सिंह श्याम पूनम लक्ष्मी सुधाकर शैलेंद्र वसुधा फाउंडेशन दिल्ली तान्यता देवारति और संस्था के लोग उपस्थित रहे।

अयोध्या महोत्सव में हुआ प्रबुद्ध सम्मान समारोह

-शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वालों को किया गया सम्मानित

अयोध्या अयोध्या महोत्सव न्यास द्वारा आयोजित प्रबुद्ध सम्मान समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए कई व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में साकेत महाविद्यालय के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रोफेसर जे आर शुक्ला और न्यास के अध्यक्ष हरीश कुमार श्रीवास्तव उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में बीआरडीपीजी कॉलेज, देवरिया के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ वी के पाण्डेय और सम्मानित अतिथि के रूप में स्टेट रिसोर्स पर्सन डॉ अम्बिकेश त्रिपाठी ,अमित कुमार मिश्रा व अकादमिक रिसोर्स पर्सन के के त्रिपाठी उपस्थित थे।समारोह में अयोध्या गौरव सम्मान से सम्मानित होने वालों में रंजीत सिंह, कंपोजिट विद्यालय मांजगांव अमानीगंज, वंदना तिवारी मवई, पवन चौरसिया, मवई, पंकज द्विवेदी, सोहावल, आशीष यादव, रुदौली,शिप्रा श्रीवास्तव, नगर क्षेत्र, मानवेंद्र सिंह, अमानीगंज,अरविंद तिवारी, मसौधा, शिप्रा उपाध्याय, मसौधा,सतरूपा द्विवेदी, पूरा, सुभाष वर्मा, तारुन, सुधाकर पांडे, बीकापुर, डॉ विवेक सिंह, अमानीगंज शामिल है। प्रबुद्ध सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि डॉ जे आर शुक्ला ने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित व्यक्तियों को बधाई दी और उनकी मेहनत और समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही हमारे समाज की तरक्की का आधार है, और ऐसे व्यक्तियों को सम्मानित करना जो शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान कर रहे हैं, हमारे लिए गर्व की बात है। डॉक्टर जे आर शुक्ला ने यह भी कहा कि हमें अपने समाज में शिक्षा के महत्व को बढ़ावा देने के लिए काम करना चाहिए, ताकि हमारे बच्चे अच्छी शिक्षा प्राप्त कर सकें और अपने सपनों को पूरा कर सकें। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ वी के पाण्डेय ने अपने उद्बोधन में शिक्षा के महत्व पर जोर दिया और कहा कि शिक्षा ही हमारे समाज की तरक्की का आधार है। उन्होंने शिक्षकों की भूमिका को बहुत महत्वपूर्ण बताया और कहा कि शिक्षकों को अपने छात्रों को न केवल शैक्षिक ज्ञान प्रदान करना चाहिए, बल्कि उन्हें जीवन के मूल्यों और सिद्धांतों के बारे में भी सिखाना चाहिए। प्रबुद्ध सम्मान समारोह में न्यास अध्यक्ष हरीश कुमार श्रीवास्तव ने आये हुए शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षक समाज के निर्माता होते हैं और उनकी भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को अपने ज्ञान और अनुभव के माध्यम से छात्रों को सही दिशा में मार्गदर्शन करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि शिक्षकों को अपने छात्रों को न केवल शैक्षिक ज्ञान प्रदान करना चाहिए, बल्कि उन्हें जीवन के मूल्यों और सिद्धांतों के बारे में भी सिखाना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की भूमिका समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में बहुत महत्वपूर्ण होती है। डॉ. अम्बिकेश त्रिपाठी ने उक्त कार्यक्रम में राष्ट्रीय शिक्षा नीति को बेसिक शिक्षा विभाग से जोड़ते कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का उद्देश्य शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना और इसे अधिक समावेशी और समग्र बनाना है। उन्होंने कहा कि इस नीति के तहत, प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक, सभी स्तरों पर शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए कई कदम उठाए जाएंगे। उक्त कार्यक्रम का संयोजन न्यास की महासचिव ऋचा उपाध्याय ने और सफल संचालन न्यास के संगठन महासचिव अरुण कुमार द्विवेदी ने किया। उक्त सम्मान समारोह में शिक्षक अंजनी कुमार ओझा, श्रीप्रकाश पाठक, अमरेश कुमार, अजय कुमार, मित्रसेन यादव, चंद्रजीत ,शशि साहू, मनोरमा साहू, सुषमा गुप्ता, अर्चना गोस्वामी सहित अनेक गणमान्य शिक्षक उपस्थित रहे।

नव वर्ष पर निशानेबाजी प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

अयोध्या। नव वर्ष के अवसर पर अयोध्या के सिविल लाइन स्थित शूटिंग रेंज में निशानेबाजी प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता कोच शनि वर्मा के कुशल नेतृत्व में संपन्न हुई। प्रतियोगिता में भास्कर (71), राजवीर (81), सिद्धार्थ (76), ज्योत्सना (86), श्रेयांश (88) और आभा (67) ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। सभी प्रतिभागियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नई ऊर्जा और उमंग के साथ साल की शुरुआत की। कोच शनि वर्मा ने सभी प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करते हुए उपहार देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा,निशानेबाजी जैसे खेल न केवल शारीरिक क्षमता को बढ़ाते हैं, बल्कि मानसिक स्थिरता और आत्मविश्वास को भी मजबूती प्रदान करते हैं। ऐसे आयोजनों से युवाओं को प्रेरणा मिलती है।प्रतियोगिता के समापन पर उपस्थित दर्शकों ने सभी प्रतिभागियों की सराहना की और इस प्रकार के आयोजनों को निरंतर जारी रखने की मांग की।

समाजसेवी ने मनरेगा मजदूरों को वितरित किया कंबल

मिल्कीपुर–अयोध्या। मनरेगा मजदूरों को ठंड से बचाने के लिए मिल्कीपुर क्षेत्र स्थित ग्राम सभा किनौली के समाजसेवी ने दर्जनों मजदूरों को कंबल वितरित किया। ग्राम सभा किनौली स्थित काली माई के स्थान पर क्षेत्र के प्रसिद्ध समाजसेवी धर्मचंद यादव के द्वारा हाड़ कंपाऊ ठंड को देखते हुए मनरेगा मे काम कर रहे मजदूरों को कंबल का वितरण किया गया। कंबल पाकर मनरेगा मजदूरों की चेहरे खिल गए। समाजसेवी धर्मचंद यादव ने बताया कि दुखियों और दीनों के चेहरे पर मुस्कान लाना ही उनके जीवन का उद्देश्य है। कंबल वितरण के दौरान केदारनाथ, जंग बहादुर, ओमप्रकाश उर्फ गुड्डू ,सचिन यादव, आशीष यादव, राम सिंह यादव, श्री चंद यादव,विजयलक्ष्मी, श्रीमती, काजल ,साधना, श्रीदेवी, गीता, दया, सीमा, मोनी ,लक्ष्मी ,भारती ,राम लखन,सूर्यपाल राजेश चंद्र,शिव शंकर, रामपाल ,मनीराम ,सदानंद, सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद रहे।

पहाड़ पर स्थित प्राचीन मंदिर में चोरी की वारदात को अंजाम देकर चोरों ने पुलिस को दी नये साल की सलामी, भक्तों में आक्रोश

'मौके पर मिला चोरी में प्रयुक्तआरी ब्लेड

चोरी की वारदात के बाद चोर मौके पर अपना औजार ले जाना भूल गए थे। ग्रामीणों ने बताया है कि अज्ञात चोरों ने आरी प्रेम और ब्लेड मौके पर छोड़कर फरार हो गए। चोरी की घटना को लेकर ग्रामीणों में दहशत व्याप्त है। बता दें की प्राचीन ककोरे नाथ शिव मंदिर में चोरी की यह दूसरी घटना है। ग्रामीणों ने पुलिस पर सवालियां निशाना साधते हुए कहा कि पुलिस कहती है की मिलट्री कंपाउंड के पास लगातार गस्त की जा रही है, लेकिन ऐसे में पुलिस की रात्रि गश्त प्रणाली की कलई खुल रही है। देखना अब यह है कि पुलिस प्राचीन मंदिर में चोरी कि इस घटना का खुलासा करती है या यह फाइलों में ही दबकर रह जाता है।

मीरजापुर(एजेंसी)। जिले में मठ मंदिर भी चोरों के निशाने पर आ गएं है। चील्ह थाना क्षेत्र में मंदिर हुई चोरी की घटना के बाद चोरों ने एक और मंदिर को निशाना बनाते हुए की कीमती घंटों को उठा ले गए हैं जिनकी कीमत लाखों में आंकी गई है। दरअसल, जिले में कानून व्यवस्था को चुनौती देते हुए आएं दबंगों–मनबढ़ों के साथ अब चोरों ने भी पुलिस को नये साल की सलामी मंदिर में बड़ी वारदात को अंजाम देकर दे दी हैद्य मंदिर में चोरी की खबर होते ही ग्रामीणों में आक्रोश देखा जा रहा है तो वहीं पुलिस की रात्रि गश्त व्यवस्था को लेकर भी उंगलियां उठने लगी है।

जानकारी के मुताबिक मिर्जापुर जिले के लालगंज थाना व देहात कोतवाली क्षेत्र के करनपुर चौकी बॉर्डर के पास करनपुर पहाड़ी पर स्थित प्रसिद्ध ककोरे नाथ शिव मंदिर है। इस मंदिर से हजारों लोगों की आस्था जुड़ी हुई है तो वहीं मंदिर का काफी पुराना इतिहास भी होना बताया जा रहा है, अति प्राचीन होने के साथ ही साथ यह मंदिर पहाड़ पर स्थित हैद्य जहां मंगलवार–बुधवार की रात में अज्ञात आधा दर्जन हौसला बुलंद अज्ञात चोरों ने मंदिर के पुजारी को मारपीट कर पीतल के घंटे, जलहरी, मंजीरा व मंदिर के पुजारी का मोबाइल समेत नगदी इत्यादि उठा ले गए हैं। चोरी के संदर्भ में जानकारी देते हुए गांव के नागेंद्र सिंह ने बताया कि जागेश्वर बाबा मंदिर के पुजारी हैं। बीती देर रात आधा दर्जन की संख्या में पहुंचे अज्ञात चोरों ने बाबा को मारपीट कर बड़ा 6 घंटा, दो जलहरी, 4 जोड़ा मजीरा व बाबा का मोबाइल समेत ध्2500 नगदी उठा ले गए। सुबह होने पर चोरी की वारदात की खबर होते ही मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई थी। ग्रामीणों ने मंदिर में चोरी की घटना की जानकारी पुलिस को दिया।

टाटा सूमो में क्रूरता पूर्वक बांध कर वध के लिए ले जा रहे गोवंश के साथ तस्कर गिरफ्तार

मीरजापुर(एजेंसी)। विन्ध्याचल कोतवाली पुलिस द्वारा टाटा सूमो वाहन में क्रूरता पूर्वक बांध कर वध के लिए ले जाए जा रहे पांच गौ वंश के साथ तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक नगर व क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में बुधवार को थाना विन्ध्याचल पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना विन्ध्याचल क्षेत्रांतर्गत कठवईया पुल के पास से टाटा सूमो सवार गुड्डू अंसारी उर्फ गूड्डू सूपर पुत्र उस्मान गनी निवासी शिवरामपुर थाना चांद जनपद कैमुर (बिहार) को गिरफ्तार किया गया। बरामद वाहन टाटा सूमों में क्रूरता पूर्वक बाध कर वध के लिए ले जाए जा रह।

जरूरतमंद और गरीब व्यक्तियों को जिलाधिकारी ने दिया कंबल का संबल

मीरजापुर(एजेंसी)। कड़ाके की ठंड में ठिठुरते लोगों को अलाव (आग) और बदन पर गर्म कंबल का छांव यदि मिल जाए तो क्या पूछना होगा. नव वर्ष की पूर्व संध्या पर और आधी रात के बाद मिर्जापुर की जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने नगर के सड़कों पर घूमकर ठंड से ठिठुरते हुए लोगों को देखा तो गाड़ी से नीचे उतर आईं, ठंड से ठिठुरते लोगों के बीच बैठ डीएम ने उन्हें एक–एक कंबल ओढ़ाकर उनका कुशलक्षेम जाना और ठंड से बचाव करने की बात कहीं. इस दौरान जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने नगर पालिका परिषद को निर्देशित किया कि प्रमुख चौराहों, स्थलों रैन बसेरा के समीप अलाव की व्यवस्था हर हाल में सुनिश्चित किया जाए. इसमें किसी भी प्रकार कि लापरवाही नहीं होनी चाहिए. इसके पूर्व जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने नगर पालिका क्षेत्रांतर्गत संकट मोचन मंदिर के पास पहुंच कर जरूरतमंद व गरीब व्यक्तियों को कड़ाके की ठंड व शीतलहर से बचाव के दृष्टिगत कम्बल वितरण किया. उन्होंने बताया कि शासन के निर्देश के क्रम में निर्धारित रूपरेखा के तहत जरूरतमंद व गरीब लोगों को कम्बल प्रदान किया जा रहा है. जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद के सभी तहसीलों में उपजिलाधिकारी व राजस्व अधिकारियों द्वारा जरुरतमंद लोगों को कम्बल वितरण किया जा रहा है. जिलाधिकारी ने संकटमोचन, कचहरी पेट्रोल पम्प तिराहा पर अलाव का भी निरीक्षण किया, मौके पर उपस्थित अधिशासी अधिकारी नगर पालिका को निर्देशित किया कि अलाव के लिए भीड़–भाड़ वाले प्रत्येक चौराहों, रोडवेज, रेलवे आदि स्थानों पर पर्याप्त लकड़ी उपलब्ध कराई जाए, ताकि लोग ठंड से बचाव कर सकें. इस दौरान उपजिलाधिकारी सदर गुलाब चंद्र, जिला सूचना अधिकारी ओम प्रकाश उपाध्याय, तहसीलदार सदर, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका जी लाल के अलावा अन्य राजस्व कर्मी उपस्थित रहें. रात्रि के पहर जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने गरीब बुजुर्ग महिलाओं के बीच पहुंच जैसे ही उन्हें एक–एक करके कंबल ओढ़ाकर उनका कुशलक्षेम पूछा ही था कि सभी के मुख से एक ही शब्द फूंट पड़ें थें, वह थें श्जूग जूग जिईया ऐ बिटिया.., बनल रहें तोहार घर–परिवारश इन शब्दों के जरिए महिलाओं ने आशीर्वाद देते हुए डीएम प्रियंका निरंजन के प्रति आभार व्यक्त किया.

कच्ची शराब और उपकरण के साथ युवक गिरफ्तार

सोहावल–अयोध्या। रौनाही थाना क्षेत्र की पुलिस चौकी सत्तीचौरा क्षेत्र की पिरखौली ग्राम सभा में चौकी प्रभारी एस एन सिंह ने बन रही अवैध शराब के ठिकाने पर छापा मारा। मौके पर प्रयुक्त उपकरण 50 किलो लहन 10 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ श्याम पुत्र राम अवतार को गिरफ्तार कर जेल भेजा। इस सम्बन्ध में चौकी प्रभारी ने बताया कि बीती रात मुखबिर से आरोपी द्वारा अवैध शराब बनाए जाने की सूचना मिली। कांस्टेबल रविंद्र यादव संदीप रितिक राव के साथ मौके पर छापामारी के दौरान प्रयुक्त उपकरण शराब और लहन के साथ गिरफ्तार कर आबकारी अधिनियम के तहत युवक को जेल भेजा गया है।

सामाजिक कार्यकर्ता ने पुलिस कर्मियों के बीच मनाया नव वर्ष

मिल्कीपुर–अयोध्या। नगर पंचायत कुमारगंज अंतर्गत पिठला गांव निवासी सामाजिक कार्यकर्ता मनोज सिंह ने कुमारगंज थाना पहुंचकर पुलिस कर्मियों को अंग वस्त्र भेंट कर नव वर्ष मनाया और शुभकामनाएं प्रेषित की। उन्होंने बताया कि विगत कई वर्षों से हम पुलिस कर्मियों के बीच ही नववर्ष मानते हैं, उन्होंने पुलिस कर्मियों को उनकी सेवाओं के लिए धन्यवाद दिया उन्होंने कहा कि पुलिस 24 घंटे जनता की सेवा में तैनात रहती है, हम आराम से तभी सो पाते हैं, क्योंकि पुलिस हमारी सुरक्षा में जागती हैं। प्रभारी निरीक्षक अमरजीत सिंह ने नववर्ष पर लड्डू खिलाकर एक दूसरे का मुंह मीठा कराते हुए बधाई देते हुए कहा कि नववर्ष सभी लोगों का खुशियों से भरा रहे।

टेक्नोलॉजी को प्राथमिकता देने का समय, टैलेंट से ही निर्धारित होगी भविष्य की सफलता : गौतम अदाणी

अहमदाबाद ,02 जनवरी । अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने बुधवार को कहा कि हमारी असली चुनौती अपनी पूंजी को प्रभावी ढंग से तैनात करने की है और हमें उन दो टी को प्राथमिकता देनी चाहिए जो आज की दुनिया में सबसे बड़े डिफ्रेंशिएटर को तौर पर काम रहे हैं, वो हैं टेक्नोलॉजी और टैलेंट।

कंपनी के कर्मचारियों को अपने नववर्ष संदेश में गौतम अदाणी ने कहा कि हमारा ध्यान अपने लोगों की असीम क्षमता को अनलॉक करने पर है।

अदाणी ग्रुप के चेयरमैन ने कहा, सबसे पहले मैं टेक्नोलॉजी के बारे में बात करूंगा। आज के तेजी से विकसित हो रहे परिदृश्य में हर कंपनी को एक टेक्नोलॉजी कंपनी के रूप में सोचना और कार्य करना चाहिए या महत्वहीन होने का जोखिम उठाना चाहिए। प्रभावी ढंग से स्केलिंग के लिए केवल सॉफ्टवेयर टूल लागू करने से कहीं अधिक की आवश्यकता होती है। इसके लिए हमारे संगठन के मूल ढांचे में टेक्नोलॉजी फर्स्ट की मानसिकता को शामिल करना आवश्यक है।

गौतम अदाणी ने आगे कहा, यह वैकल्पिक नहीं है, बल्कि आवश्यक है और इसकी शुरुआत हमारे शीर्ष 100 लीडर्स द्वारा माहौल तय करने से होती है। हममें से हर एक को टेक्नोलॉजी रूप से कुशल होने के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए और यह किसी विशेष कार्य को पूरा करने के लिए नहीं, बल्कि सोचने के तरीके के रूप में भी है। आवश्यक होने की दौड़ में तकनीक ही रेसट्रैक है और नेतृत्व वह कदम है, जो सुनिश्चित करता है कि हम पहले स्थान पर रहें।

शीर्ष उद्योगपति ने इस बात पर जोर दिया कि परिवर्तन का समय हमारा इंतजार नहीं करते, बल्कि वे मांग करते हैं कि हम दूरदृष्टि, साहस और कार्य करने की इच्छाशक्ति के साथ उनका सामना करें।गौतम अदाणी ने कहा, एआई–संचालित दुनिया में भविष्य इस बारे में है कि हम कैसे काम करते हैं और अपने लक्ष्यों को कैसे प्राप्त करते हैं। मैं आप सभी को चुनौती देता हूं कि आप इनोवेशन करने और उत्कृष्टता के नए स्टैंडर्ड स्थापित करने के लिए टेक्नोलॉजी को एक लीवर के रूप में अपनाएं। आपका करियर विकास और हमारी सामूहिक सफलता इस पर निर्भर करती है।

टैलेंट के बारे में गौतम अदाणी ने कहा कि यह हमारे समय की सबसे बड़ी चुनौती है और यह हमारी दीर्घकालिक सफलता का निर्धारण करेगी।

टैलेंट केवल रिज्यूमे या क्रेडेंशियल्स नहीं है, बल्कि यह एडेप्ट, इनोवेशन और लीडरशीप है। इस वर्ष, हम इन–हाउस टैलेंट को पोषित करके सबसे पहले क्षमता का एक पावरहाउस बनाने की अपनी प्रतिबद्धता को दोगुना कर रहे हैं।

अदाणी समूह के चेयरमैन ने कहा, हमारा लक्ष्य प्रत्येक व्यक्ति की पूरी क्षमता को अनलॉक करना है। हम जो सबसे बड़ा निवेश कर सकते हैं, वह केवल सिस्टम या रणनीतियों में नहीं है, बल्कि हमारे लोगों की असीम क्षमता को अनलॉक करने में है, जो नेतृत्व करने और इनोवेशन करने का साहस करते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि समूह महत्वाकांक्षी युवा पेशेवरों को आकर्षित करने के लिए प्रमुख परिसरों में अपनी उपस्थिति को मजबूत कर रहा है, जो हमें भविष्य में आगे ले जाएंगे।गौतम अदाणी ने कहा, भर्ती से अलग, हम यह सुनिश्चित करने के लिए मजबूत इंजीनियरिंग और प्रबंधन कैरियर ट्रैक स्थापित कर रहे हैं कि सभी के पास एक्सीलेंस प्राप्त करने के लिए साधन हों। हम आपके लिए नेटवर्क बनाने, सहयोग करने और संबंध बनाने के अवसर भी बना रहे हैं, जो आपकी वृद्धि और सफलता को शक्ति प्रदान करेंगे।

रियलमी 14 प्रो सीरीज 5जी में होगा दुनिया का पहला ट्रिपल फ्लैश कैमरा

नई दिल्ली ,02 जनवरी । स्मार्टफोन कैमरे हमारे जीवन का अहम हिस्सा बन गए हैं। ये न केवल रोजमर्रा के पलों को कैद करने में मदद करते हैं, बल्कि खूबसूरत नजारों को संजोने का एक अनोखा तरीका भी देते हैं। हमारी जेब में मौजूद कैमरे की हमारे जीवन में भूमिका लगातार बढ़ती जा रही है।

स्मार्टफोन कैमरे की गुणवत्ता कुछ मुख्य तत्वों पर निर्भर करती है। इनमें कई चीजें शामिल हैं– जैसे उन्नत सेंसर, जो ज्यादा लाइट और डिटेल्स को पकड़ते हैं। उच्च गुणवत्ता वाले लेंस, जो तस्वीर को बेहतर बनाते हैं। नए फीचर्स, जो रचनात्मकता को बढ़ाते हैं और इंटेलिजेंट सॉफ्टवेयर, जो तस्वीर को अंतिम रूप से सुधारता है।स्मार्टफोन फोटोग्राफी में बेहतरीन शॉट की खोज लगातार नए आविष्कारों को जन्म देती है। यह हमें बेहतर कहानीकार बनने की ताकत भी देती है। रियलमी 14 प्रो सीरीज फाइव जी इसी फोटोग्राफी के जुनून का उदाहरण है।रियलमी 14 प्रो सीरीज फाइव जी का कैमरा सिस्टम सिर्फ फोटो खींचने के लिए नहीं, बल्कि एक नई तरह की कहानी कहने के लिए है। इस सिस्टम की खासियत है इसका ट्रिपल–रिफ्लेक्शन पेरिस्कोप टेलीफोटो लेंस, जो इस श्रेणी में बहुत कम देखने को मिलता है। यह लेंस लंबी दूरी की जूम के लिए एक अनोखी तकनीक का इस्तेमाल करता है, जिससे दूर की चीजें भी साफ और डिटेल्स के साथ कैप्चर होती हैं। इसके साथ ही, इसमें दुनिया का पहला मैजिक ग्लो ट्रिपल फ्लैश है। यह कोई साधारण फ्लैश नहीं, बल्कि एक पोर्टेबल प्रोफेशनल लाइटिंग सिस्टम है। इसकी ब्राइटनेस और कलर टेम्परेचर को समायोजित किया जा सकता है, जिससे किसी भी परिस्थिति में बेहतरीन लाइट मिलती है।चाहे आप किसी कम लाइट वाली पार्टी की हलचल को कैद कर रहे हों, या शाम के शांत सुंदर नजारे को, यह फ्लैश आपकी तस्वीरों को जीवंत और असली बनाता है।

रियलमी 14 प्रो फाइव जी का कैमरा सिस्टम इंजीनियरिंग का शानदार नमूना है। इसमें सोनी का 50 मेगापिक्सल ओआईएस सेंसर (आईएमएक्स 896) और ट्रिपल–रिफ्लेक्शन पेरिस्कोप लेंस है, जो 120ङ्ग सुपर जूम तक रेंज देता है। इस तकनीक की मदद से कैमरा का वजन 31त्न और आकार 20त्न तक कम हो गया है।

यह अनोखी तकनीक लाइट के मार्ग को फोल्ड करने के लिए मिरर का उपयोग करती है और आप लंबी दूरी से भी अद्भुत तस्वीर खींच सकते हैं। इससे कैमरा न केवल हल्का और पतला हो जाता है, बल्कि बेहतरीन फोटोग्राफी का अनुभव भी देता है।

मुख्य सेंसर और पेरिस्कोप लेंस के साथ 8 मेगापिक्सल का अल्ट्रा वाइड लेंस भी है, जो शानदार ग्रुप फोटो के लिए या किसी लैंडस्केप सीन के लिए बढ़िया और बड़ा व्यू प्रदान करता है। शक्तिशाली हार्डवेयर और अनोखे डिजाइन का यह संयोजन आपको आश्चर्यजनक डिटेल्स और विविधता को कैप्चर करने की अनुमति देता है, चाहे आप पास से शूट कर रहे हों या दूर से।

ट्रिपल फ्लैश सिस्टम इन लेंसों के साथ मिलकर काम करता है, जिससे चुनौतीपूर्ण लाइट की स्थिति में भी जीवंत और डिटेल्स फोटो सुनिश्चित होती हैं। वहीं, सेल्फी के लिए, 32 मेगापिक्सल ऑटोफोकस फ्रंट कैमरा एकदम क्लियर सेल्फ–पोर्ट्रेट की गारंटी देता है।अपने अनोखे कैमरा सिस्टम के साथ, रियलमी 14 प्रो सीरीज फाइव जी आपको शानदार दृश्यों के माध्यम से अपनी कहानी कहने की छूट देता है। यह आपकी रचनात्मकता का पता लगाने और दुनिया को एक नई लाइट में कैप्चर करने का निमंत्रण है।फोन की क्षमता के बारे में और अधिक अपडेट जानने के लिए बने रहें।

कैबिनेट ने किसानों के लिए डीएपी पर सब्सिडी की समयसीमा बढ़ाने को मंजूरी दी

नई दिल्ली ,02 जनवरी । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनट की बैठक ने बुधवार को किसानों को सस्ती कीमतों पर डीएपी की लगातार उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए 1 जनवरी, 2025 से अगले आदेश तक डाय–अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) पर एनबीएस सब्सिडी से अलग 3,500 रुपये प्रति मीट्रिक टन (एमटी) के एकमुश्त विशेष पैकेज के विस्तार के फर्टिलाइजर डिपार्टमेंट के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी।

कैबिनेट द्वारा जारी किए गए बयान में कहा गया कि इस फैसले से किसानों को सब्सिडी वाली, सस्ती और उचित कीमतों पर डीएपी की अधिक उपलब्धता सुनिश्चित होगी।

बयान में आगे कहा गया है कि किसानों को सस्ती कीमतों पर डीएपी फर्टिलाइजर की सुचारू उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए स्वीकृत एनबीएस सब्सिडी के अलावा 3,500 रुपये प्रति मीट्रिक टन की दर से डीएपी पर विशेष पैकेज 1 जनवरी, 2025 से अगले आदेश तक प्रदान किया जाएगा।

सरकार फर्टिलाइजर निर्माताओं और आयातकों के माध्यम से किसानों को सब्सिडी वाले मूल्यों पर पीएंडके फर्टिलाइजर के 28 ग्रेड उपलब्ध कराती हैं। पीएंडके फर्टिलाइजर पर सब्सिडी 1 अप्रैल, 2010 से एनबीएस योजना द्वारा दी जा रही है।

बयान में कहा गया है, किसानों के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए, भारत सरकार ने डाइ–अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) उर्वरक की कीमत को अपरिवर्तित रखते हुए किसानों को बड़ी राहत दी है।भू–राजनीतिक बाधाओं और वैश्विक बाजार स्थितियों की अस्थिरता के बावजूद, सरकार ने खरीफ और रबी 2024–25 के लिए किसानों को सस्ती कीमतों पर डीएपी की उपलब्धता सुनिश्चित करके किसान–हितैषी दृष्टिकोण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता बनाए रखी है।

जुलाई 2024 में कैबिनेट ने एनबीएस सब्सिडी से अलग डीएपी पर एकमुश्त विशेष पैकेज को 1 अप्रैल 2024 से 31 दिसंबर 2024 तक 3,500 रुपये प्रति मीट्रिक टन की दर से मंजूरी दी थी, जिसका अनुमानित वित्तीय लागत 2,625 करोड़ रुपये था।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, चालू सीजन में अब तक विभिन्न रबी फसलों के तहत देश में बोया गया कुल कृषि क्षेत्र बढ़कर 614.94 लाख हेक्टेयर हो गया है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 611.8 लाख हेक्टेयर था।

गेहूं की बुआई का रकबा पिछले साल की इसी अवधि के 313.00 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 319.74 लाख हेक्टेयर हो गया है, जिससे इस सीजन में अनाज का उत्पादन बढ़ने की उम्मीद है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार, सर्दियों की बारिश से भी फसल को लाभ मिलने की उम्मीद है।

दलहनों के तहत कुल रकबा 136.13 लाख हेक्टेयर बताया गया है, जबकि श्रीअन्न और मोटे अनाज के तहत 48.55 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में बुआई की गई है और तिलहन के तहत 96.15 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को कवर किया गया है।

कुल बुआई क्षेत्र में वृद्धि से आवश्यक खाद्य वस्तुओं के उत्पादन में वृद्धि होने की उम्मीद है और इससे अर्थव्यवस्था में महंगाई को कम करने में मदद मिलेगी।

भारत का कोयला उत्पादन दिसंबर 2024 में बढ़कर 97.94 मिलियन टन , 5.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज

नई दिल्ली ,02 जनवरी । कोयला मंत्रालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, भारत का कुल कोयला उत्पादन दिसंबर 2024 के दौरान 5.33 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज करते हुए 97.94 मिलियन टन (एमटी) पर पहुंच गया, जबकि पिछले साल इसी महीने यह 92.98 एमटी था।

कैप्टिव और दूसरी खदानों ने 18.95 एमटी उत्पादन किया, जो पिछले साल की इसी अवधि में 14. 62 एमटी की तुलना में 29.61 प्रतिशत की शानदार वृद्धि को दर्शाता है।

बयान में कहा गया है कि 24 दिसंबर तक क्यूमलेटिव कोयला उत्पादन में भी शानदार वृद्धि देखी गई, जो वित्त वर्ष 2024–25 में 726. 29 एमटी तक पहुंच गया, जबकि यह वित्त वर्ष 2023–24 की इसी अवधि के दौरान 684.45 एमटी था, जो 6.11 की वृद्धि दर्शाता है।

कोयला डिस्पैच के मामले में, 24 दिसंबर के आंकड़े बढ़कर 92. 59 मीट्रिक टन हो गए, जबकि दिसंबर 2023 में यह 87.06 मीट्रिक टन था, जो 6.36 प्रतिशत की वृद्धि दर है।

कैप्टिव और दूसरे खदानों से डिस्पैच 18.13 मीट्रिक टन रहा, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 31.83 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

इसके अतिरिक्त, दिसंबर 2024 तक क्यूमलेटिव कोयला डिस्पैच वित्त वर्ष 2024–25 में 750.75 मीट्रिक टन तक पहुंच गया, जबकि वित्त वर्ष 2023–24 में यह 711.07 मीट्रिक टन था, जो 5.58 प्रतिशत की शानदार वृद्धि दर्शाता है।

कोयला मंत्रालय ने कहा कि वह उत्पादन बढ़ाने और देश की बढ़ती ऊर्जा मांगों को पूरा करने के उद्देश्य से काम कर रहा है।

कोयला उत्पादन और डिस्पैच में लगातार वृद्धि से कोयले में आत्मनिर्भरता हासिल करने और आत्मनिर्भर भारत के विजन को पूरा करने में मदद मिलेगी।

घरेलू उत्पादन में वृद्धि के कारण वित्त वर्ष 2024–25 की अप्रैल–अक्टूबर अवधि के दौरान भारत का कोयला आयात 3.1 प्रतिशत घटकर 149.39 मिलियन टन (एमटी) रह गया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 154.17 मीट्रिक टन था।

कोयला मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है कि अप्रैल 2024 से अक्टूबर 2024 तक कोयला आधारित बिजली उत्पादन में पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 3.87 प्रतिशत की शानदार वृद्धि हुई है, लेकिन इसी अवधि के दौरान थर्मल पावर प्लांट द्वारा मिश्रण उद्देश्यों के लिए आयात में 19.5 प्रतिशत की कमी आई है।

अपना आखिरी टेस्ट खेल चुके रोहित शर्मा! सिडनी मैच से खुद को किया बाहर, बुमराह करेंगे कप्तानी

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि पांचवें टेस्ट की पूर्व संध्या पर जब फील्डिंग अभ्यास चल रहा था, तब कोच गंभीर ने बुमराह के साथ लंबी गहन बातचीत की थी। इस बीच, भारतीय कप्तान ने कुछ देर के लिए नेट्स पर बल्लेबाजी की और अभ्यास के लिए आने वाले आखिरी व्यक्ति थे

ऑस्ट्रेलिया में भारतीय क्रिकेट टीम को लेकर चल रहे विवाद के बीच, कई मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि कप्तान रोहित शर्मा को सिडनी में शुक्रवार से शुरू होने वाली बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के अंतिम मैच के लिए श्आरामश दिया जाएगा। उनकी अनुपस्थिति में, शीर्ष तेज गेंदबाज जसप्रित बुमराह टीम का नेतृत्व करेंगे, जिसका लक्ष्य श्रृंखला को बराबर करना और बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी को बरकरार रखना है। द इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक, भारतीय कप्तान ने पांचवें टेस्ट से बाहर हो गए हैं। उन्होंने मुख्य कोच गौतम गंभीर और मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर को अपने आश्चर्यजनक फैसले के बारे में सूचित किया, जिस पर दोनों सहमत हुए।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि पांचवें टेस्ट की पूर्व संध्या पर जब फील्डिंग अभ्यास चल रहा था, तब कोच गंभीर ने बुमराह के साथ लंबी गहन बातचीत की थी। इस बीच, भारतीय कप्तान ने कुछ देर के लिए नेट्स पर बल्लेबाजी की और अभ्यास के लिए आने वाले आखिरी व्यक्ति थे। वह नियमित स्लिप अभ्यास सत्र से भी चूक गए। अगर रोहित बाहर बैठते हैं, तो शुभमन गिल नंबर 3 पर प्लेइंग इलेवन में वापसी करेंगे। यशस्वी जसीवाल के साथ केएल राहुल ओपनिंग स्लॉट में वापस आएंगे। कार्ड में एक और बदलाव यह होगा कि प्रसिद्ध कृष्णा घायल आकाश दीप की जगह लेंगे, जो गुरुवार को श्रृंखला के समापन से बाहर हो गए थे।रोहित, जिन्होंने भारत के लिए 67 टेस्ट मैच खेले हैं, शायद दोबारा राष्ट्रीय टीम के लिए नहीं खेलेंगे। सूत्र ने बताया कि मेलबर्न में चौथा टेस्ट रोहित का टेस्ट क्रिकेट में आखिरी टेस्ट हो सकता है। जब तक बीसीसीआई हस्तक्षेप नहीं करता और उनसे आखिरी बार खेलने का अनुरोध नहीं करता, तब तक निर्णय बदलने की संभावना नहीं है। रोहित शर्मा सिडनी में टेस्ट मैच से पहले भारत के अंतिम प्रशिक्षण सत्र में केवल एक अतिथि भूमिका में दिखे। बड़े मैच की पूर्व संध्या पर, रोहित को कोचों से बात करते हुए देखा गया, जिसमें मुख्य कोच गौतम गंभीर और बुमराह भी शामिल थे। उन्होंने अपने साथियों के पहले बैच के साथ नेट्स पर प्रशिक्षण नहीं लिया, जिसमें विराट कोहली, शुभमन गिल, केएल राहुल और यशस्वी जयसवाल शामिल थे। वह कैशिंग अभ्यास सत्र के दौरान स्लिप कॉर्डन से अनुपस्थित थे। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए, भारत के पूर्व क्रिकेटर और 1983 विश्व कप विजेता मदन लाल ने कहा कि पांचवें टेस्ट में रोहित शर्मा को बाहर करना टीम प्रबंधन का एक अच्छा निर्णय है।

गौतम गंभीर की होगी छुट्टी! BCCI ने दिया 66 दिनों का अल्टीमेटम

हेड कोच गौतम गंभीर पर उठ रहे हैं क्योंकि 10 साल के बाद उन्हीं की कोचिंग में भारतीय टीम बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी में जीत दर्ज नहीं कर पाएगी। इससे पहले गंभीर के अंडर ही भारतीय टीम 27 साल में पहली बार श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज हारी थी। वहीं न्यूजीलैंड हाल ही

में भारत को उसी के घर पर टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप करने वाली टीम बनी थी।कई दिनों से टीम इंडिया के अंदर आपसी फूट का विषय खूब चर्चा में है। सबसे ज्यादा हेड कोच गौतम गंभीर पर उठ रहे हैं क्योंकि 10 साल के बाद उन्हीं की कोचिंग में भारतीय टीम बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी में जीत दर्ज नहीं कर पाएगी। इससे पहले गंभीर के अंडर ही भारतीय टीम 27 साल में पहली बार श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज हारी थी। वहीं न्यूजीलैंड हाल ही में भारत को उसी के घर पर टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप करने वाली टीम बनी थी। अब एक रिपोर्ट अनुसार गंभीर के पास खुद को साबित करने के लिए सिर्फ 66 दिन बचे हुए हैं। इस खराब कोचिंग रिकॉर्ड के बीच च्ज् के हवाले से ठब्ब् के एक सूत्र ने बताया है कि अगर चौंपियंस ट्रॉफी तक टीम इंडिया के प्रदर्शन में सुधार नहीं होता है तो गंभीर को हेड कोच पद से हटाया भी जा सकता है। सूत्र ने बताया कि, अभी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक टेस्ट मैच खेला जाना है और फिर चौंपियंस ट्रॉफी खेली जाएगी। अगर तब तक भारतीय टीम के प्रदर्शन में सुधार नहीं आता है तो गंभीर का हेड कोच पद भी सुरक्षित नहीं रहेगा।

चौंपियंस ट्रॉफी का शेड्यूल सामने आ चुका है, जिसकी शुरुआत 19 फरवरी को होगी और फाइनल 9 मार्च को खेला जाएगा। भारतीय टीम के सारे मैच हाइब्रिड मॉडल के तहत दुबई में खेले जाएंगे, वहीं अन्य टीमों के मैच पाकिस्तान में खेले जाएंगे।

हरे निशान पर खुला शेयर बाजार, जानिए कौन से शेयर चढ़े और कौन से फिसले

मुंबई ,02 जनवरी । भारतीय शेयर बाजार आज गुरुवार को बढ़त के साथ खुला है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सूचकांक सेंसेक्स आज 150 अंक की बढ़त लेकर 78,657. 52 पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह 278 अंक की तेजी के साथ 78,791 पर ट्रेड करता दिखाई दिया। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 23 शेयर हरे निशान पर और 7 शेयर लाल निशान पर ट्रेड करते दिखे। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का सूचकांक निफ्टी आज 0.31 फीसदी या 73 अंक की तेजी के साथ 23,816 पर ट्रेड करता दिखा। शुरुआती कारोबार में निफ्टी के 50 शेयरों में से 32 शेयर हरे निशान पर, 17 शेयर लाल निशान पर और एक शेयर बिना किसी बदलाव के साथ ट्रेड करता दिखा।

निफ्टी के शेयरों का हाल

निफ्टी पैक के शेयरों में सबसे अधिक तेजी बजाज फाइनेंस में 3. 12 फीसदी, बजाज फिनसर्व में 1.95 फीसदी, कोटक बैंक में 1.64 फीसदी, ओएनजीसी में 1.44 फीसदी और इन्फोसिस में 1.41 फीसदी की दिखी। वहीं, सबसे अधिक गिरावट एनटीपीसी में 0.82 फीसदी, ब्रिटानिया में 0.75 फीसदी, सनफार्मा में 0.70 फीसदी, टाटा कंज्यूमर में 0.54 फीसदी और अडानी एंटरप्राइजेज में 0.49 फीसदी देखने को मिली।

सेक्टोरल सूचकांकों का हाल

सेक्टोरल सूचकांको की बात करें, तो सबसे अधिक तेजी निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज एक्स–बैंक में 1.06 फीसदी दर्ज हुई। इसके अलावा, निफ्टी मिडस्मॉल आईटी एंड टेलीकॉम में 0.51 फीसदी, निफ्टी मिडस्मॉल फाइनेंशियल सर्विसेज में 0.22 फीसदी, निफ्टी ऑयल एंड गैस में 0.18 फीसदी, निफ्टी प्राइवेट बैंक में 0.30 फीसदी, निफ्टी मीडिया में 0.13 फीसदी, निफ्टी आईटी में 0.98 फीसदी, निफ्टी ऑटो में 0.35 फीसदी और निफ्टी बैंक में 0.09 फीसदी की तेजी दिखी। इससे इतर निफ्टी एफएमसीजी में 0.03 फीसदी, निफ्टी मेटल में 0.01 फीसदी, निफ्टी फार्मा में 0.51 फीसदी, निफ्टी पीएसयू बैंक में 0.26 फीसदी, निफ्टी रियल्टी में 0. 30 फीसदी, निफ्टी हेल्थकेयर इंडेक्स में 0.49 फीसदी, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में 0.20 फीसदी और निफ्टी मिडस्मॉल हेल्थकेयर में 0.34 फीसदी की गिरावट दिखी।

सिडनी टेस्ट से पहले कंगारू टीम के कप्तान पैट कमिंस ने खेला माइंड गेम, जसप्रीत बुमराह के लिए कही ये बात

बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 2–1 से अजेय बढ़त बना ली है। पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का आखिरी टेस्ट मैच सिडनी में 3 फरवरी से खेला जाएगा। वहीं कंगारू टीम भले ही सीरीज में 2–1 से आगे हो लेकिन कप्तान पैट कमिंस ने साफ कर दिय है कि सिडनी टेस्ट में इससे टीम की एनर्जी पर कोई असर नहीं पड़ेगा और उनकी टीम 3–1 से जीतने के इरादे से उतरेगी। ऑस्ट्रेलिया ने 10 साल के बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉपी पर हाथ नहीं लगाया है लेकिन अगर सिडनी टेस्ट ड्रॉ कराती है या फिर जीतती है तो ट्रॉफी पर उसका कब्जा हो जाएगा। जबिक भारत को जीत मिली तो सीरीज 2–2 से बराबर पर छूटेगी और मेहमान होने के नाते ट्रॉफी भारत के कब्जे में ही रहेगी। ऑस्ट्रेलिया ने बॉक्सिंग डे टेस्ट 184 रन से जीतकर 2014–15 के बाद बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी जीतने की ओर कदम बढ़ा दिया है। कमिंस ने कहा कि, सीरीज में आगे होना अच्छा रहता है। आप हर टेस्ट मैच जीत के इरादे से ही खेलते हैं और यहां भी कुछ अलग नहीं है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन टेस्ट में टीम के प्रदर्शन से मैं बहुत खुश हूं। हमने दिखा दिया कि हम जीत के प्रबल दावेदार हैं और इस हफ्ते भी हमारा लक्ष्य जीतना ही है। उन्होंने स्वीकार किया कि टीम के सामने कुछ मसले हैं।

उन्होंने कहा कि, इसमें कोई शक नहीं कि कुछ मौकों पर हम और रन बनाना चाहते थे। मेलबर्न में पिछले टेस्ट में हमें 400–500 रन की बढ़त लेनी चाहिए थी। हम इतनी अच्छी स्थिति में थे, लेकिन यही टेस्ट क्रिकेट है। कमिंस ने कहा कि सिडनी क्रिकेट ग्राउंड की पिच पारंपरिक पिच से अलग है जिस पर स्पिनरों और बल्लेबाजों को मदद मिलती है। साथ ही उन्होंने कहा कि, ये एससीजी की पारंपरिक पिच से अलग है। इस साल यहां शेफील्ड शील्ड के दो मैच अच्छे रहे और टीमें विकेट से खुश थीं। इससे गेंदबाजों को मदद मिलेगी और बल्लेबाज भी रन बना सकेंगे। कुछ समय इस पर बल्लेबाजी आसान होगी तो आखिर में ये स्पिनरों की मददगार रहेगी। मैंने यहां कुछ टेस्ट खेले हैं लेकिन बाकी वनडे ही खेले हैं तो मैं कोई स्पेशलिस्ट नहीं हूं।

नंदा ने बिना शादी मनमोहन से प्यार का रिश्ता निभाया

C,लीवुड में अक्सर बनते बिगड़ते रिश्ते सुर्खियों में रहते हैं। कभी एक्टर्स के अफेयर सुर्खियां बटोरते हैं तो कभी उनके ब्रेकअप की चर्चा होती है। लेकिन हिंदी सिनेमा में एक ऐसी अदाकारा भी थीं जिनका प्यार मिसाल बन गया। इस एक्ट्रेस की जिंदगी में प्यार ने दस्तक तो दी लेकिन उनकी खुशियों को किसी की नजर लग गई। शादी के पहले ही एक्ट्रेस के प्रेमी की मौत हो गई। पर उसके बाद प्यार खत्म नहीं हुआ बल्कि उन्होंने पूरी जिंदगी विधवा की तरह सफेद साड़ी पहनकर गुजर दी। अगर आप नहीं समझ पा रहे हैं तो आपको बता दें कि ये और कोई नहीं बल्कि एक्ट्रेस नंदा थीं।

नंदा ने बॉलीवुड में 30 सालों तक राज किया है। महज साल की उम्र में डेब्यू किया। आपको बता दें की फिल्मों की दुनिया में बेशुमार सफलता हासिल करने के बावजूद नंदा की जिंदगी उतार–चढ़ाव भरी रही। काम पर ध्यान बनाए रखने के लिए नंदा हमेशा प्यार और रिलेशनशिप से दूर भागती रहीं, लेकिन फिर एक शख्स की उनके दिल में दस्तक हुई और प्यार हो गया। ये शख्स और कोई नहीं बल्कि डायरेक्टर मनमोहन देसाई थे। कहा जाता है कि मनमोहन देसाई नंदा से मन ही मन बेहद प्यार करते थे लेकिन कभी खुलकर उन्होंने अपने प्यार का इजहार नहीं किया। बॉलीवुड के गलियारों में उस वक्त ये किस्सा मशहूर था कि मनमोहन देसाई ने जीवन प्रभा से शादी ही सिर्फ इसलिए की थी क्योंकि वो नंदा जैसी दिखती थीं। हालांकि कुछ समय बाद मनमोहन देसाई की पत्नी की मौत हो गई और नंदा से उनकी नजदीकी बढ़ने लगी। इस बार दोनों का रिश्ता मुकम्मल होता नजर आया और दोनों ने सगाई कर ली, लेकिन सगाई के 2 साल बाद ही मनमोहन देसाई की अपने घर की बालकनी से गिरकर मौत हो गई जिससे नंदा पूरी तरह टूट गई थीं। बिना शादी के ही नंदा ने मनमोहन देसाई की विधवा बनकर रहने का फैसला किया। खबरों के मुताबिक इस हादसे के बाद वैसे तो नंदा काम ही बाहर निकलती थीं लेकिन जब भी कहीं जाती थी तो सफेद रंग की शादी साड़ी पहने उनको देखा गया। साल 2014 में नंदा ने दुनिया को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया। ¼fgQh½

गेम चेंजर से राम चरण की नई झलक आई सामने, आज रिलीज होगा ट्रेलर

दक्षिण भारतीय सिनेमा के जाने–माने अभिनेता राम चरण काफी समय से अपनी आगामी फिल्म गेम चेंजर को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इस फिल्म में उनकी जोड़ी अभिनेत्री कियारा आडवाणी के साथ बनी है।अब नए साल के पहले दिन निर्माताओं ने दर्शकों को बड़ा तोहफा दिया है। दरअसल, गेम चेंजर से राम चरण की नई सामने आ चुकी है, जिसमें उनका धांसू अवतार दिख रहा है।इसके साथ निर्माताओं ने बताया कि फिल्म का ट्रेलर कब रिलीज होगा।गेम चेंजर का ट्रेलर कल यानी 2 जनवरी, 2025 को शाम 5रू04 बजे रिलीज किया जाएगा। निर्माताओं ने इसकी घोषणा करते हुए लिखा, साल की धमाकेदार शुरुआत। गेम चेंजर का ट्रेलर कल आ रहा है।फिल्म का निर्देशन शंकर कर रहे हैं। दिल राजू इसके निर्माता हैं। विनय विद्या राम के बाद यह कियारा–राम चरण के बीच दूसरा सहयोग है।फिल्म 10 जनवरी, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बॉक्स ऑफिस पर इसका सामना सोनू सूद की फतेह से होगा।श्री वेंकटेश्वर क्रिएशंस के तहत दिल राजू द्वारा निर्मित, गेम चेंजर में थमन एस द्वारा रचित संगीत है, जो एक शक्तिशाली साउंडट्रैक सुनिश्चित करता है। जैसे–जैसे रिलीज की तारीख नजदीक आ रही है, उत्साह बढ़ता जा रहा है। अपने शानदार कलाकारों, दूरदर्शी निर्देशन और आकर्षक कहानी के साथ, गेम चेंजर 2025 की सबसे बड़ी रिलीज में से एक बनने के लिए तैयार है।उलटी गिनती शुरू होते ही अपडेट के लिए बने रहें। शंकर शनमुगम द्वारा निर्देशित राम चरण और कियारा आडवाणी अभिनीत गेम चेंजर का जादू देखें। मनोरंजन, सामाजिक प्रासंगिकता और सिनेमाई उत्कृष्टता के साथ, गेम चेंजर बॉक्स–ऑफिस पर प्रभाव पैदा करने के लिए तैयार है।

भाग्यश्री का पीछा करते रहते थे सलमान

C,लीवुड एक्ट्रेस भाग्यश्री ने साल 1989 में 'मैंने प्यार किया' से अपने करियर की शुरुआत की थी। फिल्म की सक्सेस के बाद वह रातोंरात स्टार बन गई थीं। 'मैंने प्यार किया' बतौर लीड रोल सलमान खान की पहली फिल्म थी। हाल ही में भाग्यश्री ने बताया कि 'दिल दीवाना' गाने की शूटिंग के दौरान उन्हें लगा कि सलमान खान उनके साथ फ्लर्ट कर रहे थे। खैर, तुरंत उन्हें एहसास हुआ कि ऐसा कुछ भी नहीं है।

यूट्यूब चैनल को दिए इंटरव्यू में भाग्यश्री ने बताया कि एक दिन सलमान उनके पास आए और बगल में बैठकर गाना गाने लगे। वह सेट पर हमेशा बहुत जेंटलमैन और मेरे लिए बहुत अच्छे रहे थे, इसलिए मैं समझ नहीं पाई। यह फ्लर्ट करने की लिमिट को पार करने जैसा लग रहा था और मैंने सोचा कि वह ऐसा क्यों कर रहे हैं?' भाग्यश्री ने कहा, 'वह मेरे पीछे–पीछे घूमते रहते थे और गाना गाते थे। मैं सोचती थी कि यह क्या हो रहा है? आखिरकार, उन्होंने मुझे एक तरफ ले जाकर कहा कि मुझे पता है कि तुम किससे प्यार करती हो।' हालांकि, जैसे ही भाग्यश्री ने सलमान से पूछा कि उन्हें क्या पता है, तब एक्टर ने उनके बॉयफ्रेंड हिमालय का नाम लिया। उन्होंने कहा, 'मुझे हिमालय के बारे में पता है। क्यों न तुम उन्हें यहां बुला लो? मैं सोचने लगी, हे भगवान! यह कैसे हो सकता है।'

भाग्यश्री और हिमालय 'मैंने प्यार किया' की शूटिंग के दौरान एक–दूसरे को डेट कर रहे थे और फिल्म रिलीज होने के तुरंत बाद 1990 में उन्होंने शादी कर ली। इस बारे में बात करते हुए भाग्यश्री ने बताया कि जब परिवार ने उनकी शादी में शामिल होने से मना कर दिया था, तब सलमान और डायरेक्टर सूरज बड़जात्या ने उनका साथ दिया था। ¼fgQh½

2024 के बाद सीरत कपूर एक केंद्रित 2025 के लिए पूरी तरह तैयार हैं

जैसे ही नया साल शुरू हुआ, अभिनेत्री सीरत कपूर ने पिछले साल पर विचार करते हुए अपनी आगामी योजनाओं को साझा किया। अपनी प्रतिभा, दृढ़ता और गरिमा के लिए जानी जाने वाली सीरत ने 2024 में मिले अनुभवों और अवसरों के लिए गहरी कृतज्ञता व्यक्त की। हालांकि, वह अपनी उपलब्धियों पर रुकने वाली नहीं हैं।

बहुमुखी अभिनेत्री ने 2025 को और भी प्रभावशाली बनाने के लिए समग्र विकासकृ शारीरिक और मानसिक दोनोंकृपर ध्यान केंद्रित करने का निश्चय किया है। उन्होंने अपने प्रशंसकों को अपनी प्रेरणा और समर्थन का सबसे बड़ा स्रोत माना है। 2025 की अपनी दृष्टि पर बोलते हुए, सीरत कहती हैं, 2025 मेरे लिए और भी प्रेरणादायक और फलदायी होगा।

इस साल मेरा ध्यान स्पष्ट हैकृमैं और कड़ी मेहनत करना चाहती हूं, निरंतर विकास करना चाहती हूं और अपने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना चाहती हूं। अपने पेशेवर लक्ष्यों और व्यक्तिगत कल्याण के बीच संतुलन बनाए रखना मेरे लिए महत्वपूर्ण है और मैं आने वाली चुनौतियों के लिए तैयार हूं।

सीरत कपूर 2025 में एक नई सोच और ट्रांसफॉर्मेटिव दृष्टिकोण के साथ कदम रख रही हैं। अभिनेत्री ने अपने करियर को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की योजना बनाई है। स्व–देखभाल उनके लिए अनिवार्य है। 2024 सीरत के लिए व्यस्त और चुनौतीपूर्ण वर्ष रहा, जिसमें उन्होंने ऐसे प्रोजेक्ट्स किए जो न केवल एक कलाकार के रूप में उनकी क्षमताओं को परखा, बल्कि उनके प्रशंसकों के साथ उनके जुड़ाव को और भी मजबूत किया।

जैसे ही वह आने वाले साल के लिए अपनी योजनाओं को आकार देती हैं, सीरत भविष्य के अफसरों के प्रति आशान्वित हैं। वह मेहनत करने, नए प्रतिमानों को तोड़ने और एक व्यक्ति और कलाकार के रूप में निरंतर विकसित होने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। अपने दिल से लिखे गए संदेश को समाप्त करते हुए, सीरत अपने प्रशंसकों और शुभचिंतकों के लिए शुभकामनाएं देते हैं।

आप सभी को नए साल की हार्दिक शुभकामनाएं। भगवान आपको और आपके प्रियजनों को खुशियों और अच्छे स्वास्थ्य से आशीर्वाद दें। आइए, 2025 को एक यादगार वर्ष बनाएं! अपनी जमीन से जुड़ी सोच और अटूट प्रतिबद्धता के साथ, सीरत कपूर नए साल को जीतने और दूसरों को प्रेरित करने के लिए तैयार हैं। आइए, 2025 के लिए उनकी और हमारी सफलता का जश्न मनाएं!

गायिका शिवाश्री की मोदी ने की थी तारीफ

C,लीवुड से टॉलीवुड तक आपने कई लव स्टोरीज को सुना होगा। सिंगर्स से लेकर स्टार्स तक अपनी–अपनी लव स्टोरी है, जिनको लोग खूब चटकारों के साथ पढ़ते हैं। बॉलीवुड की कई हसीनाएं हैं, जिनका दिल नेताओं पर आया और फिर शादी कर सुखी घर–संसार बसा लिया। एक बेहद शानदार सिंगर का दिल बीजेपी के एक हैंडसम सांसद पर आ गया है। दिल ऐसा आया कि उन्होंने फैसला कर लिया और उन्हें ही वो जीवनसाथी बनाएंगी। ये वो सिंगर हैं जिनकी तारीफों के पुल देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी बांध चुके हैं। बात कर रहे हैं चेन्नई की प्रसिद्ध कर्नाटिक सिंगर शिवाश्री स्कंदप्रसाद की। शिवाश्री स्कंदप्रसाद को पहले देशभर के लोग नहीं जानते थे। लेकिन साल 2014 में पीएम मोदी ने एक पोस्ट क्या किया कि उनकी गायकी की देशभर में बातें होने लगी। शिवाश्री इन दिनों अपनी सिंगिग के साथ लवलाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। शिवाश्री का दिल बीजेपी सांसद तेजस्वी सूर्या पर आ गया है और दोनों इसी साल मार्च में शादी करने जा रहे हैं। खबरों के मुताबिक, बीजेपी सांसद तेजस्वी सूर्या और शिवाश्री स्कंदप्रसाद की शादी बेंगलुरु में होने वाली है। हालांकि, दोनों ने आधिकारिक रूप से शादी की घोषणा नहीं की है, लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह शादी मार्च 2025 में एक भव्य समारोह में होगी। शिवाश्री ने सास्त्र यूनिवर्सिटी से बायोइंजीनियरिंग में ग्रेजुएशन किया है। उन्होंने चेन्नई यूनिवर्सिटी से भरतनाट्यम में एमए और मद्रास संस्कृत कॉलेज से संस्कृत में एमए की डिग्री भी प्राप्त की है। शिवाश्री एक प्रसिद्ध कर्नाटिक गायिका हैं और उन्होंने न केवल चेन्नई में बल्कि पूरे भारत में प्रमुख कार्यक्रमों में प्रदर्शन किया है। साल 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उनके गाए गीत की प्रशंसा के बाद वह रातोंरात सुर्खियों में आ गई थीं। उन्होंने कन्नड़ भाषा में एक भक्ति गीत गाया था,।

आफ शोल्डर ड्रेस में साउथ की हसीना मालविका मोहनन ने ढाया कहर, एक्ट्रेस की हाटनेस देख दिल हार गए फैंस

साउथ एक्ट्रेस मालविका मोहनन आए दिन अपने ग्लैमरस और बोल्ड लुक्स से सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटौरती रहती हैं। उनका बोल्ड और कातिलाना अवतार इंटरनेट पर आते ही ट्रेंड करने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं, जिसमें उनका गॉर्जियस लुक देखकर फैंस एक बार फिर से उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थक रहे हैं।

तमिल सिनेमा की पॉपुलर एक्ट्रेस मालविका मोहनन अपने शानदार और ग्लैमरस लुक्स के लिए जानी जाती हैं। उनका हर एक अंदाज इंटरनेट पर आते ही ट्रेंड करने लगता है।

अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।

एक्ट्रेस मालविका मोहनन ने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान व्हाइट कलर का बॉडीकॉन आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक किलर पोज दे रही हैं।

खुले बाल, कानों में इयररिंग्स और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस मालविका मोहनन ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।

बता दें कि एक्ट्रेस को फिल्म युध्रा में देखा गया था। इस फिल्म में एक्ट्रेस ने अहम किरदार निभाया था। दर्शकों ने इस मूवी में उनकी एक्टिंग को भी काफी पसंद किया था।मालविका मोहनन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।

किसी भी गरीब की ठंड से ना हो मौत

सुलतानपुर। शीतलहरी व सर्द हवाओ कड़कती ठंड को देखते हुए अमहट चौराहा अस्पताल रोड गोलाघाट दीवानी चौराहा पंत स्टेडियम पयागीपुर जिला अस्पताल बस स्टॉप आदि जगहों पर बुधवार देर रात ठंड से परेशान गरीब असहाय निर्धन लोगों को शियाने हैदरए कर्रार वेलफेयर एसोसिएशन नें देर रात इन जगहों पर सोए हुए लोगों के बीच पहुंचकर कंबल खाना पानी गर्म कपड़े वितरण किया।

शियाने हैदर ए कर्रार वेलफेयर एसोसिएशन' के नौजावानो का मिशन ठंड को देखते हुवे 1 जनवरी 2025 से 30 जानवरी 2025 तक एक महीने का मिशन जरुरत मंद को कंबल गर्म कपड़े और खाने की व्यवस्था कराई जाएगी रात को 9 बजे से लेकर 11 बजे रात तक संस्था के नौजवान टहलकर जरूरतमंदों की जरूरत को पूरा करते रहेगे ताकि ठंड की वजह से किसी की मृत्यु ना हो इस मौके पर डॉ मोहतशम रज़ा हैदर नकवी अली जाफरी दिलशाद हुसैन फजल रिज़वी नुरुल हसन इमरान हुसैन नायब हैदर सफ़दर. हसनैन गोलू अफ़रोज़ हैदर रमीज़ अब्बास अकबर रज़ा आदि लोग मौजूद रहे। यह जानकारी शियाने हैदर ए कर्रार वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष अलमदार हुसैन ने दी

कृषि विशेषज्ञ ने किया अपना

14 वां स्वैच्छिक रक्तदान

सुल्तानपुर। कादीपुर के अखण्ड नगर विकास खण्ड के जय ज्ञान नगर उनुरखा निवासी .षि विशेषज्ञ ज्ञानचन्द्र तिवारी ने नव वर्ष 2025 के आगमन पर बुधवार को जिला अस्पताल सुलतानपुर में अपने जीवन का 14 वां स्वैच्छिक रक्तदान करते हुए समाज को रक्तदान के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान से बढ़कर कोई दान नहीं है, रक्तदान करने से भावनात्मक और शारीरिक दोनों स्वास्थ्य को लाभ होता है। नियमित रक्तदान से नकारात्मक भावनाओं से भी छुटकारा मिलती है। .षि विशेषज्ञ ने कहा कि अगर आप स्वस्थ हैं तो आपको भी रक्तदान करना चाहिए क्योंकि आपके द्वारा किए गए रक्तदान से किसी भी जरूरतमंद की मदद हो सकती है। उन्होंने कहा कि यह हमारा 14 वां रक्तदान है और आगे भी हम समय समय पर जरूरत मंद की मदद के लिए यह पुण्य कार्य करते रहेगें। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया है कि वे इस पुण्य कार्य में आगे आएं और बिना सोचे जरूरत मंद के लिए अपना स्वैच्छिक रक्तदान जरूर करें रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं।

कटसारी की टीम ने प्रयागराज को हराया

सुलतानपुर। तहसील कादीपुर के प्रांगण जूनियर हाई स्कूल में आज राज्य स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट खेल का तीसरा दिन रहा। जिसमें दूसरा मैच बहुत ही रोमांचक रहा दूसरे मैच में प्रयागराज और स्थानीय कटसारी की टीम का आमना–सामना हुआ जिसमें पहले बल्लेबाजी करते हुए प्रयागराज की टीम ने 100 रन बनाए 12 ओवर में जिसमें कटसारी की टीम से बोलिंग करते हुए सबसे ज्यादा विकेट संपूर्णानंद मिश्र ने लिया और दूसरी पारी में बैटिंग करते हुए संपूर्णानंद मिश्रा ने अपनी टीम के लिए 55 नाबाद रन जोड़े जिससे टीम विजई हो गई और संपूर्णानंद मिश्र मैन ऑफ द मैच रहे। इस तरह आज क्रिकेट खेल का तीसरा दिन था। तीसरे दिन के खेल के दूसरे मैच में आज कटसारी टीम के खिलाड़ी संपूर्णानंद मिश्र

को इनाम के तौर पर हजारों रुपए मिले इस तरह आज के मैच को हजारों लोगों ने देखा और क्रिकेट खेल का आनंद उठाया। सम्पूर्णानंद मिश्रा को मैंन आफ द मैच का इनाम चल रहे क्रिकेट मैच के संरक्षक पूर्व चेयरमैन कादीपुर भाई प्रभुराज सिंह ने अपने हाथों से दिया।

थाना समाधान दिवस हेतु जनवरी से मार्च तक के लिए जारी किया गया रोस्टर

कुशीनगर,। जिला प्रशासन ने जन समस्याओं के निराकरण हेतु प्रत्येक माह के द्वितीय एवं चतुर्थ शनिवार को प्रातः 10 बजे से अपराहन 2 बजे तक के मध्य थाना दिवस, समाधान दिवस का आयोजन किये जाने संबंधी रोस्टर जारी किया है।

उक्त जानकारी जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया है कि प्रत्येक माह के द्वितीय एवं चतुर्थ शनिवार को आयोजित होने वाले समाधान दिवस, थाना दिवस माह जनवरी 2025 से मार्च 2025 तक का समाधान दिवस का रोस्टर तैयार किया गया है। जिसके क्रम में समाधान दिवस, थाना दिवस पर थाना कार्य क्षेत्र में आने वाले सभी राजस्व थानों के राजस्व, चकबन्दी विभाग के कर्मचारी, पुलिस विभाग के सभी निरीक्षक व उप निरीक्षक, विकास विभागों व विद्युत विभाग एवं नगरीय क्षेत्रों में नगर पालिका, नगर पंचायत से सम्बन्धित कर्मचारी, अधिकारी भी मौजूद रहेंगे। सभी विभागों के सम्बन्धित अधिकारी थाना दिवस प्रारम्भ होने के समय प्रातः 10 बजे अनिवार्य रूप से उपस्थित हो जायेगें तथा अपने विभाग से सम्बन्धित जन समस्याओं के निराकरण में अपनी प्रभावी भूमिका सुनिश्चित करेंगे। थाना समाधान दिवस में प्राप्त होने वाली सभी शिकायतों का समाधान यथा सम्भव उसी दिन मौके पर संयुक्त टीम भेजकर सुनिश्चित करा लिया जावेगा। उन्होंने निर्देशित किया है कि जन सामान्य से प्राप्त शिकायतों की सुनवाई उपस्थित प्रभारी अधिकारी द्वारा की जाएगी तथा शिकायत की प्रकृति के आधार पर पुलिस अथवा राजस्व कर्मियों अथवा संयुक्त रूप से आवश्यक निर्देश दिए जाएंगे। निस्तारित प्रत्येक मामले की प्रविष्टि जी०डी० में की जाय। ताकि भविष्य मे उसी शिकायत के पुनः प्राप्त होने पर उक्त प्रविष्टि के आधार पर वैधानिक कार्यवाही किया जाना संभव हो सके। जिन प्रकरणों में स्थल निरीक्षण की आवश्यकता हो तो उसने पुलिस व राजस्व कर्मियों की टीमें गठित कर स्थल पर भेजी जायेगी। महत्वपूर्ण, गम्भीर प्रकरणों में थानाध्यक्ष, तहसीलदार, उप जिलाधिकारी तथा क्षेत्राधिकारी के टीमे स्थल पर जाकर स्थल निरीक्षण कर समस्या का निराकरण करायेगी। यदि समस्या का सन्तोषजनक निराकरण हो सकता है। तो शिकायतकर्ता से निस्तारण आख्या पर सन्तुष्टि स्वरूप प्रमाण पत्र, हस्ताक्षर ले लिए जाए तथा शिकायतकर्ता का मोबाइल नं०ध्फोन नं० नोट कर लिया जाय। समस्त शिकायते थाना समाधान दिवस के रजिस्टर में अंकित की जायेगी। शिकायतों का निस्तारण भी संक्षेप में दर्ज किया जायेगा। प्रत्येक तहसील दिवस पर समस्त थानों का समाधान दिवस रजिस्टर जिला मजिस्ट्रेट, पुलिस अधीक्षक अथवा उप जिला मजिस्ट्रेट, पुलिस उपाधीक्षक को अवलोकित कराया जायेगा। जिन प्रकरणों का निस्तारण थाना समाधान दिवसों में नहीं हो पाता है। उन प्रकरणों को आगामी तहसील दिवस में जिला मजिस्ट्रेट, पुलिस अधीक्षक के समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा। थाना दिवस, समाधान दिवस मे अधोहस्ताक्षरी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा आकस्मिक भ्रमण, निरीक्षण किसी भी दो थाने पर अलग–अलग किया जायेगा एवं अपर जिलाधिकारी (बि०द रा०)ध्अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा भी कम से कम दो थाना क्षेत्रों का आकस्मिक निरीक्षण करेगें। भ्रमण के दौरान समाधान दिवस के सुचारू रूप से संचालन एवं शासन द्वारा समय–समय पर दिये गये निर्देशों का सही अनुपालन की समीक्षा की जायेगी। धाना समाधान दिवस पर प्रातः 10 बजे से पुलिस उपाधीक्षक अपने अधीनस्थ समस्त थाना क्षेत्रो का भ्रमण करेगें और यह देखेगें कि थाना समाधान दिवस पर कार्यवाही सुचारू रूप से हो रही है। उक्त के अतिरिक्त समाधान दिवस पर महिलाओं के उत्पीड़न, समस्याओं संबंधी शिकायतों के पंजीकरण तथा अवैध रूप से संचालित स्लाटर हाउस से संबंधित शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण कराना भी सुनिश्चित करेंगे।

नव वर्ष पर बुद्धनगरी, कुशीनगर मे लगा मेला, दिन भर रही चहल- पहल

कुशीनगर, (आरएनएस)। नववर्ष के जश्न में बुधवार को सभी सराबोर नजर आए। मंगलवार की मध्य रात्रि से ही आतिशबाजी और गीत–संगीत का जो दौर शुरू हुआ, वह बुधवार को भी जारी रहा। सुबह कुशीनगर के बौद्ध मंदिर, रामाभार स्तूप, मुख्य मंदिर सहित अन्य दर्शनीय स्थलों पर भ्रमण के अलावा लोगों ने मदनपुर देवी मंदिर में पूजा–अर्चना कर नववर्ष की शुरुआत की। रामकोला का विश्वदर्शन मंदिर भी पिकनिक स्पॉट के रूप मे नजर आया। वहां काफी संख्या में लोगों ने मेले का लुत्फ उठाया। इसी तरह पनियहवा में भी पिकनिक मनाने वालों की कमी नहीं थी। हालांकि पिछले साल की अपेक्षा इस वर्ष कुशीनगर मे सैलानियों की भीड कम रही है।

बताते चलें कि हर वर्ष की तरह इस बार भी कुशीनगर में जिले के अलावा गोरखपुर, देवरिया, महराजगंज और पड़ोसी राज्य बिहार के लोग भी काफी संख्या में पहुंचे। सैलानियों के लिए महात्मा बुद्ध की लेटी हुई प्रतिमा आकर्षण का केंद्र बना रहा। इसके अलावा मंदिर मार्ग पर स्थित माथा कुंवर मंदिर सहित रामाभार स्तूप के परिसर में भी भीड़ लगी रही। सुबह से ही युवक–युवतियां एवं नवदंपतियों का आना शुरू हो गया था।दोपहर बाद कुछ देर के लिए सूर्य देव ने दर्शन दिया किन्तु धूप न निकलने के कारण मौसम का मिजाज सर्द रहा। बावजूद इसके वजह से मेला में पिछले वर्ष के अपेक्षा इस साल भीड़ कम आंकी गई। यही वजह है कि मुख्य मंदिर के प्रवेश द्वार को पूरी तरह खोल दिया गया। हालांकि पहले पुलिस की ओर से भीड़ को कतारबद्ध तरीके से प्रवेश कराने की कोशिश की जा रही थी, लेकिन बाद में भीड़ को काबू में देखते हुए भीड़ को छोड दिया गया। मेले में मुख्य गेट से लेकर माथा कुंवर मंदिर तक खान–पान की व्यवस्था प्रतिबंधित कर दी गई थी। माथा कुंवर मंदिर से लेकर आगे तक तरह–तरह के फास्ट फूड, बेकरी, आइसक्रीम, काफी के अलावा खिलौनों की दुकानें लगाई गई थीं। पूरे मेला क्षेत्र में जगह–जगह पुलिस तैनात रही। मेले में संदिग्ध दिखाई देने वाले युवकों से पूछताछ भी की जा रही थी। धर्मशाला में कंट्रोल रूम बनाकर खोया–पाया केंद्र से लगातार मेले में हर गतिविधियों की सूचना दी जा रही थी।विश्व दर्शन मंदिर में भी नववर्ष की खुशी मनाने के लिए सैकड़ों की संख्या में लोग पहुंचे। युवक–युवतियों ने सेल्फी लेकर इन यादों को कैमरे में कैद किया।यहां बिहार के गोपालगंज, बेतिया तथा देवरिया, गोरखपुर, महाराजगंज सहित दूर–दूर से लोग आए थे। लोगों ने मंदिर पहुंचकर सभी धर्मों के महापुरुषों की मूर्तियों के दर्शन किए। मंदिर की सुरक्षा के लिए पुलिस बल तैनात रहे। मंदिर के पुजारी ने बताया कि आने वाले सभी भक्तों को दर्शन में कोई असुविधा न हो, इसके लिए लाइन लगाकर दर्शन कराया जा रहा है तथा दूसरे गेट से बाहर निकाला जा रहा है।– मेले की झलकियां— प्रशासन की ओर से मेले को सकुशल संपन्न कराने के लिए पूरे इंतजाम किए गए थे। इसके तहत मुख्य प्रवेश द्वार पर ही शराबियों की जांच के लिए पुलिस तैनात रही। डॉग स्क्वॉड की टीम भी मेला परिक्षेत्र का भ्रमण कर संदिग्ध वस्तुओं की जांच करते हुए देखी गई। धर्मशाला में प्रशासनिक अफसरों की ओर से केंद्र बनाया गया था। वहां एस डी एम के साथ सीओ तहसीलदार नायब तहसीलदार मेले की व्यवस्था की मानीटरिंग कर रहे थे। इसके अलावा पुलिस के आला अफसरों ने दोपहर बाद मेला परिक्षेत्र का भ्रमण कर सुरक्षा का जायजा लिया। इन अफसरों ने महापरिनिर्वाण मंदिर, रामाभार स्तूप, मांथा कुंवर मंदिर समेत पूरे क्षेत्र की मानीटरिंग किया।

नव वर्ष पर रोटरी क्लब ने निःशुल्क ब्लड ग्रुप जांच शिविर का किया आयोजन

कुशीनगर,। रोटरी क्लब कुशीनगर ने नए वर्ष के पहले ही दिन एक महत्वपूर्ण पहल की। रोटरी ने कुशीनगर चौरिटेबल ब्लड बैंक के संयुक्त तत्वावधान में निरूशुल्क ब्लड ग्रुप जाँच शिविर का आयोजन किया। शिविर के माध्यम से नव वर्ष के मेले में लोगों ने मुफ्त में अपने ब्लड ग्रुप की जाँच कराई। इस पहल के माध्यम से क्लब ने समाज में स्वास्थ्य संचार को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन नगर पालिका कुशीनगर के अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश जायसवाल व अधिशासी अधिकारी अंकिता शुक्ला ने फीता काट कर एवं अपना ब्लड ग्रुप जांच कराते हुए किया। मुख्य अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि भाग–दौड़ की वर्तमान जिन्दगी में प्रत्येक व्यक्ति के लिए अपने ब्लड ग्रुप की जानकारी रखना बहुत जरूरी है। इससे खुद के किसी दुर्घटना का शिकार होने या मौका पड़ने पर किसी को रक्त देने व लेने में सहायता मिलती है। रोटरी के अध्यक्ष वाहिद अली ने बताया कि ब्लड ग्रुप पता होने से रोगों से मुक्ति एवं आकस्मिक संकट के समय विशेष लाभ मिल जाता है। साथ ही जिनका ब्लड ग्रुप एबी निगेटिव है। जो कम लोगों में पाया जाता है। किसी को भी एबी निगेटिव रक्त की आवश्यकता पड़े तो वे सहर्ष रक्तदान कर लोगों के जीवन बचाने में सहयोग कर सकेंगे। कार्यक्रम में सभासद केशव सिंह, राजेश मद्धेशिया, दिनेश तिवारी भोजपुरिया, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉ. संजय सिंह, पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के संरक्षण सहायक शादाब खान, प्रधानाध्यापक भगवंत सिंह सहित 503 लोगों ने अपने रक्त समूह की जांच कराई। जाँच के उपरांत सभी को प्रमाण पत्र दिया गया। इस अवसर पर रोटरी क्लब के अध्यक्ष वाहिद अली, सचिव अजय कुमार सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय कुमार गुप्ता, उपाध्यक्ष दिनेश कुमार यादव, कोषाध्यक्ष दुर्गेश चतुर्वेदी, संयुक्त कोषाध्यक्ष सदरे आलम, मीडिया प्रभारी अरूण कुमार वर्मा, राजीव तिवारी, अरूण कुमार मौर्या, रंजीत श्रीवास्तव, आदिल खान, शोभा राय, राजू चौहान आदि उपस्थित रहे।

नव वर्ष नवीनता एवं परिवर्तन का संदेश देता है: ब्रम्हकुमारी

कुशीनगर (आरएनएस)। जनपद के फाजिलनगर कस्बा स्थित ब्रह्मकुमारीज राजयोग मेडिटेशन केन्द्र में नव वर्ष के अवसर पर राजयोग मेडिटेशन स्वर्णिम भारत विषयक गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें वक्ताओं ने अपने अपने विचार रखे। संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए ब्रह्मकुमारीज राजयोग मेडिटेशन केंद्र शाखा फाजिलनगर के प्रभारी ब्रह्मकुमारी भारती बहन ने कहा नववर्ष नवीनता एवं परिवतर्न का पावन सन्देश देता है कि अगर जीवन मे सफलता प्राप्त करना है तो अपने दृष्टिकोण अर्थात अपने विचारों में परिवर्तन लाना है। इसके लिए सबसे सहज विधि है। अपनी दैनिक कर्म में राजयोग मेडिटेशन को शामिल करना और उसे नियमित करते रहना। ब्रह्मकुमारी प्रीति बहन ने बताया कि राजयोग मेडिटेशन के नित्य अभ्यास से व्यक्ति के जीवन का सर्वांगीण विकास होता होने के साथ तन और मन दोनों स्वस्थ होता रहता है। ब्रह्मकुमारी गीता बहन ने कहा आत्मा का पिता परमात्मा से मिलन के अनुभूति का नाम ही राजयोग मेडिटेशन हैं। इससे व्यक्ति के नकारात्मक विचार समाप्त होते हुए सकारात्मक विचारों का संचार होता है। कार्यक्रम का संचालन ब्रह्मकुमार सूरज ने किया तथा बहन साबित्री ने सभी के आरती आभार प्रकट किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ। इस दौरान मैतुल मस्ताना, कवि संतोष संगम, छात्र नेता जितेन्द्र प्रजापति, शैलेश सिंह, सतेंद्र सिंह, वीं उदयभान सिंह, रामायन सिंह, ब्रह्मकुमार उमेश, ब्रह्मकुमारी प्रीति बहन, सुमित्रा बहन, माधुरी बहन, आदि ब्रह्मकुमारीज के सदस्य उपस्थित रहे।

जाली नोटो के धन्धे में गिरतार नूरी बाबा आम जनमानस में शरीफ बनकर करता था अपराध

जमुनहा/श्रावस्ती (नि0सं0)। मल्हीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत लक्ष्मनपुर गंगापुर के मजरा लक्ष्मनपुर गांव निवासी नूरी बाबा उर्फ मुबारक पुत्र असगर की गतिविधियों ने लोगों को हैरान कर दिया है। नूरी बाबा गांव में लगभग 1 बीघा जमीन पर मदरसा संचालित करता था। इस मदरसे के पीछे चल रही उसकी संदिग्ध गतिविधियों ने पुलिस और प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया है। नूरी बाबा के घर में एक स्थाई पत्नी है, जिससे उसके तीन बेटे और दो बेटियां हैं। बड़ी बेटी की शादी हो चुकी है। लेकिन सूत्रों के अनुसार, नूरी बाबा का व्यक्तिगत जीवन काफी विवादित रहा है। गोण्डा जनपद की एक महिला को मदरसे में लाने के बाद नूरी बाबा उसे नेपाल लेकर गया। कुछ समय बाद, महिला के साथ वापस आकर उसने कोर्ट मैरिज के बाद निकाह किया। इसके अलावा, बहराइच जनपद की एक महिला को भी मदरसे में शरण दी। मदरसे में दो–तीन अन्य महिलाएं भी रहती थीं, जिनसे नूरी बाबा का संपर्क था। नूरी बाबा खाद–बीज की दुकान चलाने के साथ–साथ झाड़–फूंक का काम भी करता था। उसका एक मकान वीरगंज बाजार में है। पहले वह कबाड़ का काम करता था और इसी दौरान बिजली विभाग के लोहे के पोल चोरी करने का मामला उसके खिलाफ दर्ज हुआ था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने क्षेत्राधिकारी संतोष कुमार, थानाध्यक्ष जय हरी मिश्रा, लेखपाल संजय शुक्ला और मल्हीपुर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। मदरसे से जुड़े तथ्यों और सबूतों को इकट्ठा किया जा रहा है। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक श्रावस्ती मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दिया।

देशी रिवाल्वर के साथ आरोपी धराया, गया जेल

लालगंज, प्रतापगढ़। लालगंज पुलिस ने आरोपी को एक देशी रिवाल्वर तथा एक जिंदा कारतूस के साथ धर दबोचने में सफलता ली है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट का केस दर्ज कर उसे जेल भेज दिया। गुरूवार को दिन में करीब सवा बजे फोर्स के साथ दरोगा दीपक यादव गश्त पर निकले थे। लालगंज के राजेन्द्र नगर चौराहे पर एक संदिग्ध युवक को पुलिस ने रोका। तलाशी लेने पर आरोपी कोतवाली के ही खानापटटी तकिया निवासी मो. हासिम के पुत्र मो. सुहेल के पास से अडतीस बोर की देशी रिवाल्वर व एक कारतूस बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट का केस दर्ज कर उसे जेल भेज दिया।

चार आरोपियों के खिलाफ पीड़िता को धमकी व गालीगलौज को लेकर केस

लालगंज, प्रतापगढ़। लीलापुर पुलिस ने महिला के साथ अभद्रता को लेकर चार आरोपियो के खिलाफ गालीगलौज तथा जानलेवा धमकी का केस दर्ज किया है। बासूपुर पौड़िया कांसापुर निवासी राजकुमार गौतम की पत्नी फूला देवी ने दी गई तहरीर में कहा है कि तीस दिसंबर को वह घर पर मौजूद थी। रात करीब नौ बजे रंजिश को लेकर विपक्षी गांव के मित्रसेन के पुत्र कमल गौतम तथा मित्रसेन की पत्नी आशा व पुत्री काजल एवं मित्रसेन ने लाठी डण्डे से लैस होकर गालीगलौज शुरू कर दी। पीडिता ने शोर मचाया तो गांव के लोग जुटे। आरोपी भीड़ जुटती देख भाग निकले। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मित्रसेन समेत चार के खिलाफ केस दर्ज किया है।

पांच लीटर शराब बरामद, आरोपी गया जेल

लालगंज, प्रतापगढ़। उदयपुर पुलिस ने आरोपी के पास से पांच लीटर अवैध शराब बरामद किया है। दरोगा अमित सिन्हा बुधवार की रात चेकिंग अभियान में निकले थे। थाना क्षेत्र के रेहुआ लालगंज खानीपुर मार्ग पर एक युवक पुलिस को देखकर भागने लगा। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे हिरासत में ले लिया। तलाशी लेने पर आरोपी के पास से पिपिया में पांच लीटर अवैध शराब बरामद हुयी। आरोपी मंगापुर निवासी कालीदीन कोरी का पुत्र रमेश कोरी के खिलाफ पुलिस ने आबकारी अधिनियम का केस दर्ज किया है। गुरूवार को आरोपी को पुलिस ने जेल भेज दिया।

विद्यालय में शिक्षकों के साथ अभद्रता पर प्रभारी प्रधानाध्यापक के खिलाफ केस, चार्ज छिना

लालगंज, प्रतापगढ़। प्रभारी प्रधानाध्यापक द्वारा साथी शिक्षकों के साथ अभद्र व्यवहार तथा असलहे के प्रदर्शन के साथ धमकी देने को लेकर सांगीपुर पुलिस ने गुरूवार को केस दर्ज किया है। सांगीपुर थाना क्षेत्र के ओरीपुर नौगीर स्थित राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में लालगंज निवासी डॉ. नलिनकान्त उपमन्यु प्रभारी प्रधानाध्यापक तैनात है। विद्यालय के शिक्षक विनोद कुमार, हनुमानदीन, जंग बहादुर पटेल, वंदना पटेल व रणविजय ठाकुर ने पुलिस से शिकायत की है कि पहली जनवरी को अपरान्ह विद्यालय में इंचार्ज प्रधानाध्यापक रिवाल्वर ले आये। आरोप है कि प्रधानाध्यापक ने सहायक अध्यापक विनोद कुमार को रिवाल्वर दिखाकर जान से मारने की धमकी दी। अध्यापकों का यह भी आरोप है कि प्रभारी प्रधानाध्यापक द्वारा बच्चों को भी डराया धमकाया गया। तहरीर पर सांगीपुर पुलिस ने जांच के नाम पर कार्रवाई नही की। इससे क्षुब्ध विद्यालय के सहायक अध्यापक गुरूवार को विद्यालय मे ताला लगाकर प्रतापगढ़ चले गये। विद्यालय में शिक्षकों को न देख बच्चे वापस लौट गये। अध्यापकों ने जिले के एसपी डॉ. अनिल कुमार से मिलकर आपबीती सुनाई। एसपी ने अध्यापको को कार्रवाई का भरोसा दिलाया। गुरूवार को सांगीपुर पुलिस ने प्रभारी प्रधानाध्यापक डॉ. नलिनकांत उपमन्यु के खिलाफ केस दर्ज किया है। हालांकि सांगीपुर एसओ मनीष का कहना है कि जांच में आरोपी प्रभारी प्रधानाध्यापक के पास रिवाल्वर खिलौने की पायी गयी थी। वहीं मामले में जिला विद्यालय निरीक्षक ओमकार राणा ने पहली जनवरी को जारी आदेश में विद्यालय में तैनात प्रभारी प्रधानाध्यापक डॉ. नलिनकांत उपमन्यु से चार्ज अवमुक्त कर दिया। डीआईओएस ने प्रभारी प्रधानाध्यापक का प्रभार सौंपा है।

किशोरी के अपहरण को लेकर पांच के खिलाफ मुकदमा

लालगंज, प्रतापगढ़। किशोरी के अपहरण को लेकर लालगंज पुलिस ने पांच आरोपियों के खिलाफ अपहरण व धमकी का केस दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के पूरे कैथन समापुर निवासी रामचन्द्र की पत्नी फूलकली ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि बीती छब्बीस दिसंबर को उसकी नाबालिग पुत्री रात में शौच को गयी थी। तभी रात नौ बजे गांव के ही बबलू के पुत्र कार्तिकेय गुप्ता ने उसे अपहृत कर लिया। घटना को लेकर पीड़िता ने आरोपी के घर उलाहना दिया तो कार्तिकेय के परिवार के सदस्य बबलू, बैजनाथ गुप्ता तथा गांव के नन्हें कोरी व किरन ने कार्रवाई करने पर पीड़िता को जानलेवा धमकी दी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने गुरूवार को कार्तिकेय समेत पांच के खिलाफ केस दर्ज किया है।

देखभाल के अभाव में सुख रहे है पाम और चंपा के पौधे

कुशीनगर, (आरएनएस)। करीब पांच माह पूर्व नगर पंचायत से लगाए गए लाखों रुपए से पाम व चंपा का पौधा देखभाल के अभाव में सुख रहा है। लेकिन जिम्मेदारों पर इसकी नजर नहीं पड़ रही है। बता दें कि नगर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए पांच माह पूर्व नगर पंचायत के विभिन्न वार्डों, मुख्य जगहों व चौराहों पर करीब ग्यारह सौ फास्टेल पाम और एल्बा चंपा का पौधा लगाया गया। लेकिन देखभाल के अभाव में आज सुख रहा है। हाटादृकप्तानगंज मार्ग के मथौली बाजार से घिवहीं तक नगर सीमा के दोनों तरफ पौधा लगाया गया है।

आज हालत यह है कि उक्त पौधे का देखभाल न होने के कारण ऊपरी हिस्सा सुख रहा है। कई जगह टूटकर जमीन पर गिर पड़े है। कई जगह तो आधा हिस्सा ही टूटकर लटक गया है। लेकिन नगर के जिम्मेदारों को प्रतिदिन आते जाते पौधे दिखाई देते है। जानकारों की माने तो चंपा के पौधे को हफ्ते में दो बार पानी देना चाहिए।

मिट्टी की ऊपरी परत सूख जाने पर भी इसे पानी देना चाहिए। चंपा के पौधे को हर 2–3 महीने में खाद की आवश्यकता है लेकिन नगर के जिम्मेदार इस पर ध्यान नहीं दे रहे है। जहां जहां पौधा लगाया गया है वहां अतिक्रमण फैला हुआ है। हां इतना जरूर हुआ है कि उक्त पौधे के नाम पर लाखों रूपये नगर पंचायत से खारिज कर लिया गया है। कुल मिलाकर नवसृजित नगर पंचायत में खरीददारी से लेकर निर्माण कार्य तक खूब लूट मची हुई है।

इस संबंध में अधिशाषी अधिकारी से सर्वेश कुमार श्रीवास्तव से वार्ता करने की कोशिश की गई उनका फोन बजता रहा था लेकिन फोन रिसीव नहीं हुआ। इस तरह से उनका पक्ष नहीं जाना जा सका।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।